रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:110 शनिवार,27 दिसंबर ₹5 Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

टोरंटो यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्र की गोली मारकर हत्या

एजेंसी

टोरंटो यूनिवर्सिटी के स्कारबोरोपरिसर के पास 20 वर्षीय भारतीयशोध (डॉक्टरेट) छात्र शिवांक अवस्थीकी गोली मारकर हत्या कर दी गई।पुलिस मामले में हत्या के पहलू सेजांच कर रही है। ड्यूटी इंस्पेक्टरजेफ एलिंगटन ने घटनास्थल के पासपत्रकारों को बताया कि पुलिस कोदोपहर करीब साढ़े तीन बजे हाइलैंडक्रीक ट्रेल और ओल्ड किंग्स्टन रोडके पास एक घायल व्यक्ति के पड़े होनेकी सूचना मिली थी। टोरंटो पुलिस नेबताया कि संदिग्ध हमलावर पुलिस केपहुंचने से पहले ही इलाके से फरार होगया था। खबर के मुताबिक, जबअधिकारी मौके पर पहुंचे तो उन्होंनेव्यक्ति को पाया, जिसे गोली लगी थीऔर उसे घटनास्थल पर ही मृत घोषितकर दिया गया। पुलिस इस मामले कीजांच हत्या के रूप में कर रही है।एलिंगटन ने कहा, फिलहाल हमाराध्यान सबूतों को संरक्षित करने औरयह पता लगाने पर है कि ऐसा क्याहुआ था जिसके कारण छात्र को गोलीमारी गई। मृतक के परिजनों को भीसूचित करना है। इसी कारणफिलहाल बहुत अधिक जानकारीसाझा करना संभव नहीं है। अब तकहमलावर का कोई हुलिया या विवरणजारी नहीं किया गया है। टोरंटो मेंभारत के महावाणिज्य दूतावास ने इसघटना पर दुख व्यक्त करते हुए सोशलमीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, टोरंटोविश्वविद्यालय के स्कारबोरो परिसरके पास हुई गोलीबारी की घटना मेंयुवा भारतीय शोध छात्र शिवांकअवस्थी की मृत्यु पर गहरा शोकव्यक्त करते हैं।

झारखंड दौरे पर 27 को आएंगे प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू

संवाददाता

रांचीः अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के झारखंड प्रभारी के राजू झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को रांची पहुंचेंगे। इसकी जानकारी देते हुए मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी ने बताया कि के राजू रविवार को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140 वें स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) मुख्यालय में आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद वे कांके प्रखंड अंतर्गत सुंदर नगर, भगवान बिरसा मुंडा प्रतिमा के निकट, सुखरहुड्डू और जयपुर ग्राम पंचायतों की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित कांग्रेस ध्वजारोहण कार्यक्रम

पेसा कानून लागू होने से जनजातीय क्षेत्र में स्थानीय स्वशासन की व्यवस्था होगी मजबूत : सीएम हेमंत

नई दिल्ली में पांचवें राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन का हुआ आगाज

मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन में झारखंड के मुख्य सचिव की सहभागिता

- पूर्वजों के संघर्ष से मिला झारखंड
- पेसा कानून की जानकारी सभी को रखने की ावश्यकता
- गांव मजबूत होगा तभी राज्य मजबूत होगा

संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में केंद्रीय सरना समिति, राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा एवं आदिवासी बालक-बालिका छात्रावास रांची के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोगों ने राज्य सरकार द्वारा पेसा नियमावली (पंचायत उपबंध, अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार अधिनियम) को मंत्रिपरिषद से मंजूरी दिए जाने को लेकर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया तथा सहृदय उन्हें धन्यवाद् ज्ञापित किया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ मुख्यमंत्री आवासीय परिसर पहुंचे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे विगत दो दिनों से शहर, गांव तथा कस्बों सहित राज्य विभिन्न क्षेत्रों से लोगों की भावनाओं एवं उनके उत्साह की जानकारी मिल रही है। मुख्यमंत्री रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों से अपील की है कि राज्य में चल रही शीतलहर को देखते हुए आप सभी आवश्यक सावधानियां बरतें और सुरक्षित रहें. उन्होंने अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है, विशेषकर सुबह और शाम केसमय में.सीएम ने सभी से गर्म कपड़े पहनने और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की अपील की है. उन्होंने अलाव या हीटर का सुरक्षित इस्तेमालकरने और कमरे में अच्छा वायु संचार बनाए रखने की भी सलाह दी है.अगर किसी को खांसी-जुकाम, कमजोरी

वीर बालक दिवस पर भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम को प्रधानमंत्री ने किया संबोधित

जेन-जी और जेन-अल्फा ही 'विकसित भारत' के लक्ष्य को आगे बढ़ाने वाली पीढ़ी : पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्लीःशुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीर बालक दिवस के अवसर पर भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जेन-जी और जेन- अल्फा ही भारत को 'विकसित भारत' के लक्ष्य तक आगे बढ़ाने वाली पीढ़ी है। जेन-जी यानी 1997 से 2013 के बीच जन्मी डिजिटल सक्षम युवा पीढ़ी और जेन-अल्फा यानी 2013 के बाद जन्मे तकनीक केंद्रित बच्चे। पीएम ने कहा कि वे युवाओं की क्षमता, आत्मविश्वास और सामर्थ्य को समझते हैं और इसलिए उज्जवल भविष्य के लिए उन पर उन्हें पूरा भरोसा है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि उम्र नहीं, कर्म और उपलब्धियां व्यक्ति को बड़ा बनाती हैं और कम उम्र में भी ऐसे कार्य किए जा सकते हैं जो पूरे समाज को प्रेरणा दें। अपने संबोधन में पीएम ने वीर साहिबजादों के अदम्य साहस और बलिदान को याद करते हुए आज के जीवन के लिए प्रेरणादायक बताया। कहा कि साहिबजादों ने यह नहीं देखा कि रास्ता कितना कठिन है, उन्होंने केवल यह देखा कि रास्ता सही है या नहीं। यही भावना आज भारत के युवाओं से अपेक्षित है। बड़े सपने देखना, कठिन परिश्रम करना और आत्मविश्वास को कभी डगमगाने न देना। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब उसके बच्चों और युवाओं का भविष्य उज्ज्वल होगा। उनका साहस, प्रतिभा और समर्पण ही देश की प्रगति का मार्गदर्शन करेगा। आज देशभर में लाखों बच्चे अटल टिंकरिंग लैब्स के माध्यम से नवाचार, शोध, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सस्टेनेबिलिटी और डिजाइन थिंकिंग से जुड़ रहे हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा का विकल्प बच्चों के लिए सीखने को औरसहज बना रहा है।शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने वीर बाल दिवस के अवसर पर क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी सहित देश के 20 प्रतिभाशाली बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार 5 से 18 वर्ष की आयु के उन बच्चों को दिया जाता है, जिन्होंने साहस, खेल, पर्यावरण संरक्षण, विज्ञान एवं नवाचार, समाज सेवा,

कांग्रेस ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की पहली पुण्यतिथि दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

कांग्रेस ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की पहली पुण्यतिथि दी श्रद्धांजलि एजेंसी नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को उनकी पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी. इनका निधन 26 दिसंबर, 2024 को दिल्ली में हुआ था.वो 92 साल की उम्र में स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे. उनका अंतिम संस्कार 28 दिसंबर को दिल्ली के कश्मीरी गेट स्थित निगमबोध घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया था.कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक पोस्ट में कहा कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व ने भारत की अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र को मजबूती मिली थी. कांग्रेस ने कहा कि उनकी पुण्यतिथि पर हम ईमानदारी, विनम्रता और दूरदर्शिता वाले एक राजनेता को याद करते हैं. कांग्रेस ने कहा कि आज उन प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि जिन्होंने निस्वार्थ भाव से और दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र की सेवा की. कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी मनमोहन सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि दी. मनमोहन सिंह ने मनरेगा की गरिमा को बनाए रखा : डीके शिवकुमार ने कहा कि मनमोहन सिंह ने 2005 के सूचना का अधिकार अधिनियम के जरिए पारदर्शिता को बढ़ावा दिया.उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के जरिए काम की गरिमा को बनाए रखा. इसे अब विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम में बदल दिया गया है. पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं. शिवकुमार ने कहा कि भारत को आर्थिक संकट से बाहर निकालने से लेकर एक दशक तक प्रधानमंत्री के रूप।

पहले प्रेमिका को मारी गोली, फिर युवक ने कर लिया सुसाइड, रिम्स में चल रहा युवती का इलाज

संवाददाता

शुक्रवार की सुबह खलारी थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। यहां एक युवक ने पहले अपनी प्रेमिका को गोली मार दी और फिर घर आकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह युवक ने केडीएच ग्राउंड के पास अपनी प्रेमिका को रोका। दोनों के बीच कुछ कहा सुनी हुई। इस दौरान युवक ने लड़की पर गोली चला दी। गोली लगने से युवती गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि लड़की को रांची रेफर किया गया है। ग्रामीण एसपी के मुताबिक, यह घटना सुबह करीब 9 बजे की है। लड़की अपने घर से कहीं जाने के लिए निकली थी। इसी बीच केडीएच ग्राउंड के पास लड़की को युवक ने घेर लिया और उसे गोली मार दी। इस घटना के बाद युवक अपने घर पहुंचा और वीडियो बनाया,

देश भर में भारी बारिश, तेज हवाओं, कोहरे और शीतलहर को लेकर अलर्ट जारी

एजेंसी

नई दिल्लीः देश भर में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 27, 28 और 29 दिसंबर को देश के कई हिस्सों में भारी बारिश, तेज हवाओं, कोहरे और शीतलहर को लेकर अलर्ट जारी किया है। कुछ राज्यों में जहां जोरदार बारिश की संभावना है, वहीं दिल्ली-राजस्थान समेत कई इलाकों में कड़ाके की ठंड लोगों की परेशानी बढ़ा सकती है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अगले 3 दिनों तक भारी बारिश के साथ तेज हवाओं की चेतावनी दी है।

हिमाचल प्रदेश में मानसून के दौरान अच्छी बारिश देखने को मिली थी। मानसून के बाद कुछ समय के लिए बारिश थमी जरूर थी, लेकिन अब एक बार फिर राज्य में मौसम सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार 27, 28 और 29 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश में जोरदार बारिश होने की संभावना है।

तमिलनाडु में भी मानसून के दौरान अच्छी बारिश हुई थी और इसके बाद भी बारिश का सिलसिला जारी रहा। अब यहां मौसम का मिजाज बदलने वाला है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि 27, 28 और 29 दिसंबर को राज्य में तेज बारिश के साथ तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक 27, 28 और 29 दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश, कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, अंडमान-निकोबार, पुडुचेरी और कराईकल में रुक-रुक कर जोरदार बारिश होने की संभावना है।

आत्मनिर्भरता | नए साल में जल्द ही भारतीय सेना में शामिल करने का रास्ता साफ

दुश्मनों की हरकतों को करारा जवाब देगी नई मिसाइल प्रणाली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यआत्मनिर्भर भारत विजन के तहत देश के डिफेंस सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए हर स्तर पर तेजी से काम हो रहा है। इस कड़ी में कुछ दिन पहले ही यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि भारत की उन्नत आकाश-एनजी मिसाइल के उपयोग से संबंधित कई स्तरों पर मूल्यांकन और परीक्षण की प्रक्रिया पूरी हो गई है। इसके साथ ही नए साल में जल्द ही इसके सेना और वायुसेना में शामिल होने का रास्ता साफ हो गया है। विशेषज्ञों की दृष्टि में नई पीढ़ी की सतह से हवा में प्रहार करने वाली यह मिसाइल प्रणाली दक्षिण एशिया में सुरक्षा समीकरणों को बदलने की क्षमता रखती है। आकाश-एनजी प्रणाली तेज गति से आने वाले हवाई खतरों से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। रक्षा मंत्रालय की ओर से बताया गया है परीक्षणों के दौरान आकाश एनजी मिसाइलों ने कम ऊंचाई व लंबी दूरी और अधिक ऊंचाई वाली परिस्तिथियों में हवाई लक्ष्यों को अत्यंत सटीकता के साथ सफलतापूर्वक भेदा। परीक्षणों के दौरान डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन यानी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ-साथ वायुसेना के अधिकारी भी मौजूद रहे।ध्वनि से ढाई गुनी अधिक रफ्तार से आगे बढ़ने वाली इस मिसाइल प्रणाली की मारक क्षमता लगभग 60 किलोमीटर है। उच्च तकनीक पर आधारित यह उन्नत संस्करण भारत की उत्तर और पश्चिम सीमाओं पर आधुनिक हवाई खतरों के खिलाफ एक शक्तिशाली कवच प्रदान करेगा। आकाश-एनजी दुश्मन के स्टील्थ फाइटर जेट, क्रूज मिसाइल और ड्रोन जैसे लो रडार क्रॉस सेक्शन वाले खतरों को सटीक निशाना बना सकता है।विशेषज्ञों के अनुसार, लगभग 96 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री वाली यह मिसाइल प्रणाली विदेशी हथियारों पर देश की निर्भरता कम करती है। आकाश एनजी को आधुनिक कमान-नियंत्रण नेटवर्कों के साथ जोड़ा जा सकता है,

भाजपा मुख्यालय में पूर्व पीएम वाजपेयी की 101वीं जयंती पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया

वाजपेयी ने सुशासन की नींव रखी : नवीन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने विचारधारा और मूल्यों पर आधारित राजनीति के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से विकास एवं सुशासन के एक नए युग की नींव रखी तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके इस दृष्टिकोण को साकार कर रहे हैं। भाजपा नेता ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा निर्धारित विकसित भारत का लक्ष्य ह्यहम सभी के मिलकर काम करने से ही प्राप्त किया जा सकता है, जो अटल जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। यहां भाजपा मुख्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की 101वीं जयंती पर उनके व्यक्तित्व और योगदान को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद नवीन ने लोगों तथा पार्टी कार्यकताओं से प्रधानमंत्री मोदी के भारत को एक विकसित देश बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। नवीन ने कहा, अटल जी को यह हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद अरुण सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया, राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रभारी संजय मयूख और पार्टी के कई अन्य नेता मौजूद रहे। वाजपेयी के जीवन और नीतियों पर प्रकाश डालते हुए नवीन ने कहा, विचारधारा और मूल्यों पर आधारित राजनीति के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से अटल जी ने देश में विकास और सुशासन के एक नए युग की नींव रखी। उन्होंने कहा कि वाजपेयी उस चेतना के प्रतीक थे, जिसने लोकतंत्र को शोर मचाने की नहीं, बल्कि संवाद की संस्कृति सिखाई।

झारखंड में जल्द शुरू होगा एसआईआर, फर्जी सर्टिफिकेट पर वोटर बने तो होगी कार्रवाई

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में शुरू होने वाले मतदाता गहन विशेष पुनरीक्षण खास होने वाला है. अब तक 12 लाख मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से हटाने की तैयारी की जा चुकी है. सबकुछ ठीक रहा तो फरवरी महीने से राज्य में एसआईआर के दूसरे चरण की शुरूआत होगी. इन सबके बीच पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों में हो रहे एसआईआर के दौरान बड़े पैमाने पर फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर वोटर आईकार्ड मिलने के बाद भारत निर्वाचन आयोग ने झारखंड सहित अन्य राज्यों के लिए आवश्यक निर्देश जारी किया है. भारत निर्वाचन आयोग ने एक जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर चल रहे रक्फ़यानी विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सभी संबंधित

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को नए निर्देश जारी करते हुए गड़बड़ी करने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. आयोग का मानना है कि मतदाता सूची को हर हाल में पूरी तरह से सही और भरोसेमंद बनाना है.

नोटिस पाने वाले मतदाताओं को देने होंगे दस्तावेज

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जिन मतदाताओं को निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों की ओर से नोटिस जारी किया जाएगा उन्हें अपनी पात्रता से जुड़े निर्धारित दस्तावेज जमा करने होंगे. इसमें पिछली विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया से जुड़ी मैपिंग के प्रमाण भी शामिल हो सकते हैं. जारी निर्देश के मुताबिक मतदाताओं द्वारा दिए गए सभी दस्तावेज बूथ लेवल ऑफिसर ऐप के जरिए अपलोड किए जाएंगे. इसके बाद निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी इन दस्तावेजों की जांच करेंगे. निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि दस्तावेजों का सत्यापन संबंधित जारी करने वाले प्राधिकरण से कराया जाएगा. यह प्रक्रिया जिला निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से होगी और ईसीआईनेट में दस्तावेज मिलने के पांच दिनों के भीतर पूरी करनी होगी. इसके अलावा यदि कोई दस्तावेज उसी राज्य के किसी अन्य जिले से जारी हुआ है तो उसे ईसीआईनेट के माध्यम से संबंधित जिले के जिला निर्वाचन अधिकारी को भेजा जाएगा वहां से सत्यापन के बाद दस्तावेज वापस भेजे जाएंगे. अगर दस्तावेज किसी दूसरे राज्य के प्राधिकरण से जारी हुआ है तो उसे राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के जरिए संबंधित राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भेजा जाएगा, ताकि तुरंत जांच हो सके.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिलों को लिखा पत्र

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने एसआईआर को लेकर सभी जिलों को पत्र लिखा है. उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी ताजा निर्देश के अनुसार सख्त कदम उठाने का आदेश दिया है. उन्होंने राज्य में चल रहे मतदान केंद्रों के युक्तिकरण कार्य पर संतोष जाहिर करते हुए कहा है कि इसके लिए मतदान केंद्र एवं इसके क्षेत्र का जियो फेसिंग भी कराया जा रहा है. इस क्रम में कई ऐसे नए मकान अथवा वैसे मकान जिनका कोई मकान संख्या नहीं है उनके लिए नोशनल नंबर जारी किए जाएंगे. जिससे संबंधित मतदान केंद्र के बीएलओ को अपने मतदाताओं तक पहुंचने में आसानी हो सके.

शिक्षकों की कमी से जूझ रहा है डीएसपीएमयू, 9 भाषाओं को संभाल रहे हैं को-ऑर्डिनेटर

स्थायी शिक्षक 2026 में हो जायेंगे सेवानिवृत

रांची, संवाददाता ।

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) में चल रहे नौ क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषा विभाग विभिन्न समस्याओं से जूझ रहा है. कॉलेज में जहां भाषाओं को संरक्षित रखने और बढ़ावा देने की आवश्यकता होती है, वहीं आज स्थायी शिक्षकों की कमी से अपनी कमियां गिना रहे हैं. कॉलेज में बुनियादी संसाधनों का अभाव है. ऐसी स्थिति में कॉलेज प्रशासन की अनदेखी उजागर हो रही है.

नौ भाषाओं की व्यवस्था संभाल रहे हैं खोरठा विभागध्यक्ष

वर्तमान में विभाग की पूरी जिम्मेदारी खोरठा विभागाध्यक्ष डॉ.बिनोद कुमार महतो संभाल रहे हैं. जो अकेले ही नौ भाषाओं की व्यवस्था को देख रहे हैं. यही नहीं वे को-ऑर्डिनेटर पद का दायित्व निभा रहे हैं. लेकिन

नवंबर 2026 में वे सेवानिवृत्त हो जायेंगे. इसके बाद विश्वविद्यालय में एक भी स्थायी शिक्षक नहीं बचेगा, जिससे इन भाषाओं का भविष्य अंधकार में चला जाएगा.

कमरे नहीं, संसाधन नहीं, एचओडी नहीं

विश्वविद्यालय में नौ भाषाओं की पढ़ाई होती हैं. जिसमें पांच जनजातिय भाषाओं और चार क्षेत्रिय भाषाओ की पढ़ाई होती है. लेकिन इन विभागों को उचित कक्षा उपलब्ध नहीं कराए गए हैं. इसके साथ ही विभागाध्यक्षों के लिए बैठने तक की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है. इसमें आठ भाषाओं में एक भी एचओडी नहीं है. खोरठा भाषा विभागाध्यक्ष बिनोद कुमार महतो ने बताया कि प्रत्येक भाषा विभाग के लिए कम से कम चार-पांच संरक्षित कमरे, टेबल-कुर्सी, पीने के पानी और अन्य शैक्षणिक संसाधन होने चाहिए, लेकिन जमीनी हकीकत इससे कोसों दूर है. पीने के पानी की जो व्यवस्था थी, वह भी खराब पड़ी है और उसकी सुध लेने वाला कोई नहीं.

विश्वविद्यालय पहल करे तो सुधर सकती है स्थिति

डॉ बिनोद कुमार महतो ने बताया कि शिक्षकों और संसाधनों की कमी को दूर करने के लिए कॉलेज प्रशासन को संज्ञान लेने की आवश्यकता है. स्थायी शिक्षकों की बहाली जल्द करें,तभी विद्यार्थी सही ढंग से पढ़ सकेंगे.आधारभूत सुविधाओं का विकास और विभागीय ढांचे को मजबूत करने की पहल नहीं की गई।

भाकपा का शताब्दी वर्ष समारोह : पार्टी को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य कार्यालय में शताब्दी वर्ष समारोह धूमधाम से मनाया गया. झंडोत्तोलन राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने किया. इस मौके पर शहीद बेदी पर पुष्पांजलि अर्पित की गई. 100वें वर्षगांठ पर केक काटकर मिठाइयां बांटी गईं. महेंद्र पाठक ने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना 26 दिसंबर 1925 को कानपुर में हुई थी, आज 26 दिसंबर 2025 को 100वें वर्षगांठ के अवसर पर संकल्पित हैं कि जिस तरह से पार्टी को पूर्वजों ने शोषण के खिलाफ लड़ते हुए अपनी शहादत दी. उनके सपनों को जाया नहीं जाने देंगे. मौके पर पार्टी के सभी लोगों ने मिलजुल कर आगे बढ़ने का संकल्प लिया. इस अवसर पर किरण कुमारी, चंदेश्वर प्रसाद सिंह, कृष्ण कुमार वर्मा, सत्येंद्र सिंह, विजय कुमार लाल, सुनील कुमार सिंह, मोहम्मद मोइनुद्दीन, लव कुश, विजय कुमार ओझा, विनय कुमार ओझा, फरजाना फारुकी, आदिल खान, सुशांतो मुखर्जी, छुमो उरांव, यहशाम प्रवीण, इम्तियाज खान, फिरोज आलम, साजिदानंद मिश्रा बाटुल, राजेश कुमार, अब्दुल कलाम, रसीदी मोहम्मद, मुफ्ती अजहर कासमी, जयंत पांडे, प्रिया झा,इसाक अंसारी, उत्तम उरांव, शिवनारायण सिंह, डॉ चंदन, निरंजन भारती सहित कई लोग मौजूद थे.

फाइलों में ही दौड़ रहीं सिटी बसें, 24 बसों पर पूरे शहर का बोझ

रांची, संवाददाता ।

राजधानी में सिटी बस सेवा कागजों और फाइलों से बाहर निकलने का नाम नहीं ले रही है. हालत यह है कि पूरे शहर और प्रस्तावित रिंग रोड क्षेत्र की परिवहन जरूरतों को पूरा करने के लिए जहां 224 सिटी बसों की आवश्यकता बताई गई है, वहां फिलहाल महज 24 बसों के भरोसे शहर की पब्लिक ट्रांसपोर्ट व्यवस्था चल रही है. इसका सीधा खामियाजा रोजाना हजारों यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है. शहर में सिटी बस संचालन को लेकर रांची नगर निगम की ओर से कई बार कोशिशें की गई. एक-दो नहीं, बल्कि सात बार टेंडर निकाले गए, जिसके बाद एक ऑपरेटर ने रांची में सिटी बस संचालन में रुचि भी दिखाई. इसके बाद टिकट वेंडिंग एजेंसी की तलाश शुरू हुई, लेकिन करीब सात महीने बीत जाने के बाद भी नई बसें सड़कों पर नहीं उतर सकीं. नतीजा यह है कि सिटी बसें आज भी सिर्फ फाइलों में ही दौड़ रही हैं.

24 बसों पर पूरा शहर, यात्रियों की मजबूरी

वर्तमान में चल रही दो दर्जन बसों में क्षमता से कहीं अधिक यात्रियों को ठूंस-ठूंस कर भरा जा रहा है. सुबह और शाम के व्यस्त समय में स्थिति और भी भयावह हो जाती है. कामकाजी लोग, छात्र और दूर-दराज जाने वाले यात्री खड़े-खड़े सफर करने को मजबूर हैं. कई बार तो बसों में चढ़ने तक की जगह नहीं बचती. जेब कटने, मोबाइल और पर्स गायब होने जैसी घटनाएं आम हो चुकी हैं. लेकिन यात्रियों के पास कोई दूसरा विकल्प भी नहीं है. ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की मनमानी और मनचाहा किराया भी लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है. ऐसे में सिटी बस ही आम आदमी के लिए सबसे सस्ता सहारा बचती है.

15 साल पुरानी बसें हटते ही बिगड़ा सिस्टम

जानकारी के अनुसार, 15 साल की अवधि पूरी कर चुकी पुरानी बसों को एक साथ सड़कों से हटा दिया गया. इसके बाद से ही राजधानी की पब्लिक ट्रांसपोर्ट व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई. बसों की संख्या अचानक कम होने से यात्रियों की भीड़ कई गुना बढ़ गई. लंबी दूरी तय करने वाले यात्रियों के लिए हालात और भी मुश्किल हैं. क्योंकि उनके पास निजी वाहन या महंगे साधनों का विकल्प नहीं होता है. बसों की भारी कमी के कारण कई रूटों पर यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ता है. जब बस आती भी है, तो इतनी भरी होती है कि लोग आगे और पीछे की गेट पर लटककर सफर करने को मजबूर होते हैं. यह स्थिति किसी बड़े हादसे को दावत देके हैं. इसके बावजूद लोग जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं. सिटी बस ड्राइवर भी ऐसी हालात से परेशान हैं. ड्राइवरों का कहना है कि सीमित बसों में लगातार भीड़ ढोने से न सिर्फ बसों पर दबाव बढ़ रहा है, बल्कि उनके काम का तनाव भी कई गुना हो गया है. समय पर रखरखाव, तय शेड्यूल और यात्री सुरक्षा पर असर पड़ रहा है. गौरतलब है कि झारखंड राज्य की रजत जयंती के अवसर पर कुछ साल पहले सिटी बसों पर विशेष स्टीकर लगाए गए थे. इन बसों को खरीदे करीब 10 वर्ष हो चुके हैं.

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के लिए दो प्रचार वाहन रवाना

रांची, संवाददाता ।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार को तेज करने के लिए दो प्रचार वाहनों को रवाना किया गया. अभियान निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड शशि प्रकाश झा ने नामकुम स्थित कार्यालय परिसर से इन वाहनों को रवाना किया. दोनों प्रचार वाहन जिला और गांव स्तर पर आम लोगों तक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की जानकारी पहुंचाने का कार्य करेंगे. बताया गया कि मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम राज्य के सभी 24 जिलों में संचालित किया जा रहा है, ताकि मानसिक रोगों को लेकर जागरूकता बढ़ाई जा सके और लोगों को समय पर उपचार के लिए प्रेरित किया जा सके. इनमें से एक प्रचार वाहन केंद्रीय मानसिक चिकित्सालय के सहयोग से गांवों में लगाए जाने वाले मानसिक स्वास्थ्य शिविरों का प्रचार करेगा.

वहीं दूसरा वाहन संथाल परगना क्षेत्र के सभी जिलों में मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम से संबंधित जानकारी का प्रसार करेगा. दोनों प्रचार वाहन लगातार 90 दिनों तक गांव-गांव भ्रमण कर लोगों को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं, उपचार की सुविधा और सहायता के विभिन्न माध्यमों के बारे में जानकारी देंगे. इससे दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक भी मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी.

रांची के पर्ल ऑर्किड अपार्टमेंट में लगी आग, फायर ब्रिगेड की टीम ने पाया काबू, बाल-बाल बचे लोग

रांची, संवाददाता ।

राजधानी रांची के अरगोड़ा चौक के पास पर्ल ऑर्किड नाम के अपार्टमेंट में शुक्रवार की सुबह आग लग गई. राहत की बात है कि इस अगलगी में कोई हताहत नहीं हुआ है. फ्लैट में रखे कई जरुरी सामान जलकर राख हो गये हैं. फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया है. यह फ्लैट झारखंड पुलिस के सार्जेंट मेजर अभिनव पाठक के नाम पर है. शुरूआती तौर पर आग लगने की वजह शॉट सर्किट बताई जा रही है.

आग लगने के वक्त फ्लैट में पांच लोग थे मौजूद

जानकारी के मुताबिक सबसे पहले बाथरूम से धुआं निकलना शुरू हुआ. उस वक्त फ्लैट में दो बच्चे, एक बुजुर्ग, एक महिला और एक पुरुष मौजूद थे. राहत की बात रही कि धुआं उठते ही सभी घर से

बाहर निकल गए. फ्लैट के लोगों ने बताया कि सुबह करीब 7:30 बजे अचानक धुआं निकलने लगा. इसकी वजह से अफरा तफरी मच गई. पता नहीं चल पाया कि धुआं आखिर कहां से उठा. इसके थोड़ी ही देर बाद पूरे फ्लैट में आग की लपटें उठने लगीं.

फायर ब्रिगेड की मुस्तैदी से टला हादसा

इसको देखते ही पुलिस की पेट्रोलिंग टीम और स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड को अलर्ट किया. जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया. घटनास्थल पर मौजूद झारखंड पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने फायर ब्रिगेड को अलर्ट किया. उन्होंने कहा कि जब टीम पहुंची तो आग की तेज लपटें निकल रहीं थी. हालात बेहद नाजुक थे. फिर भी फायर ब्रिगेड की टीम ने मुस्तैदी के साथ इस पर काबू पाने में सफलता हासिल की. 11वें फ्लोर स्थित फ्लैट में आग लगते ही पूरे अपार्टमेंट में हड़कंप मच गया. सभी फ्लोर के लोगों ने तत्परता दिखाई और सीढ़ियों के सहारे अपार्टमेंट से बाहर निकल गये. इसी बीच फायर ब्रिगेड की आठ गाड़ियां मौके पर पहुंच गई और अभियान शुरू कर दिया. राहत की बात है कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया. फिलहाल, आकलन किया जा रहा है कि संबंधित फ्लैट को कितना नुकसान पहुंचा है.

नई दिल्ली में तीन दिवसीय पांचवें राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन का हुआ आगाज

रांची, संवाददाता ।

देश की राजधानी नई दिल्ली में शुक्रवार से तीन दिवसीय (26 से 28 दिसंबर) पांचवें राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। इस भव्य सम्मेलन का नेतृत्व प्रधानमंत्री द्वारा किया जा रहा है।सम्मेलन के माध्यम से केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, सरकारी नीतियों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने और साझा प्रयासों से शासन व्यवस्था को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय विकास से जुड़े अहम मुद्दों पर हो रहे इस विचार-विमर्श का उद्देश्य केंद्रझराज्य साझेदारी को और अधिक सशक्त करना है। इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में झारखंड सरकार की ओर से मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार, परिवहन विभाग के सचिव श्री कृपानंद झा, योजना एवं विकास विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार तथा विशेष सचिव श्री राजीव रंजन सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी सहभागिता कर रहे हैं। सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य प्रधानमंत्री, नीति आयोग, केंद्रीय मंत्रालयों, राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारियों तथा विषय विशेषज्ञों के साथ समन्वित विचार-विमर्श के माध्यम से सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों को साझा करना और प्रभावी शासन मॉडल विकसित करना है। इस वर्ष सम्मेलन में मानव पूंजी के विकास जैसे व्यापक विषयों पर विस्तृत चर्चा हो रही है, जिसके अंतर्गत पांच प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया जाएगा, जिनमें प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, स्कूली शिक्षा, कौशल विकास, उच्च शिक्षा, खेल एवं पाठ्येतर गतिविधियां शामिल हैं। इसका लक्ष्य विकसित भारत के लिए एक साझा विकास रोडमैप तैयार करना है। यह सम्मेलन न केवल नीति निर्माण को मजबूती प्रदान करेगा, बल्कि केंद्र और राज्यों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से समावेशी, सतत एवं भविष्य-उन्मुख विकास की दिशा में एक ठोस आधार भी तैयार करेगा।

कांग्रेस स्थापना दिवस के दिन झारखंड में घर-घर पार्टी का झंडा फहराएंगे कांग्रेसी, भाजपा ने बताया नकल

रांची, संवाददाता ।

झारखंड में भी पार्टी स्तर कांग्रेस स्थापना दिवस की तैयारी चल रही है. 28 दिसंबर को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में जहां कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा, वहीं इस बार पार्टी ने पंचायत से लेकर प्रदेश तब सभी कांग्रेस नेताओं-कार्यकताओं को अपने-अपने घरों पर पार्टी का झंडा फहराने का निर्देश दिया है. झारखंड कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता जगदीश साहू ने बताया कि देश की आजादी की लड़ाई और आजादी के बाद देश को सजाने-संवारने में कांग्रेस की भूमिका अहम रही है. उन्होंने कहा कि इस वर्ष हमारी पार्टी ने पूरे साल संगठन सृजन वर्ष मनाया है. उन्होंने बताया कि हमारा संगठन पंचायत से लेकर ब्लॉक और जिला तक बना हुआ है, इसलिए इस वर्ष स्थापना दिवस पर हर कांग्रेसी के घर पर पार्टी का झंडा फहराया जाएगा. घरों पर झंडा फहराने के बाद उसकी तस्वीर पार्टी मुख्यालय भेजने का निर्देश दिया गया है. साथ ही फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सकते हैं.

कांग्रेस जनता के दिल से उतर चुकी है-शिवपूजन पाठक

झारखंड कांग्रेस द्वारा स्थापना दिवस के दिन (28 दिसंबर) को हर कांग्रेसी के घर पर पार्टी का झंडा फहराने के कार्यक्रम को भाजपा की ओर से नकल करार दिया गया है. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने कहा कि कांग्रेस चाहे जितनी भाजपा की नकल कर लें, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं होने वाला है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के दिलों से उतर चुकी है. शिवपूजन पाठक ने कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए नहीं, बल्कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ब्रांडिंग करने के लिए कांग्रेस इस तरह का कार्यक्रम आयोजित कर रही है. झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता जगदीश साहू ने कहा कि भाजपा हम पर नकल करने का आरोप न लगाएं. सच्चाई यह है कि भाजपा ही कांग्रेस की नकल करते आई है. उन्होंने कहा कि पार्टी का पर्यवेक्षक बनाने के मामले में भाजपा ने कांग्रेस का ही नकल किया है. इसलिए भाजपा के नेता हम पर नकल करने का आरोप न लगाएं.

जेयूटी के सहायक रजिस्ट्रार निशांत कुमार की नियुक्ति पर उठे सवाल

पात्रता और प्रोबेशन नियमों को लेकर विवाद

रांची, संवाददाता ।

झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी में सहायक रजिस्ट्रार निशांत कुमार की नियुक्ति और उन्हें रजिस्ट्रार का प्रभार सौंपे जाने को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं. उनकी पात्रता, अनुभव और नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर कई आपत्तियां सामने आई हैं, हालांकि इस पूरे मामले पर विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से नियमावली के अभाव का हवाला दिया जा रहा है. इस मुद्दे पर टेक्निकल छात्र संघ भी आवाज उठाती रही है. मामले की पड़ताल में सामने आया है कि निशांत कुमार ने मुंबई के सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में लगभग 10 महीने तक सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्य किया. इसके बाद उन्होंने टीसीईटी, मुंबई में 16 महीने

तक सहायक प्राध्यापक के रूप में सेवाएं दीं. इसके पश्चात 9 जनवरी 2023 को उन्होंने बीआईटी सिंदरी में सहायक प्राध्यापक के पद पर योगदान दिया. इसी बीच 18 सितंबर 2023 को झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी में रजिस्ट्रार पद के लिए रिक्ति अधिसूचित की गई. उसी दिन राज्यपाल सचिवालय को दो पत्र भेजे गए, जिनके आधार पर तीन महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. इनमें एक निर्णय निशांत कुमार की नियुक्ति से संबंधित था. आदेश में कहा गया:

अर्थात, उन्हें एक वर्ष या नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, सहायक रजिस्ट्रार के पद पर नियुक्त किया गया. गौरतलब है कि बीआईटी सिंदरी में नियुक्ति के महज 9 महीने के भीतर ही निशांत कुमार को सहायक रजिस्ट्रार बना दिया गया. जबकि झारखंड उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के नियमों के अनुसार किसी भी नई नियुक्ति पर दो वर्ष का प्रोबेशन पीरियड अनिवार्य होता है. ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि प्रोबेशन अवधि पूरी किए बिना किसी सहायक प्राध्यापक को प्रशासनिक पद पर कैसे नियुक्त किया गया. इसके साथ ही यह भी प्रश्न उठाया जा रहा है कि क्या राज्यपाल सचिवालय को निशांत कुमार की प्रोबेशन स्थिति और पात्रता से जुड़ी संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई गई थी या नहीं. वहीं, यह बहस भी जारी है कि क्या सहायक प्राध्यापक पद के लिए मात्र 35 महीने (लगभग 2 वर्ष 11 महीने) का शैक्षणिक अनुभव पर्याप्त माना जा सकता है.

सबसे अहम सवाल रजिस्ट्रार प्रभार को लेकर है. 18 सितंबर 2023 को जारी रजिस्ट्रार पद की रिक्ति में पात्रता मानदंड में से एक न्यूनतम 15 वर्षों के प्रशासनिक अनुभव का उल्लेख था. वर्तमान में निशांत कुमार न केवल सहायक रजिस्ट्रार हैं, बल्कि रजिस्ट्रार इनचार्ज का दायित्व भी संभाल रहे हैं, जबकि उनकी सहायक रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्ति की अवधि भी एक वर्ष से अधिक हो चुकी है. इन सभी मुद्दों पर प्रतिक्रिया के लिए संपर्क करने पर निशांत कुमार ने बताया कि उनकी नियुक्ति राजभवन के आदेश पर हुई है और उन्होंने उसी आदेश के तहत यह पद स्वीकार किया है. वहीं, विश्वविद्यालय की नियमावली को लेकर पूछे गए सवाल पर कुलपति धर्मेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी की नियमावली अब तक औपचारिक रूप से लागू नहीं हो पाई है. उन्होंने बताया कि नियमावली तैयार हो चुकी थी, लेकिन झारखंड राज्य विश्वविद्यालय विधेयक 2025 के आने के कारण उसे रोक दिया गया. कुलपति के अनुसार, यह नियुक्ति राजभवन के आदेश से हुई है और उसी का पालन किया जा रहा है. कार्यभार विस्तार को लेकर पूछे गए सवाल पर कुलपति ने कहा कि यह प्रक्रिया प्रॉपर प्रोसीजर के तहत की गई है, इसी कारण निशांत कुमार अब तक यह जिम्मेदारी संभाल रहे हैं. विश्वविद्यालय की स्पष्ट नियमावली के अभाव में पात्रता और प्रोबेशन जैसे महत्वपूर्ण मानदंडों पर कोई सख्ती नहीं बरती जा रही है।

लुटेरों को पकड़ने निकली थी पुलिस ज्वेलरी शॉप में हो गई लाखों की चोरी

जामताड़ा के मिहिजाम में चोरों ने दुकान के पिछली दीवार में लगाई सेंध

संवाददाता । रांची

झारखंड के जामताड़ा में कायस्थपाड़ा चौक पर आभूषण की दुकान में गोली मारकर की गई लूट की वारदात निपटाने में पुलिस जुटी थी कि गुरुवार को देर रात मिहिजाम के एक आभूषण दुकान में लाखों की चोरी हो गई। क्रिसमस की रात पुलिस पिछले वारदात के अपराधियों की धरपकड़ के लिए छापेमारी कर रही थी कि इसी बीच मिहिजाम बाजार में शिरडी ज्वेलर्स के पीछे दीवार में सेंध लगा कर चोर लाखों के गहने ले उड़े। लगातार हो रही वारदात पुलिस-प्रशासन को परेशान कर रही है। वहीं, चोरी की घटनाओं से कारोबारियों और आमजनों में पुलिस-प्रशासन के प्रति आक्रोश बढ़ रहा है। गुरुवार को देर रात आभूषण दुकान में हुई चोरी की घटना में गहनों की कीमत का पता नहीं चल पाया है। दुकान के मालिक शिव कुमार ने बताया कि सुबह जब वह दुकान खोलने आए तो उन्होंने देखा कि दुकान के पीछे की दीवार कटी हुई है और अंदर से ज्यादातर गहने व सामान गायब हैं। वहीं मौके पर पहुंचे मिहिजाम के थाना प्रभारी विवेकानंद दुबे ने बताया कि मामले की जांच चल रही है और जल्दी ही चोरी का खुलासा होगा। घटना के बाद फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी पहुंची है और मामले की पड़ताल में जुटी रही। घटना की सूचना पाकर भाजपा के जामताड़ा जिला अध्यक्ष सुमित शरण भी पहुंचे। उन्होंने बताया कि लगातार हो रही ऐसी घटनाओं को देखकर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। दो दिन पहले ही जामताड़ा वर्मा ज्वेलर्स में गोली बारी करके चोरी और आज मिहिजाम मुख्य बाजार में चोरी की वारदात हो गई। आखिर जनता ऐसी पुलिसिंग से कैसे सुरक्षित महसूस करेगी।

जेवर दुकान में चोरी के विरोध में दूसरे दिन भी बंद रहीं बिशुनपुरा की दुकानें

गढ़वा जिला अंतर्गत बिशुनपुरा बाजार में बुधवार की देर रात व्यवसायी राम हरख प्रसाद गुप्ता के प्रतिष्ठान शुभलक्ष्मी वस्त्रालय सह मुन्ना ज्वेलर्स में हुई चोरी की घटना से व्यवसायियों में खासा आक्रोश है। घटना के विरोध में लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी बिशुनपुरा के कारोबारियों ने अपनी दुकानें बंद रखीं। बाजार बंद रहने की सूचना पर बिशुनपुरा के थाना प्रभारी राहुल सिंह दल- बल के साथ पहुंचे और व्यवसायियों को समझा-बुझाकर दुकान खोलने का अनुरोध किया। लेकिन, व्यवसायियों ने चोरी की घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी तथा व्यवसायियों की सुरक्षा की मांग करते हुए थाना प्रभारी के अनुरोध को ठुकरा दिया। व्यवसायी संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता ने बीच बाजार में घटी इस घटना को लेकर पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब तक चोरी का खुलासा नहीं होगा, सभी दुकानें बंद रहेंगी। कारोबारी सड़क पर विरोध- प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। यहां बता दें कि 24 दिसंबर को हुई घटना में चोर लगभग 50 लाख रुपये मूल्य के सोना-चांदी के आभूषण, नकदी व कपड़े ले गए हैं।

बाल विवाह मुक्त झारखंड विषय पर अनुमंडल स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

संवाददाता ।

गिरिडीह:अनुमण्डल कार्यालय परिसर में जिला समाज कल्याण कार्यालय द्वारा शुक्रवार को बाल विवाह मुक्त झारखंड विषय पर एकदिवसीय अनुमंडल स्तरीय कार्यशाला आयोजित किया गया।अध्यक्षता डीएसडब्ल्यूओ बिनोद कुमार सिंह व संचालन अविनाश केशरी ने किया।कार्यक्रम में उपायुक्त गिरिडीह राम निवास यादव,एसपी डॉ बिमल कुमार प्रभारी एसडीएम संतोष गुप्ता एसडीपीओ सुमित प्रसाद सीओ सह प्रभारी बीडीओ शशिभूषण वर्मा पीरटांड़ बीडीओ मनोज मरांडी सीओ पीरटांड़ ऋषिकेश मरांडी डुमरी प्रमुख उषा देवी पीरटांड़ प्रमुख सबिता टुडू रेफरल अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा राजेश महतो डुमरी उपप्रमुख उपेन्द्र महतो जिप सदस्य सुनीता कुमारी,प्रदीप मंडल एवं बैजनाथ महतो विधायक प्रतिनिधि बीएन महतो पूर्व प्रमुख यशोदा देवी आदि उपस्थित हुए।अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन किया।उपायुक्त राम निवास यादव ने बाल विवाह उन्मूलन की दिशा में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी।साथ ही बाल विवाह से होने वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला।उपायुक्त ने बताया कि पुरे राज्य में बाल विवाह के विरुद्ध सिर्फ 5 केस हुए हैं,ये आश्चर्य की बात नहीं है।बात ये है कि लोग इसके बारे में जागरूक नहीं है और बाल विवाह हो रहे हैं जिसे ही रोकना है।बाल विवाह में जितने लोग उपस्थित रहेंगे सभी पर केश बनाने का प्रावधान है।कहा कि सामाजिक जागरूकता से ही बाल विवाह को प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है। वहीं एसपी ने कहा कि बाल विवाह करना और कराना तथा बाल विवाह कार्यक्रम में शामिल होने वाले पर प्राथमिकी दर्ज करने का प्रावधान है।जिसे जिले में और भी प्रभावी बनाया जाएगा।कहा कि समाज में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता फैलाना।

अध्यक्ष एदारा-ए- शरिया झारखंड के पुत्र का विवाह 28 दिसंबर 2025 दावते वलीमा

संवाददाता ।

रांचीः औलाद की शादी की जिम्मेदारी मुख्य रूप से अभिभावकों की होती है लेकिन यह सांस्कृतिक धार्मिक और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के आधार पर भिन्न हो सकती है कई परंपराओं में माता-पिता जीवन साथी ढूंढने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं जब के आधुनिक संदर्भों में अक्सर बच्चे अपनी पसंद के साथी चुनते हैं यह एक साझा निर्णय है जो परिवारों और व्यक्तियों के बीच आपसी समझ और सम्मान पर निर्भर करता हैअल्हम्दुलिल्लाह मेरी औलाद सैयद अहमद हुसैन का निकाह शगुफ्ता आफरीन पिता हाजी मोहम्मद युनुस अंसारी के साथ 28 दिसंबर 2025 को इस्लामी रस्मो रिवाज के साथ उनके आबाई वतन छाता बाद कैलूडीह न्यू मोहल्ला में सम्मान होगा यह जानकारी अध्यक्ष एदारा-ए- शरिया झारखंड सैयद नुरुल एन कादरी ने दी आगे उन्होंने कहा कि जिसे अल्लाह ताला औलाद दे तो उसे चाहिए कि उसका अच्छा नाम रखें और उत्तम प्रशिक्षण दे ।

27,% OBC आरक्षण नहीं होने से निकाय चुनाव एवं नौकरी में भारी नुकसान

हेमंत सरकार से आग्रह पेसा के तरह आरक्षण सीमा बढ़ाने का निर्णय ले : कैलाश यादव

संवाददाता । रांची

प्रदेश राजद प्रवक्ता एवं झारखंड ओबीसी आरक्षण मंच के केंद्रीय अध्यक्ष कैलाश यादव ने कहा है कि विगत 15 नवंबर 2000 में एकीकृत बिहार से अलग झारखंड राज्य निर्माण के दौरान राज्य में रळ/रउ/डइउ को 50 फीसदी आरक्षण था, जिसमें डइउ को 27% रउ को 15 एवं रळ वर्ग को 7.5% फीसदी आरक्षण होने से इन वर्गों को आर्थिक,सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप में सीधा लाभ मिल रहा था !

विगत 15 नवंबर 2000 को अलग झारखंड राज्य निर्माण के बाद राज्य के तत्कालीन प्रथम मुख्यमंत्री बीजेपी नेता बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में बीजेपी जेडीयू आजसू की संयुक्त एनडीए सरकार ने वर्ष 2002 में आरक्षण में कटौती कर ओबीसी का 27 से 14 एवं अनुसूचित जनजाति का 15 से 10 फीसदी घटाकर कर दिया और अनुसूचित जनजाति को लगभग 26 फीसदी बढ़ाकर आरक्षण लागू कर दिया गया !यादव ने कहा कि झारखंड बनने के 26 वें वर्ष में भी ओबीसी और अनुसूचित जाति के साथ भेद भाव हो रहा है और संवैधानिक रूप से अधिकृत आरक्षण का लाभ नहीं मिल रहा है ! नतीजन यह है कि राज्य में नगर निकाय/नगरपरिषद/पंचायत चुनाव एवं नौकरी पेशा में पिछड़े/अति पिछड़े एवं अनुसूचित जाति को आरक्षण कटौती का दंश झेल भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है !राजद नेता कैलाश यादव ने प्रदेश में चल रहे महागठबंधन सरकार के मुखिया लोकप्रिय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह किया है कि जैसे पेसा नियमावली को स्वीकृति देकर जनजातीय समुदायों को स्वशासन का अधिकार देकर सशक्त बनाने का ऐतिहासिक कार्य किया वैसे ही ओबीसी को 27 और अनुसचित जाति को 15 फीसदी आरक्षण सीमा को बढ़ाकर कानूनी रूप देने का काम करे !विदित है देश भर में रळ रउ डइउ का 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा निर्धारित था लेकिन 2014 के बाद केंद्र में मोदी सरकार बनने के बाद सामान्य वर्ग को अतिरिक्त 10 फीसदी आरक्षण दिया गया जबकि तमिलनाडु,आंध्रप्रदेश बिहार जैसे कई राज्यों में 50 फीसदी का दायरा बढ़ाकर आरक्षण दिया जा रहा है !

विगत 15 नवंबर 2000 को अलग झारखंड राज्य निर्माण के बाद राज्य के तत्कालीन प्रथम मुख्यमंत्री बीजेपी नेता बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में बीजेपी जेडीयू आजसू की संयुक्त एनडीए सरकार ने वर्ष 2002 में आरक्षण में कटौती कर ओबीसी का 27 से 14 एवं अनुसूचित जनजाति का 15 से 10 फीसदी घटाकर कर दिया और अनुसूचित जनजाति को लगभग 26 फीसदी बढ़ाकर आरक्षण लागू कर दिया गया !

कौम की तरक़्क़ी का वाहिद तरीका तालीम है : हाजी मो नफीस इदरीसी

संवाददाता । रांची

- मिशन इकरा सेमिनार 27 दिसंबर को रांची में...
- अंजाम उसके हाथ है आगाज करके देख । भीगे हुए परों से परवाज करके देख।।

सामाजिक संस्था अन्जुमन इदरीसिया (झारखंड) के तत्वावधान में झारखंड की राजधानी रांची में कल 27 ऊ्र 2025 दिन शनिवार को अंजुमन प्लाजा हाल , मेन रोड रांची में ऐतिहासिक

₹मिशन इकरा₹ सेमिनार का आयोजन आल इंडिया अंजुमन इदरीसिया के संरक्षक

जनाब मो सईद इदरीसी साहब की सरपरस्ती में आयोजित हो रहा है।

मिशन इकरा सेमिनार के मुख्य अतिथि दिल्ली से अन्जुमन इदरीसिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाजी मो नफीस इदरीसी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाजी मो इकरार इदरीसी, राष्ट्रीय महामंत्री इं अहमद मुबीन इदरीसी (उ प्र) राष्ट्रीय सचिव हाजी अब्दुल रहमान अख़्तर साहब (छपरा), हाजी अय्यूब खलीफा (लोहरदगा), हाजी हफीजुद्दीन इदरीसी, हाजी नफीस अनवर इदरीसी के अलावा विशिष्ट अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ अली अहमद इदरीसी , प्रो मो मुस्लिम (सीवान), जनाब शाह अम्बर साहब (एॗ्रे४३५ी ॾ्रीू३ङ्ग१, फ्र२' उङ्गल्ल२४'३ल्लॅ, ढ६उ क्ल्र्ऌ) के अलावा दिल्ली, उ प्र ,बिहार, झारखंड से तमाम मुअजीज इदरीसी भाई इंशाल्लाह शिरकत कर रहे हैं।

मिशन इकरा सेमिनार अटेंड करने के लिये पटना से मो बिलाल (उर्फ पप्पू भाई), शकील अहमद

दिल्ली से हाजी मो सगीर, हाजी मो इसरार, अख़्तर हुसैन, हाजी मो इरशाद, शाहजहांपुर यू पी से नकी इदरीसी, ताहिर अली, नौशाद हसन,शकील अहमद, हरदोई से हसीन अहमद, गुरसहायगंज (कन्नौज) से नजर नियाजी, कानपुर से मो परवेज ,मोईन अहमद,जमीर अहमद, मो वसीम वगैरा सेमिनार को अटेंड करने के लिये रांची पहुँच गये हैं।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की सिल्ली विधानसभा स्तरीय बैठक सम्पन्न

संवाददाती

- सिल्ली पंचपरगना क्षेत्र से हजारों की संख्या में आंदोलनकारी 3 जनवरी को रांची पहुंचेंगे
- सरकार झारखंड आंदोलनकारियों के प्रति सकारात्मक सोच रखे, परिणाम अच्छे होंगे : पुष्कर महतो

सिल्ली - झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा रांची जिला के तत्वावधान में सिल्ली विधानसभा स्तरीय बैठक बंता स्थित पंचायत भवन में हुई. बैठक में झारखंड आंदोलनकारी के राजकीय मान सम्मान अलग पहचान, आश्रितों को रोजी रोजगार नियोजन की सौ प्रतिशत की गारंटी तथा जेल जाने के बाध्यता को समाप्त करते हुए सभी को सम्मान पेंशन राशि 50- 50 हजार रु, झारखंड आंदोलनकारी कल्याण बोर्ड का गठन करने तथा समूह बीमा एवं चिकित्सा सुविधा का लाभ देने की मांग सरकार से की गई. साथ ही 3 जनवरी 2026 को रांची में आयोजित मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती के अवसर पर आहुत मुख्यमंत्री आभार यात्रा में हजारों की संख्या में भाग लेने का निर्णय किया गया.इस मौके पर मुख्य अतिथि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के आंदोलन में सिल्ली - पंच परगना का संघर्ष और शहादत सबसे बड़ा योगदान रहा है. सरकार झारखंड आंदोलनकारियों के प्रति सकारात्मक सोच रखे, परिणाम' अच्छे होंगे. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड आंदोलनकारी के आश्रितों के लिए 5 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण नौकरियों में एवं प्रमाण पत्र देकर कृतार्थ किया है,उसके प्रति 3 जनवरी 2026 को मारंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती के अवसर पर रांची में मुख्यमंत्री आभार यात्रा कर सम्मानित करेंगे. केंद्रीय सचिव प्रो. रतनलाल महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों को अधिकारों की रक्षा के लिए लड़ना ही होगा. हम लड़ेंगे और जीतेंगे.

दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल की अध्यक्ष श्रीमती रोजलीन तिर्की झारखंड आंदोलनकारी को अपने बाल बच्चे के अधिकारों की रक्षा के लिए तैयार रहें.जिला अध्यक्ष सुबोध कुमार लकडा ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के मूल्य को स्थापित करना झारखंड आंदोलनकारी का दायित्व है सरकार आंदोलनकारियों की पहचान को मिटने न दे.कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया गंगा नारायण सिंह मुंडा एवं संचालन प्रमुख आंदोलनकारी लक्ष्मी नारायण महतो ने की. बैठक में दिनेश कुमार महतो सनत कुमार राय विष्णु गिरी विनोद महतो हालदार महतो श्रीमती तारा कुमारी श्रीधर महतो राजेंद्र पातर मुंडा, विजय कुमार गुप्ता, चिंता देवी मुबारक अंसारी काबिल अंसारी कार्तिक महतो फाल्गुनी यादव सोमारी देवी बुनू देवी अष्टमी देवी सहित बड़ी संख्या में झारखंड आंदोलनकारी उपस्थित होकर अपने बाल बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने का संकल्प लिया तथा झारखंड आंदोलनकारी मुरलीधर महतो एवं विवेक कुमार के सड़क दुर्घटना में हुई मृत्यु को लेकर 1 मिनट का शोक प्रस्ताव लाया गया. एवं मांग की कई की मुरलीधर महतो

ब्रीफ न्यूज

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर बर्बरता बर्दाश्त नहीं: मोहम्मद शाहिद अय्यूबी अगर हिंदुओं और दलितों पर जुल्म न थमा, तो भारत बंद करे बिजली और कोयले की सप्लाई

संवाददाता ।

राँचीः झारखंड मुस्लिम युवा मंच के केंद्रीय अध्यक्ष मोहम्मद शाहिद अय्यूबी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं और दलितों पर हो रहे निरंतर अत्याचारों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए भारत सरकार से कड़े कूटनीतिक और आर्थिक कदम उठाने की मांग की है।

?शाहिद अय्यूबी ने एक कड़ा संदेश जारी करते हुए कहा कि मानवीय क्रूरता और व्यापारिक सहयोग एक साथ नहीं चल सकते। उन्होंने केंद्र सरकार और संबंधित राज्य सरकारों से अपील की है कि वे बांग्लादेश के साथ होने वाले व्यापार को 'रणनीतिक हथियार' के रूप में इस्तेमाल करें।?संसाधनों की आपूर्ति पर रोक की मांग भारत वर्तमान में अडानी पावर, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा ग्रिड के माध्यम से बांग्लादेश को लगभग 2,656 मेगावाट बिजली दे रहा है। साथ ही झारखंड और मेघालय से भारी मात्रा में कोयले की आपूर्ति की जा रही है। अय्यूबी ने मांग की है कि यदि बांग्लादेश सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में विफल रहती है, तो इस आपूर्ति को तत्काल प्रभाव से काटने की चेतावनी दी जाए।?आर्थिक शक्ति का उपयोगः मंच का मानना है कि केवल जुबानी विरोध काफी नहीं है। भारत को अपनी आर्थिक शक्ति दिखाते हुए स्पष्ट कर देना चाहिए कि ₹बिजली और व्यापार₹ की निरंतरता वहां ₹हिंदुओं की जान₹ की सुरक्षा पर निर्भर करेगी।?सीमावर्ती व्यापार पर कड़ा रुखः नेपाल से भारतीय ग्रिड के जरिए जाने वाली बिजली और सभी सीमावर्ती व्यापार को इस मुद्दे से जोड़ने की मांग की गई है।जब पड़ोस के घर में मानवता लहूलुहान हो, तो हम संसाधनों की आपूर्ति जारी रखकर मूकदर्शक नहीं बने रह सकते। भारत सरकार को दो टूक संदेश देना चाहिए कि अल्पसंख्यकों पर जुल्म बंद हो, अन्यथा भारत अपने संसाधनों की सप्लाई काटने के लिए पूरी तरह तैयार हैदूसरी ओर बांग्लादेश के पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत सरकार द्वारा। डेढ़ वर्षों से सुरक्षित आवासे सिक्योरिटी ,चिकित्सा सहायता,भोजन आदि का व्यवस्था भारत सरकार द्वारा की जा रही है। मोहम्मद शाहिद अय्यूबी केंद्रीय अध्यक्ष, झारखंड मुस्लिम युवा मंचभारत सरकार से मांग करता है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों के साथ-साथ आर्थिक मोर्चे पर भी बांग्लादेश पर दबाव बनाया जाए ताकि वहां रहने वाले हर अल्पसंख्यक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

गिरिडीह परिसदन में जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक

संवाददाता ।

गिरिडीह:गिरिडीह परिसदन में जिला कांग्रेस कमेटी के प्रखंड अध्यक्षों और जिला पदाधिकारी की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सह प्रभारी भूपेंद्र मरावी एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की जी की गरिमा में उपस्थिति में संपन्न हुई इस बैठक में आगामी 28 दिसंबर को कांग्रेस पार्टी के स्थापना के 140 वर्ष पूरे होने पर सभी पंचायत में और पंचायत कमेटी के पदाधिकारी के घरों पर पार्टी का झंडा फहराने को लेकर सभी प्रखंड अध्यक्षों के बीच झंडा वितरण किया गया और सभी को दिशा निर्देश दिए गए की पार्टी के आजादी से पहले और अब तक किए गए कार्यों को जन-जन तक पहुंचाना अत्यंत जरूरी है क्योंकि आज एक देश में नई पीढ़ी आ गई है जो आजादी मैं कांग्रेस के किए गए कार्यों से अनजान है या वर्तमान केंद्रीय सत्ता द्वारा उन्हें दिग्विरमित करने का प्रयास किया जा रहा है उसे हकीकत से रूबरू कराना यह कांग्रेस कार्यकताओं की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए साथ ही साथ जिले में संगठन के चल रहे कार्यों की समीक्षा की गई बैठक में युवा कांग्रेस के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्षों का अभिनंदन भी किया गया और उन्हें निर्देश दिया गया के मुख्य संगठन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का काम करें सह प्रभारी भूपेंद्र मरावी जी ने कहा गिरिडीह जिला में कांग्रेस काफी मजबूत है लेकिन अभी हमें और भी बहुत कुछ करना है राहुल गांधी जी लगातार पार्टी को मजबूत करने के लिए भाजपा के भ्रामक प्रचार के खिलाफ पूरे भारतवर्ष में जनता को जागरूक करने का काम कर रहे हैं तो हमारा भी फर्ज बनता है कि हम भी पार्टी को मजबूत करने के लिए लगातार जमीन पर कम करें और जनता के कार्यों की ओर ध्यान दें ताकि जनता हमारी और आकर्षित हो सके कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बंधु तिर्की ने भी कार्यकताओं को जनता से जुड़ने के निर्देश देते हुए कहा कि हमारे झारखंड सरकार लगातार जनता के हितों में काम कर रही है अभी जो पेसा कानून हमारी सरकार ने पास किया है वह गांधी जी के ग्राम स्वराज के सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जिसमें ग्राम पंचायत ही ग्राम की मालिक होगी और अपने स्थानीय परंपराओं के अनुसार अपने कानून का निर्माण कर सकेंगे जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सतीश केडिया ने कहा की लगातार पार्टी का संगठन मजबूत हो रहा है और हमारे लिए पार्टी के बूथ लेवल के जो कार्यकर्ता हैं वह सबसे महत्वपूर्ण कार्यकर्ता है वही पार्टी को मजबूती प्रदान करते हैं और वही बूथ पर हमारे लिए लड़ते हैं इसलिए उनके सम्मान की रक्षा हर हाल में की जाएगी इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जमुआ प्रखंड अध्यक्ष निजामुद्दीन अंसारी देवरी प्रखंड अध्यक्ष मनोज राय धनवार प्रखंड अध्यक्ष निरंजन तिवारी सरिया प्रखंड अध्यक्ष अभिनंदन प्रताप सिंह गिरिडीह प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद निजामुद्दीन पीरटांड़ प्रखंड अध्यक्ष धनंजय गोस्वामी डुमरी प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर मंडल गांव प्रखंड अध्यक्ष रणधीर चौधरी बिरनी से इतवारी वर्मा तीसरी से सचिन यादव बेंगाबाद से अर्जुन यादव प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव शांतनु मिश्रा नरेश वर्मा अजय सिन्हा धनंजय सिंह गायत्री देवी विमल सिंह अशोक विश्वकर्मा पप्पू विश्वकर्मा युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सोहेल इराकी धनवार विधानसभा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष मोहम्मद निजामुद्दीन भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के अध्यक्ष विनीत भास्कर यश सिन्हा पंकज सागर त्रिभुवन मोहम्मद अली खान बिलाल हुसैनी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

राजधनवार में हुई मोबलिचिंग की घटना में मृत व्यक्ति के परिजनों से मिला जिल कांग्रेस कमेटी

गिरिडीह : जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सतीश केडिया ने राजधनवार में हुई मोबलिचिंग की घटना में मृत व्यक्ति के परिजनों से मिलकर उनके परिवार को ढाढस बंधाया और पीड़ित परिवार को हर संभव सरकारी मदद दिलाने का आश्वासन दिया साथ ही साथ उन्होंने कहा कि इस तरह की घटना किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी किसी को भी किसी की जान लेने का हक नहीं दोषियों पर कानून अपना काम करेगा उनके साथ झारखंड राज्य पिछड़ा ायोग के सदस्य नरेश वर्मा देवरी प्रखंड अध्यक्ष मनोज राय जमुआ प्रखंड अध्यक्ष निजामुद्दीन अंसारी जिला अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अहमद राजा नूरी यस सिन्हा जुनेद आलम विमल सिंह आदि।

मायुमं की मंडलीय सभा में संगठनात्मक मजबूती पर हुई चर्चा

संकल्प के साथ कार्य करें युवा, तभी उत्कर्ष और सफलता सुनिश्चित होगी : विशाल पाड़िया

जमशेदपुर, संवाददाता

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच (मायुमं) के मंडल-3 की मंडलीय सभा उत्कर्ष- संकल्प से सफलता तक की प्रेरणादायी थीम के साथ मारवाड़ी युवा मंच जमशेदपुर शाखा के तत्वावधान में जुगसलाई नगर परिषद पार्क में भव्य एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई। जिसमें संगठनात्मक मजबूती, युवा सहभागिता एवं भावी योजनाओं के दृष्टिकोण पर चर्चा भी हुई और जो अत्यंत महत्वपूर्ण रही। इस सभा में प्रांतीय उपाध्यक्ष युवा मोहित मूनका के नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों की कुल 12 शाखाओं से लगभग 100 युवा सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ परिचय सत्र से हुआ। जिसमें मंचासीन अतिथियों एवं उपस्थित शाखा प्रतिनिधियों ने अपना संक्षिप्त परिचय दिया। आयोजक शाखा अध्यक्ष द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। जिसके बाद प्रांतीय उपाध्यक्ष द्वारा स्वागत वक्तव्य दिया गया। सभा में झारखंड प्रांत के अनेक वरिष्ठ एवं अनुभवी पदाधिकारियों की गरिमामई उपस्थिति भी रही। जिनमें रांची से पधारे प्रांतीय अध्यक्ष विशाल पाड़िया, राष्ट्रीय सहायक मंत्री हर्ष सुल्तानिया, प्रांतीय उपाध्यक्ष (मंडल 3) मोहित मूनका, मुख्यालय उपाध्यक्ष श्वेता जालान, महामंत्री दीपक गोयनका, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष अरुण गुप्ता, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल तथा मंडल 3 के सहायक मंत्री सौरव सोंथालिया भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष विशाल पाड़िया ने मंच के मूल मंत्र ह्रसेवा, संस्कार और संगठनह्व को आत्मसात करते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वे संकल्प के साथ कार्य करें, तभी उत्कर्ष और सफलता सुनिश्चित होगी। साथ ही राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों ने भी संगठन की कार्यप्रणाली, नेतृत्व विकास, युवा सशक्तिकरण एवं आगामी योजनाओं पर अपने विचार भी साझा किए। इस दौरान संगठन की वर्तमान गतिविधियों, भावी कार्यक्रमों, सेवा परियोजनाओं, संगठन विस्तार एवं शाखाओं की कार्य-योजनाओं पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की गई। सभी शाखाओं ने अपने-अपने कार्यों एवं उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया। सभा का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ सौहार्दपूर्ण, ऊर्जावान एवं प्रेरणादाई वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में लिपू शर्मा, उमेश खिरवाल, अश्विनी अग्रवाल, विकास शर्मा, हेमंत अग्रवाल, हेमंत गुप्ता, मयूर संघी, सौरभ अग्रवाल, रवि शंकर सोनी, शशांक भालोटिया, उत्तम शर्मा, अनिकेत अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, जितेश अग्रवाल, शिव चंद शर्मा, सहर्ष गोयल, हर्ष अग्रवाल, देव अग्रवाल, उत्सव अग्रवाल, हर्ष शर्मा, चेतन गर्ग, प्रकाश बजाज समेत अन्य का योगदान सराहनीय रहा।

15 लाख की लागत से दो योजना कार्यों का सरयू राय ने किया उद्घाटन

जमशेदपुर, संवाददाता

पश्चिम विधायक सरयू राय के विधायक निधि से लगभग 15 लाख की लागत से निर्माण हुए उलीडीह और मानगो के दो योजनाओं का उद्घाटन हुआ। जिसमें उलीडीह बिरसा रोड स्थित सामुदायिक भवन के पास डीप बोरिंग एवं सौंदर्यीकरण कार्य, मानगो संकोसाई रोड नंबर 5 जयगुरु नगर में सड़क का निर्माण होना शामिल है। मौके पर सहायक अभियंता अमित आनंद, कनीय आनंद सुबोध कुमार, भाजपा मानगो मंडल अध्यक्ष बिनोद राय, भाजपा उलीडीह मंडल अध्यक्ष रविन्द्र सिंह सिसोदिया, विपिन रंजन, अशोक बिरूआ, हरिश तामसोय, शांति लोहार, शिव चरण कुजूर, करण सुंडी, राय सिंह बिरूआ, रविष मुंडा, कुलविंदर सिंह पन्नु, अमृता मिश्रा, अनिमेश सिन्हा, जीतू गुप्ता, अशोक चैहान, लक्ष्मीकांत महतो, चन्द्रभूशण शर्मा, प्रभात द्विवेदी, अशोक कुमार राय, किंकर गौड़, जितेन्द्र साव, रवि गोराई, पप्पु सिंह, दीपक सुंडी समेत अन्य भी मौजूद थे।

विधायक सरयू राय ने 150 लाभुकों को सौंपा पेंशन स्वीकृति पत्र

पश्चिम विधायक सरयू राय ने शुक्रवार बिस्टुपुर स्थित आवासीय कार्यालय में 150 लाभुकों को पेंशन स्वीकृति पत्र सौपा। जिसमें वृद्धा पेंशन के 80, विधवा सम्मान पेंशन के 40 और 50 से 59 वर्ष के 30 महिलाओं को विधायक सरयू राय ने पेंशन स्वीकृति पत्र भी दिया। मौके पर मुकुल मिश्रा, नीरज सिंह, संतोष भगत, शेषनाथ पाठक, बीरेंद्र सिंह, सन्नी सिंह, आदित्य मुखर्जी समेत अन्य भी मौजूद थे।

सादगी और ईमानदारी की राजनीति के आदर्श थे डॉ. मनमोहन सिंह : बिमला कुमारी

पलामू, संवाददाता

पलामू जिला कांग्रेस भवन में शुक्रवार को देश के पूर्व प्रधानमंत्री, प्रख्यात अर्थशास्त्री एवं आधुनिक भारत के निमार्ता डॉ. मनमोहन सिंह की पुण्यतिथि श्रद्धा, सम्मान और आत्मीय वातावरण में मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पलामू जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुश्री बिमला कुमारी ने की। इस अवसर पर उन्होंने सहित उपस्थित कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने डॉ. मनमोहन सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया। जिला अध्यक्ष सुश्री बिमला कुमारी ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह भारत के आर्थिक सुधारों के सूत्रधार ही नहीं, बल्कि वे सादगी, ईमानदारी और संवैधानिक मूल्यों की जीवंत मिसाल थे। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी और सामाजिक न्याय तथा समावेशी विकास की नींव रखी। आज जब देश कई चुनौतियों से गुजर रहा है, ऐसे समय में उनके विचार और नीतियां और भी अधिक प्रेरणादायक एवं प्रासंगिक हो गई हैं। कार्यक्रम में शिक्षा प्रकोष्ठ के स्टेट चेयरमैन श्याम नारायण सिंह, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दीनानाथ तिवारी, रामाशीष पाण्डेय, चंद्रशेखर शुक्ला, विनोद तिवारी, रामदेव यादव, घूरा तिवारी, सुधीर चंद्रवंशी, गोपाल त्रिपाठी, तेजू साव, ईश्वरी प्रसाद सिंह, जितेंद्र कमलापुरी, राजेश चौरसिया, गोपाल सिंह, शैलेश कुमार सिंह, नंदकिशोर मिश्रा, अमित पाण्डेय, सुमन झा, अमेरिका सिंह, शंकर यादव, बबलू दुबे, गिरिजा सिंह, प्रियांशु श्रीवास्तव, संजीव ओझा, बीरेंद्र राम सहित अनेक कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतरी भाकपा, उपायुक्त कार्यालय पर किया जोरदार प्रदर्शन

पलामू, संवाददाता

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर भाकपा द्वारा शुक्रवार को विशाल रैली निकालकर उपायुक्त कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया गया। रैली का नेतृत्व भाकपा जिला सचिव सह डालटनगंज विधानसभा के पूर्व विधायक उम्मीदवार रुचिर कुमार तिवारी ने किया। प्रदर्शन के दौरान 'भ्रष्ट पदाधिकारी होश में आओ' और 'घूसखोर पदाधिकारी की एक दवाई–सीपीआई' जैसे नारे लगाए गए। प्रदर्शनकारियों ने कुछ समय के लिए उपायुक्त कार्यालय के मुख्य द्वार को भी जाम कर दिया। जिला सचिव रुचिर कुमार तिवारी ने कहा कि पलामू को अफसरों और मंत्रियों के चारागाह का अड्डा नहीं बनने दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले में भ्रष्टाचार चरम पर है और जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक के पदाधिकारी बेलगाम हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री पलामू से होने के बावजूद जिले के लोग अपेक्षित विकास से वंचित हैं, जिस कारण भाकपा को सड़कों पर उतरकर चेतावनी रैली निकालनी पड़ी। वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता सूर्यपत सिंह ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के कारण आम जनता फटेहाल है, जबकि अफसर और मंत्री मालामाल हो रहे हैं। राज्य कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र सिंह ने निगम के पदाधिकारियों और पूंजीपति वर्ग की मिलीभगत से नदी, नाले और तालाबों पर अतिक्रमण का आरोप लगाया। इस अवसर पर नवसूत्री मांगपत्र उपायुक्त को सौंपा गया, जिसमें सदर अस्पताल में वरिष्ठ डॉक्टर की नियुक्ति, नावाटोली तालाब, कोयल नदी व अन्य जलाशयों को अतिक्रमण मुक्त कराने, गरीब आदिवासियों की जोत-भूदान भूमि पर अवैध कब्जा रोकने, पूर्व सदर सीओ अमरदीप बल्होत्रा की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने तथा निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की मांग शामिल थी। सभा को के.डी. सिंह ने भी संबोधित किया। सभा में मनाजरूल हक, नसीम राइन, सोनू अहमद, उमेश सिंह चेरो, रंग बहादुर सिंह, मृत्युंजय तिवारी, चंद्रशेखर तिवारी, रामराज तिवारी, अभय कुमार भूइंया, राजेंद्र बैठा, सुरेश ठाकुर, जनेश्वर भूइंया, ललू सिंह, सनी सिंह, योगेंद्र सिंह, बिमला कुंअर, करीमन पासवान, प्रभु साव, रामजन्म राम, फेकन उरांव, शंभू सिंह चेरो, वंशी ठाकुर, बिनोद भूइंया, ललन सिन्हा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

चोरों द्वारा एक ही रात में 11 दुकानों की ताला तोड़कर चोरी की

धनबाद, संवाददाता

गुरूवार की देर रात को सिंदरी के मुख्य बाजार शहरपुरा में चोरों द्वारा एक ही रात में 11 दुकानों की ताला तोड़कर चोरी की घटना, सिंदरी के पुलिस प्रशासन के काम करने के पद्धति पर बड़ा सवाल उठता है। इस घटना से साबित होता है कि अपराधियों का मनोबल बहुत बढ़ा हुआ है, उनके मन से कानून का डर समाप्त हो चुका है। चोरी की घटना सिंदरी के लिए कोई नया नहीं है। हर महीने एक दो घटना सिंदरी के अलग-अलग क्षेत्रों में होती ही है और घटनाओं को रोकने या अपराधियों को पकड़ने में सिन्दरी पुलिस पूरी तरह विफल रही है। सिंदरी के दुकानदारों एवं चैंबर ऑफ कॉमर्स को सिन्दरी इंस्पेक्टर थाना प्रभारी संजय कुमार को बाजार की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

हम प्रशासन से मांग करते हैं जितना जल्द हो सके इस घटना के अपराधियों को गिरफ्तार किया जाए एवं चोरी गए संपत्ति की तुरंत बारामदी की जाए। शहरपुरा बाजार की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरा लगे, पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए मार्केट के लिए स्थाई रूप से सुरक्षा की व्यवस्था किया जाए। नहीं तो सिंदरी जनता एवं पीड़ित दुकानदार प्रशासन के खिलाफ आंदोलन को बाध्य होंगे। सिंदरी के बाजार के दुकानदार प्रशासन पर पूरा भरोसा है जल्द ही चोरी वाले मामले को पदार्फाश करेंगे।

संक्षिप्त खबर

जिला व प्रमंडल में शानदार सफलता के बाद राज्य स्तर पर पहुंचा मजदूर किसान महाविद्यालय

पांकी/पलामू : युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित युवा महोत्सव 2025-26 की श्रृंखला में मजदूर किसान महाविद्यालय, डंडारकला (पांकी) के छात्र-छात्राओं ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। आगामी राज्य स्तरीय युवा महोत्सव, जो 27

दिसंबर 2025 को राज्य मुख्यालय आड्रे हाउस, रांची में आयोजित होगा उसमें महाविद्यालय के चयनित प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरेंगे। इसे लेकर 26 दिसंबर को महाविद्यालय की टीम दलनायक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ दिलीप राम एवं खेल समन्वयक निधि उपाध्याय के नेतृत्व में रांची रवाना हुई। बताते चलें कि 12 जनवरी 2026 को दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा महोत्सव की पहली कड़ी के रूप में 22 दिसंबर 2025 को जिला स्तरीय तथा 23 दिसंबर 2025 को प्रमंडल स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन जनता शिवरात्रि महाविद्यालय परिसर में किया गया था। इन प्रतियोगिताओं में मजदूर किसान महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निर्णायकों को प्रभावित किया। इन दोनों विधाओं में कुल 16 प्रतिभागियों ने प्रथम स्थान हासिल कर राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। यह उपलब्धि न केवल महाविद्यालय बल्कि पूरे पलामू जिले के लिए गर्व का विषय है। राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में चयनित होकर भाग लेने वाले इन छात्र-छात्राओं ने अपने माता-पिता का मान बढ़ाने के साथ-साथ महाविद्यालय, विश्वविद्यालय एवं पलामू जिले का नाम राज्य स्तर पर रोशन किया है। प्रतिभागियों को 26 दिसंबर 2025 को महाविद्यालय के सचिव डॉ. बिंदेश्वर सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर राज्य मुख्यालय रांची के लिए रवाना किया गया। छात्र-छात्राओं की इस ऐतिहासिक सफलता पर पलामू की उपायुक्त सुश्री समीरा एस, अनुमंडल पदाधिकारी सुश्री सुलोचना मीना, विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय डॉ. दिनेश कुमार सिंह, चतरा लोकसभा के सांसद सह अध्यक्ष मजदूर किसान महाविद्यालय माननीय कालीचरण सिंह, पांकी विधानसभा के विधायक माननीय डॉ. शशिभूषण मेहता सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि पलामू प्रमंडल से कुल 40 छात्र-छात्राएं राज्य स्तरीय युवा महोत्सव मे भाग लेने रांची रवाना हुई। महाविद्यालय परिवार को विश्वास है कि राज्य स्तर पर भी छात्र-छात्राएं अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सफलता का नया इतिहास रचेंगे और आगे राष्ट्रीय स्तर तक पलामू जिले का गौरव बढ़ाएंगे।

डोमचांच में विधायक डॉ नीरा यादव ने योजनाओं का शिलान्यास किया

कोडरमा : प्रदेश की पूर्व शिक्षा मंत्री और कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने शुक्रवार को डोमचांच नगर पंचायत में दो योजनाओं का शिलान्यास किया। डोमचांच के वार्ड नंबर 9 स्थित दक्षिणी पंचायत भवन कैंपस एवं गायत्री मंदिर से यादव जी के घर तक पेवर ब्लॉक कार्य तथा डोमचांच नगर पंचायत ऑफिस के चारों ओर बाउंड्री वाल निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस दौरान विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा कि दोनों योजनाएं जनहित की हैं और इनके पूरा होने से लोगों को लाभ पहुंचेगा। मौके पर भाजपा नेता परमेश्वर यादव, मुकेश कुमार, मंडल अध्यक्ष सुजीत मेहता, नरेंद्र सिंह, प्रकाश ठाकुर, कार्तिक दास समेत कई लोग मौजूद थे।

नगर पंचायत डोमचांच क्षेत्र के वार्ड नंबर 9 में जरूरतमंदों के बीच कंबल का किया गया वितरण

कोडरमा : जिले के नगर पंचायत डोमचांच द्वारा वार्ड नंबर 9 क्षेत्र में जरूरतमंदों के बीच बढ़ती ठंड को देखते हुए, निवर्तमान वार्ड पार्षद संजय सिंह, नगर प्रबंधक निखिल किरण, एमटीएस, सूरज कुमार रजक,सुपरवाइजर राजा सिंह आदि की उपस्थिति में तकरीबन 25 कंबलों का वितरण किया गया। इस दौरान जो लोगों को कंबल उपलब्ध करवाया गया वे लोग बेहद खुश हुए साथ ही इस दौरान निवर्तमान वार्ड पार्षद संजय सिंह ने कहा कि नगर पंचायत के द्वारा लोगों को ठंड में दिक्कत ना हो इसके लिए कंबल वितरण के अलावे क्षेत्र में शाम के समय अलाव की भी व्यवस्था की जा रही है। ताकि लोगों को ठंड में राहत मिल सके मौके पर काफी संख्या में लाभुक उपस्थित रहे।

कुमार अमित ने बीएसएल के नवनियुक्त प्रभारी निदेशक प्रियरंजन को दी बधाई

बोकारो, संवाददाता

बोकारो स्टील प्लांट के नवनियुक्त प्रभारी निदेशक प्रियरंजन को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्लांट में हो रही दुर्घटनाओं पर रोक, बीएसएल एवं ठेका कर्मचारियों की सुविधाओं में बढ़ोतरी तथा उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रस्तावित विस्तारीकरण परियोजना को धरातल पर उतारने की उम्मीद जताई। कुमार अमित ने कहा कि प्रियरंजन की नियुक्ति से बोकारो के विकास को नई दिशा मिलेगी। स्थानीय, अप्रेंटिस व विस्थापित युवाओं को रोजगार के अवसर मिलने की भी आशा है। उन्होंने कहा कि बीजीएच को सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल बनाने का सपना साकार होगा। कुमार अमित ने नागरिकों से बीएसएल प्रबंधन को सहयोग करने की अपील की।

कसमार अंचल कार्यालय में जनता दरबार, समस्याओं का त्वरित समाधान

कसमार (बोकारो) : कसमार अंचल कार्यालय में अंचलाधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए लोगों ने भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, सीमांकन, आवासीय प्रमाण पत्र समेत अन्य अंचल स्तरीय समस्याएं रखीं। अंचलाधिकारी ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए और कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया। शेष समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया। सीओ नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य आम लोगों को कार्यालयों के चक्कर से राहत देना और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सीधे अंचल कार्यालय से संपर्क करें और बिचौलियों से बचें। जनता दरबार में उपस्थित लोगों ने सकारात्मक पहल के लिए आभार जताया।

सीसीएल ढोरी क्षेत्र की एएडीओसीएम परियोजना में ओबी गिरने से आउटसोर्सिंग कर्मी की मौत

बोकारो, संवाददाता

बोकारो जिला के सीसीएल ढोरी क्षेत्र अंतर्गत एएडीओसीएम (अमलो) परियोजना के हाईवॉल आउटसोर्सिंग माइंस में एक बड़ा और दर्दनाक हादसा हो गया। खदान में ओबी धंसने से आउटसोर्सिंग कंपनी में कार्यरत पंप ऑपरेटर हिमांशु राज गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद आनन -फानन में उसे बोकारो ले जाया गया।जहां से उसकी मौत हो गयी।मृतक मैनसोल लिमिटेड कंपनी में कार्यरत था।जो बंगाल की बताई जा रही है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,अमलो परियोजना में आउटसोर्सिंग कार्य के दौरान अचानक ओबी का बड़ा हिस्सा खिसक कर गिर गया। हादसा इतना अचानक था कि कर्मी को संभलने का मौका तक नहीं मिला।साथी कर्मियों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू किया और प्रबंधन को सूचना दी,लेकिन तब तक हिमांशु राज दब चूका था। घटना के बाद परियोजना क्षेत्र में तनाव और आक्रोश का माहौल बन गया।मजदूर संगठनों और स्थानीय लोगों ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा, एक आश्रित को नौकरी,तथा पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है। लोगों का कहना है कि आउटसोर्सिंग के नाम पर सुरक्षा से समझौता किया जा रहा है, जिसका खामियाजा मजदूरों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ रहा है। इस दौरान यूनियन नेताओ ने कार्मिक प्रबंधक अविनाश सिंहा से कार्यालय मे वार्ता किया।अवसर पर यूनियन के तरफ से धीरज पांडेय, विकास सिंह,ओम शंकर सिंह जवाहरलाल यादव,जयनाथ मेहता, आशीष झा,नवीन श्रीवास्तव, जयनाथ मेहता आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

पेसा कानून मंजूरी पर बोकारो में आभार यात्रा, झामुमो कार्यकताओं ने जताई खुशी

बोकारो, संवाददाता

झारखंड कैबिनेट द्वारा ऐतिहासिक पेसा कानून को मंजूरी दिए जाने की खुशी मेंशुक्रवार को बोकारो के नया मोड़ स्थित बिरसा चौक पर एक विशाल आभार यात्रा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व झामुमो बोकारो जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पेसा कानून झारखंड के मूलवासी और आदिवासी समाज के लिए एक ऐतिहासिक और बड़ी जीत है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जनता की वर्षों पुरानी लंबित मांग को पूरा कर दिया है। उन्होंने बताया कि बोकारो जिले में लगभग ढाई लाख से अधिक आदिवासी, मूलवासी एवं आदिवासी समुदाय के लोग निवास करते हैं, जिनके लिए यह कानून अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की संवेदनशीलता और जनभावनाओं के प्रति प्रतिबद्धता के कारण ही यह ऐतिहासिक निर्णय संभव हो सका। पेसा कानून लागू होने से मूलवासी समाज को संवैधानिक अधिकार प्राप्त होंगे और उन्हें अपने क्षेत्र में स्वशासन का अधिकार मिलेगा।

कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं एवं नेताओं ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पेसा कानून से आदिवासी समाज को गौरव, आत्मसम्मान और अधिकार मिलेगा। बोकारो जिला को भी पेसा कानून के दायरे में शामिल करने की मांग की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित थे। कार्यक्रम में महतो, केंद्रीय सदस्य हीरालाल मांझी, बोके चौधरी, फिरदौस अंसारी, फैयाज आलम, समर मुंडा, संजय केजरीवाल, प्रमोद ताफड़िया, किरण बास्की, लड्डू मांझी, रामदयाल सिंह, कालीपद महतो, सुभाष महतो, मनोज टुडू, कन्हैया सिंह, आलोक सिंह, शांति सोरेन, जगदीश हेंब्रम, सतीश किस्कू, सदानंद गोप, उदय कुंभकार, कुसुम भारती, पंकज मरांडी, प्रदीप यादव, रणधीर रजक, मस्तान अंसारी, सुमन वर्मा, रंजीत महतो, अकबर मांझी, असरूल मरांडी, मगाराम दे, शंकर ठाकुर, सुरेंद्र कुमार, भरत यादव, दिनेश यादव, सोमनाथ सरकार, सलीम अंसारी, भीम सोरेन सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बोकारो अग्निशमन सेवा की वीरता से टले बड़े हादसे, करोड़ों की संपत्ति और जनजीवन सुरक्षित

बोकारो, संवाददाता

बोकारो जिले में वर्ष 2025 के दौरान घटित तीन भीषण अग्निकांडों में अग्निशमन कर्मियों ने अद्वितीय साहस, धैर्य और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया। 6 अक्टूबर 2025 को बोकारो रेलवे स्टेशन के समीप स्थित गोदावरी कोयला डिपो में लगी भीषण आग को दमकल कर्मियों ने जहरीले धुएं और धूल के बीच लगातार 30 दिनों की मशक्कत के बाद पूरी तरह नियंत्रित किया। इससे आसपास के गांवों को प्रदूषण और सरकार को करोड़ों के संभावित राजस्व नुकसान से बचाया गया। वहीं 4 अक्टूबर को दुंडीबाग बाजार में सात दुकानों में लगी आग को भीड़ के विरोध के बावजूद सफलतापूर्वक बुझाया गया, जिसमें कोई जनहानि नहीं हुई। 18 नवंबर को सेक्टर-4 पाली प्लाजा रोड पर रसायनों के विस्फोट के बीच आठ दुकानों में लगी आग पर काबू पाकर दमकल कर्मियों ने करोड़ों की संपत्ति बचाई। इन अभियानों में फायर स्टेशन अधिकारी भगवान ओझा समेत पूरी टीम का योगदान सराहनीय रहा।

प्रकाश पर्व : पटना में यातायात प्रतिबंध

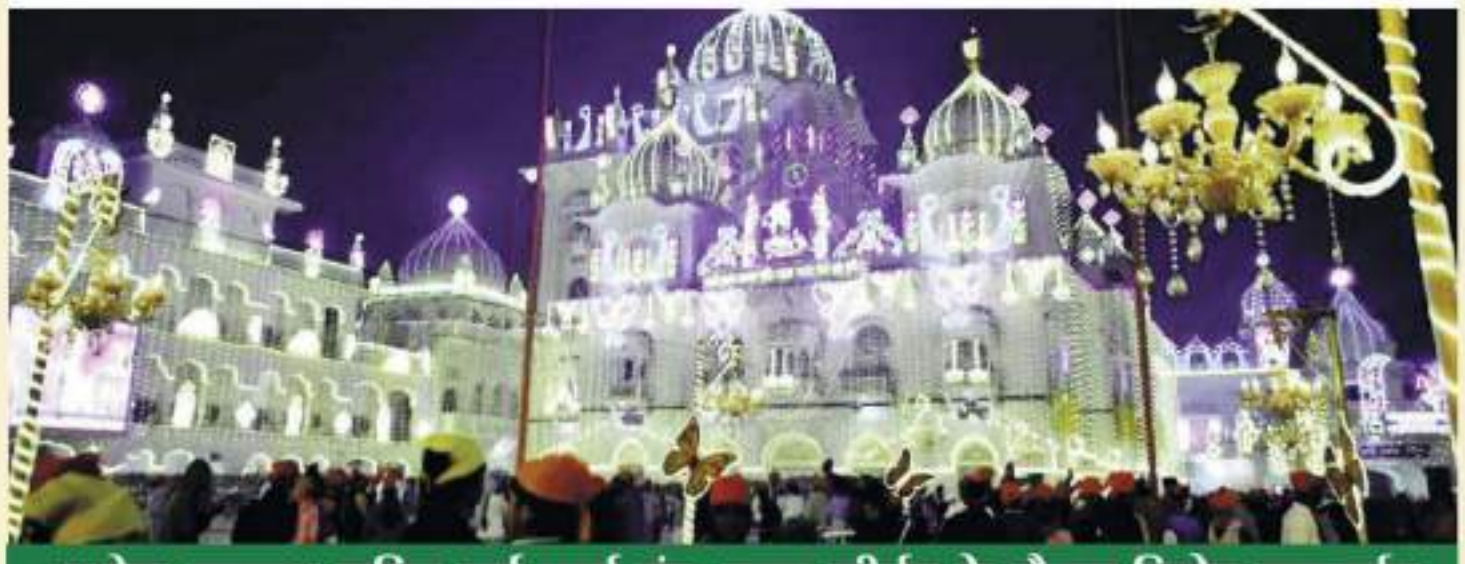

अशोक राजपथ सहित कई मार्ग बंद, नगर कीर्तन के दौरान विशेष डायवर्जन

पटना। श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के 359वें प्रकाशोत्सव को लेकर 28 दिसंबर तक अशोक राजपथ और पटना सिटी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बदली रहेगी। पटना सिटी में सोमवार तक व्यावसायिक वाहनों का प्रवेश नहीं होगा। कोई भी ट्रक, ट्रैक्टर दीदारगंज की ओर से अशोक राजपथ में पश्चिम की तरफ नहीं आएगा। ये सभी वाहन न्यू बाईपास होकर परिचालित होंगे। उक्त अवधि में बाजार समिति में आवश्यक सामग्री लेकर आने वाले वाहनों को रात्रि दो से सुबह चार बजे तक छूट मिलेगी। इसके साथ ही कई अन्य मार्ग पर डायवर्जन और वाहनों के आवागमन पर आंशिक व पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। 27 दिसंबर की सुबह छह बजे तक अशोक राजपथ में गायघाट से पूरब दरवाजा तक के मार्ग पर ऑटो या छोटे व्यावसायिक वाहनों का परिचालन नहीं होगा। इस दौरान वह वाहन गायघाट से डंका इमली से नवाब बहादुर रोड होते हुए सुदर्शन पथ से तुलसी मंडी से अगमकुआं आरओबी होते हुए पटना साहिब जाएंगे और वापसी भी इसी मार्ग से होगी। 28 दिसंबर की सुबह छह बजे तक पश्चिम दरवाजा से पूरब दरवाजा तक के मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों के परिचालन पर रोक रहेगी। पूरब से आने वाली गाड़ियों को पूरब दरवाजा के पास मोर्चा रोड से मोड़ दिया जाएगा। गायघाट से पश्चिम दरवाजा के बीच वाहनों का परिचालन होगा। नगर कीर्तन पर 26 दिसंबर की सुबह चार बजे से मध्य रात्रि तक अशोक राजपथ में गायघाट से दीदारगंज तक सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन बंद रहेगा। उक्त अवधि में सभी प्रकार के वाहन गायघाट से पटना सिटी जाने के लिए नवाब बहादुर रोड से सुदर्शन पथ होते हुए चौक शिकारपुर आरओबी होते हुए पटना साहिब स्टेशन की ओर जाएंगे। इन स्थानों पर पार्किंग, बाजार समिति, दीदारगंज, मंगल तालाब चौक थाना, कंगनघाट चौक थाना, आकस्मिक परिस्थिति के लिए मार्ग तय। पीएमसीएच- किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में कंगनघाट से दाहिने जेपी गंगा पथ होते हुए पीएमसीएच पहुंचा जा सकता है। एनएमसीएच- गायघाट से बाएं डंका इमली होते हुए एनएमसीएच पहुंचा जा सकता है।

पटना साहिब में देश-विदेश से जुटे श्रद्धालु

पटना। सिटी स्थित तख्त श्री हरमंदिर साहिब में सिखों के दसवें गुरु, श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के 359वें प्रकाश पर्व का दूसरा दिन श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पटना साहिब पहुंचे। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तख्त साहिब प्रबंधन, विभिन्न गुरुद्वारों और बिहार सरकार की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए हैं। बाल लीला गुरुद्वारा में आने वाले संगतों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। वहां 24 घंटे लंगर की निरंतर सेवा जारी है, जिसमें श्रद्धालुओं को बिना किसी भेदभाव के भोजन कराया जा रहा है। संगतों के ठहरने, स्नान और विश्राम की भी समुचित व्यवस्था की गई है। बाल लीला गुरुद्वारा प्रबंधन ने स्वयंसेवकों की तैनाती कर संगतों की हर संभव सहायता सुनिश्चित की है। कश्मीर सिंह भूरी वाले बाबा जी ने बताया कि गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व को लेकर देश-विदेश से आने वाली संगतों के लिए रहने, खाने और पीने की पूरी व्यवस्था की गई है। पटना के कंगन घाट पर विशाल लंगर हॉल की व्यवस्था की गई है, जहां हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन लंगर ग्रहण कर रहे हैं। प्रकाश पर्व के दूसरे दिन तख्त श्री हरमंदिर साहिब में कीर्तन-गुरुबाणी का विशेष आयोजन किया गया। रागी जत्थों ने गुरु ग्रंथ साहिब की पावन वाणी का मधुर कीर्तन प्रस्तुत किया, जिससे वातावरण गुरु भक्ति से सराबोर हो गया। श्रद्धालुओं ने गुरु गोविंद सिंह जी के जीवन, बलिदान और संदेशों को स्मरण करते हुए मत्था टेका। इसके साथ ही भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में संगतें शामिल हुईं। शोभा यात्रा में ब्रजो बोले सो निहाल, सत श्री अकालह्व के जयकारों से पूरा इलाका गूंज उठा। गतका प्रदर्शन, धार्मिक झांकियां और रागी जत्थों के कीर्तन ने शोभा यात्रा को विशेष आकर्षण प्रदान किया।तख्त श्री हरमंदिर साहिब के महासचिव इंद्रजीत सिंह ने बताया कि 27 दिसंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना साहिब गुरुद्वारा में शामिल होंगे। केंद्र और राज्य सरकार के सभी मंत्रियों को भी गुरुद्वारा की ओर से निमंत्रण भेजा गया है।

खाली होने लगा राबड़ी आवास, गौशाला में शिफ्ट हो रहा सामान

पटना। बिहार में राबड़ी आवास से सामान की शिफ्टिंग शुरू हो गई है। गुरुवार रात 4 से 5 छोटी गाड़ियां पटना में 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास (राबड़ी आवास) पहुंचीं। इन गाड़ियों से सामान को गोला रोड स्थित गौशाला में शिफ्ट किया गया। इसके बाद यह दूसरी जगह भेजा जाएगा। रात के अंधेरे में राबड़ी आवास पहुंचीं छोटी गाड़ियों से पौधे और गार्डन के अन्य समान निकालने की तस्वीर सामने आई है। ये शिफ्टिंग ऐसे वक्त हो रही है जब RJD सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव दिल्ली में हैं। तेजस्वी भी बाहर हैं। घर में कोई पुरुष नहीं है। हालांकि, आरजेडी की तरफ से फिलहाल सामान शिफ्ट किए जाने को लेकर कुछ कंफर्म नहीं किया गया है।20 साल बाद लालू परिवार को सरकारी आवास (राबड़ी आवास) खाली करने का नोटिस मिला है। एक महीने पहले 25 नवंबर को बिहार भवन निर्माण विभाग ने ये नोटिस भेजा था। भवन निर्माण विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया था कि बिहार विधान परिषद के नेता विपक्ष के लिए पटना केंद्रीय पुल की आवास संख्या 39 हार्डिंग रोड अलॉट किया गया है।सूत्रों के मुताबिक राबड़ी आवास को खाली करने की प्रक्रिया पिछले कुछ दिनों से चल रही है। पूरा सामान धीरे-धीरे महुआ बाग और आर्य समाज रोड स्थित आवास पर ले जाया जा रहा है। इस आवास को चरणबद्ध तरीके से खाली किया जाने लगा है।

नोटिस के खिलाफ लालू परिवार एकजुट दिखा एक महीने पहले आवास खाली करने को लेकर मिले नोटिस पर लालू परिवार एकजुट दिखा था। तेजप्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा- 'छोटे भाई ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और बड़े भाई के बंगले को खाली करने का आदेश दे दिया। लालू जी और उनका परिवार अब 10 सर्कुलर रोड के बंगले में नहीं रहेगा। 28 साल से जिस आवास से बिहार और राजद के लाखों कार्यकर्ताओं का एक भावुक रिश्ता जुड़ा था, उसे एक सरकारी नोटिस में खत्म कर दिया गया है। इस घर के जाने के साथ ही नीतीश जी और लालू जी के बीच के बैसाखी वाले नैतिक रिश्ते का भी अंत हो गया है।' नोटिस मिलने से ठीक 10 दिन पहले 15 नवंबर की देर रात लालू यादव को किडनी देने वाली बेटी रोहिणी ने रोते-रोते राबड़ी आवास छोड़ दिया था। पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में रोहिणी ने कहा, 'मेरा कोई परिवार नहीं है। उन्होंने ही मुझे परिवार से निकाला है। सारी दुनिया सवाल कर रही है कि पार्टी का ऐसा हाल क्यों हुआ है, लेकिन उन्हें जिम्मेदारी नहीं लेनी है।' इसके बाद तीन और बेटियों ने राबड़ी आवास छोड़ दिया था। तेज प्रताप को लालू यादव, पहले ही पार्टी और परिवार से बाहर कर चुके हैं। इसके बाद से वे अपने सरकारी आवास में रह रहे हैं। राबड़ी आवास में फिलहाल लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और उनकी फैमिली रहती है। 23 जून, 1997 को लालू समेत 55 लोगों के खिलाफ CBI ने चारा घोटाला मामले में चार्जशीट दाखिल की। उनके खिलाफ 63 केस दर्ज किए गए। लालू समझ गए थे कि गिरफ्तारी तय है। 25 जुलाई 1997 की शाम उन्होंने इस्तीफे का ऐलान किया और पत्नी राबड़ी देवी को सीएम बनवाया। बाद में एक बार जब लालू से वंशवाद पर पूछा गया, तो उन्होंने कहा था, 'मैं राजनीति में शक्ति अर्जित करने के लिए आया हूं और मैं उसे सिर्फ इसलिए नहीं त्याग दूंगा, क्योंकि किसी ने मेरे ऊपर आरोप लगाए हैं। अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाकर मैंने क्या गलती कर दी? क्या मैं अपनी सत्ता अपने राजनीतिक विरोधियों के हाथों में सौंप देता?' पत्नी को CM बनाने के बाद 30 जुलाई, 1997 को लालू यादव ने चारा घोटाला मामले में सरेंडर कर दिया और दिसंबर 1997 तक जेल में रहे। हालांकि लालू यादव RJD के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहे। इसके बाद राबड़ी देवी को 2005 में 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास अलॉट किया गया था।

बिहार के वैभव सूर्यवंशी को राष्ट्रपति ने दिया बाल पुरस्कार

पटना। क्रिकेट जगत में 14 साल की उम्र में एंट्री लेने वाले बिहार के वैभव सूर्यवंशी को आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सम्मानित किया है। अब तक कई रिकॉर्ड अपने नाम करने वाले वैभव को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार मिला है। वैभव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात भी की। अवॉर्ड देने के बाद अपने भाषण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वैभव सूर्यवंशी की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'वैभव सूर्यवंशी ने कड़ी प्रतिस्पर्धा और अनेक प्रतिभा वाले क्रिकेट जगत में अपनी पहचान बनाई है। अनेक रिकॉर्ड्स अपने नाम किए हैं। मुझे विश्वास है कि आपके जैसे प्रतिभाशाली बच्चे निरंतर अच्छा काम करते रहेंगे। ये तो अभी शुरुआत है। आपको देखकर बाकी बच्चे सीखेंगे और फॉलो करेंगे। इस सम्मान समारोह में शामिल होने के लिए वैभव बुधवार को ही दिल्ली रवाना हो गए थे। इसलिए विजय हजारे ट्रॉफी में आज मणिपुर के खिलाफ दूसरा मुकाबला नहीं खेल रहे। हाल ही में हुए अंडर-19 वर्ल्ड-कप में वैभव ने सबसे ज्यादा छक्के मारे थे बिहार के वैभव सूर्यवंशी ने 2 दिन पहले विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। वैभव बिहार के लिए प्लेट ग्रुप मैच में खेल रहे थे। रांची के JSCA ओवल ग्राउंड में वैभव ने सिर्फ 36 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। जबकि, बिहार के कप्तान सकिबुल गनी ने 32 बॉल और झारखंड से ईशान किशन ने 33 बॉल पर शतक लगाया। इसके साथ ही वैभव लिस्ट-ए क्रिकेट में शतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।

धान की रखवाली कर रहे किसान दंपति की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या

गया। गया जिले के शेरघाटी थाना अंतर्गत चांपी गांव के खलिहान में गुरुवार की रात धान की रखवाली कर रहे किसान पति पत्नी को गला रेत कर हत्या कर दी गई। किसान प्रदीप यादव उम्र लगभग 52 वर्ष तथा उनकी पत्नी केशरी देवी 48 वर्ष वर्तमान वार्ड सदस्य वार्ड नंबर 1 की हत्या गला रेतकर कर दी गई है।

घटनास्थल पर सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शैलेंद्र सिंह, थानाध्यक्ष मोहन कुमार दल बल के साथ जांच में जुटे हैं। पुत्र रवि कुमार यादव ने इसकी जानकारी सुबह में दी। घटनास्थल पर बहू प्रियंका देवी ने कहा कि हमलोग को सुबह में गांव के लोगों ने बताया। मृतक प्रदीप भी इसके पूर्व वार्ड सदस्य रहा था। दामाद रणजीत कुमार यादव ग्राम चौगाई ने बताया कि गुरुवार को सास ससुर से बात हुई थी। शुक्रवार को बच्ची को दिखाने के लिए शेरघाटी आना था। पुत्री सुनीता और रिंकी रोते बिलखते मूर्छित हो रही है। सुनीता बिलखते हुए मां को भाग जाने की बात कह कर रोते रोते अचेत हो रही है। घटना के बारे में रिंकी देवी पुत्री ने बताया कि जिस खेत में खलिहान लगा है। उसी खेत के लिए गोतिया से तीन चार साल से लड़ाई चल रहा है। कोर्ट में केस चल रहा है। पंद्रह दिन पहले धमकी दिया था। घटनास्थल पर एक कुल्हाड़ी पाया गया है। लेकिन उसमें खून का निशान नहीं पाया गया है। संभावना है कि भ्रम पैदा करने के लिए हत्यारे कुल्हाड़ी छोड़ गए हैं। जबकि हत्या कोई और हथियार से किया गया है। पुत्री रिंकी ने बताया कि शाम 6 बजे ही खाना बन जाता है। खाने के बाद पापा और मम्मी दोनों रोज की तरह धान की रखवाली करने खलिहान में आ गए। कुछ देर बाद भाई भी आया था। लेकिन कुछ देर बाद भाई घर चला आया है। सुबह में रोज फोन करते थे। आज फोन नहीं आया। कुछ देर बाद ही जान मारने की खबर दी गई। हमलोग दौड़े आए तो देखा कि कोई धारदार हथियार से गला काट कर हत्या कर दी गई है। दोनों का शव के पास खून के धक्के पड़े हैं। मां बाप मृत पड़े थे। उसके बाद ग्रामीणों की भीड़ जमा होने गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस पहुंचकर जांच कर रही है।

सिटी एस पी रामानंद कुमार कौशिक ने स्वजनों से अलग अलग करके एक एक कर बात किया। पुलिस अनुसंधान में जुटी हुई है। अनुसंधान हेतु डॉग स्क्वायड की टीम पहुंच कर जांच कर रही है। एफएसएल की टीम भी घटनास्थल से नमूना एकत्र कर जांच के लिए साथ ले गई है।

संक्षिप्त डायरी

'मिस यूनिवर्स बिहार' बनी पटना की समीक्षा रंजन

पटना। के लोहानीपुर की बेटी समीक्षा रंजन को फॉरएवर स्टार इंडिया की ओर से मिस यूनिवर्स बिहार चुना गया है। सीजन-5 के आयोजन में उन्होंने यह जीत हासिल की। आयोजन 19 से 21 दिसंबर के बीच जयपुर में हुआ था। समीक्षा ने मेसरा रांची से MCA किया है और स्कूलिंग पटना से की, लेकिन उनकी रुचि पढ़ाई के अलावा कुछ अलग करने की रही। इस ब्यूटी कॉम्पिटिशन के लिए उन्होंने अप्लाई किया और सभी चुनौतियों को पार कर आगे बढ़ती चली गईं। समीक्षा के पिता राजीव रंजन शिक्षक हैं और अभी रिटायर हुए हैं। इसके अलावा उनकी एक बहन हैं, जो यूनाइटेड नेशन पीस मिशन में काम कर रही हैं। हमेशा से ही मेरे घर में पढ़ाई लिखाई का माहौल रहा है। मैं सॉफ्टवेयर डेवलपर हूं। मेरी हमेशा से कुछ अलग करने की इच्छा थी। लोग कहते थे, ये करो वो मत करो। लेकिन मुझे अपनी पहचान और अंदर की आवाज सुनना था। मैं सभी लड़कियों से कहना चाहती हूं कि आप दूसरों की मत सुनिए। हमेशा अपने मन की कीजिए, क्योंकि एक ही जिन्दगी मिली है। आपको जो अच्छा लगता है, आप वो कीजिए।

बेटे ने सरकारी नौकरी के लिए पिता का मर्डर किया

भोजपुर। में हजारीबाग में पोस्टेड हवलदार पशुपतिनाथ तिवारी की 20 दिसंबर को हत्या हुई थी। 5 दिनों बाद पुलिस ने मर्डर का खुलासा कर दिया है। पशुपतिनाथ तिवारी की हत्या उनके बेटे ने अपने दोस्त के साथ मिलकर की थी। वो एक महीने बाद रिटायर होने वाले थे। बेटे ने अनुकंपा पर नौकरी और पैसों की लालच में इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने बेटा विशाल तिवारी और झारखंड के हजारीबाग जिला के मो. जिशान अहमद जिलानी को अरेस्ट कर लिया है।पशुपतिनाथ तिवारी (लगभग 60 वर्ष) झारखंड पुलिस में ड्राइवर थे और जनवरी 2026 में रिटायर होने वाले थे। पशुपतिनाथ तिवारी छुट्टी लेकर हजारीबाग से अपने गांव भगवतपुर आए हुए थे। 19 दिसंबर की रात वे अपने घर में सो रहे थे, तभी चाकू से गला रेतकर उनकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद उनका दाएं हाथ का अंगूठा भी काट दिया गया था। वारदात के बाद उनकी पत्नी ने चांदी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि, हत्या का मोटिव पिता की नौकरी और रिटायरमेंट के पैसों थे। उसके बाद पुलिस ने डिटेल निकालना शुरू किया। पता चला कि पशुपतिनाथ का बेटा विशाल तिवारी नशे का आदि है। उसकी अपने पिता से नहीं बनती थी।पुलिस को यहीं से बड़ा क्लू मिला। पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाया और झारखंड में रह रहे विशाल तिवारी की कुंडली निकालनी शुरू की। पुलिस ने मर्डर के दिन विशाल का लोकेशन पता किया तो वो दंग रह गई। मोबाइल डंप से जो जानकारी मिली उसके मुताबिक वारदात वाले दिन विशाल अपने दोस्त के साथ पिता के घर आया था। पुलिस ने पहले विशाल के दोस्त को उठाया फिर विशाल तक पहुंची।

बिहार का मखाना तालाब से टेबल तक

वैज्ञानिक प्रबंधन से आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकते हैं किसान

दरभंगा। मखाना की खेती कर किसान आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकते हैं। मखाने की बढ़ती मांग को देखते हुए यह इसका वैज्ञानिक रूप से प्रबंधन जरूरी है। भारत ही नहीं विश्व में मखाना का सबसे बड़ा उत्पादक बिहार है। यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों की मांग को पूरा कर रहा है। वर्ष 2025 में कई राज्यों को मिलाकर मखाना की खेती लगभग 13,000 हेक्टेयर से बढ़कर 35,000 हेक्टेयर में फैल गई है। बिहार मखाना का प्रमुख उत्पादक होने के नाते प्रसंस्कृत मखाना के कुल उत्पाद का लगभग 80 प्रतिशत उत्पादन करता है, जो अकेले दरभंगा, मधुबनी, पूर्णिया और कटिहार जिलों से आता है। देश ने हाल के वर्षों में लगभग 12,000 मीट्रिक टन मखाना निर्यात किया है। कृषि विज्ञान केंद्र जाले के विज्ञानी डा. प्रदीप कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि मखाना का वैज्ञानिक प्रबंधन नर्सरी अवस्था से ही शुरू करना होता है। इस अवस्था में तालाब और और नर्सरी वाले खेत दोनों में खर पतवार जैसे पानी साग, पैनिक बरसीम, सेमर, हाइड्रिला, जलीय मोथा और बनभूली आदि घास बहुत तेजी से उगना प्रारंभ कर देती है। जिससे मखाने के पौधे उगने के पश्चात विकास नहीं कर पाते हैं। इनकी रोकथाम के लिए नर्सरी के लिए बीज बोआई से पहले 50 किलोग्राम करंज की खली, 50 किलोग्राम अरंडी की खली तथा 30 किलोग्राम चूना प्रति 500 वर्गमीटर में खेत की तैयारी करते समय डाल देना चाहिए ताकि नर्सरी में यह खरपतवार ना उगे। इसके अतिरिक्त पाराक्वाट नामक रसायन का नौ सौ ग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से तालाब में छिड़काव करके खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है। खरपतवार के अतिरिक्त कीट एवं बीमारी भी लगती है जिसमें माहू या भुनगा प्रमुख कीट है जिसको नीम के तेल की तीन मिली लीटर मात्रा एक लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर देना चाहिए। कभी कभी मखाना के पौधों में फफूंदीजनक झुलसा रोग भी लग जाता है उसकी रोकथाम के लिए डाईथेन एम 45 की 0.3 प्रतिशत का घोल बनाकर 15 दिन के अंतराल पर 2-3 छिड़काव करना चाहिए। अगर नर्सरी में पौधा स्वस्थ रहेगा तभी किसान को अच्छी उपज मिल सकती है। इसीलिए नर्सरी की हर अवस्था में किसानों को निगरानी रखना बहुत आवश्यक है।

हम बंगाल को बांग्लादेश नहीं बनने देंगे : सांसद रवि किशन

गोरखपुर में बोले रविकिशन, पवन खेड़ा के बयान पर किया पलटवार

गोरखपुर। सांसद रविकिशन ने कहा कि जब बांग्लादेश में एक दलित हिन्दू लड़के को मारकर पेड़ से उल्टा लटकाकर जला दिया गया तो कांग्रेस के लोग, विपक्ष के अन्य लोग और पवन खेड़ा टाइप लोग कहां थे। रविकिशन शुक्रवार को वनटांगिया गांव में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने पवन खेड़ा द्वारा आरएसएस को लेकर दिए गए बयान की आलोचना करते हुए कहा कि इसी कारण कांग्रेस की बिहार में यह दशा हुई है। हम बंगाल को बांग्लादेश नहीं बनने देंगे। हम अब बंगाल जीतेंगे, उसके बाद उत्तर प्रदेश जीतेंगे। बांग्लादेश की घटना के बाद बंगाल के साथ ही पूरे देश का युवा एवं मां-बहनें जाग गई हैं। उन्होंने पवन खेड़ा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि एक हिन्दू जला दिया जाता है तो उससे इन जैसे लोगों को कोई फर्क नहीं पड़ता। चर्च या मस्जिद के बाद डीजे बज जाए तो इन्हें परेशानी हो जाती है। हिन्दू समाज शांतिप्रिय समाज है। हम कभी विवाद नहीं चाहते और न ही किसी की शांति में दखल देते हैं। गोरखपुर के वनटांगिया गांव जंगल तिनकोनिया नंबर तीन को प्रदेश का पहला जल अर्पण गांव घोषित किया गया है। इसको लेकर शुक्रवार को गांव में कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रविकिशन ने गांव के प्रधान एवं ग्रामीणों को जल कलश सौंपकर जल अर्पण कार्यक्रम की शुरुआत की। अब गांव में पानी की आपूर्ति की पूरी व्यवस्था ग्रामीण ही संभालेंगे। उनका नेतृत्व ग्राम प्रधान करेंगे। अब गांव के लोग ही पानी के मालिक होंगे और उन्हीं की देखरेख में योजना संचालित की जाएगी। सांसद रवि किशन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पानी

की सौगात दी है। उन्होंने ग्रामीणों से जल संरक्षण की अपील करते हुए कहा कि पानी हर जरूरतमंद के पास पहुंचे और पानी को बर्बाद न किया जाए। ये हर ग्रामवासी की सोच होनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विधायक महेंद्रपाल सिंह, विपिन सिंह, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव व जल जीवन मिशन के एमडी कमल किशोर, जल निगम ग्रामीण के एमडी डॉ. राजशेखर, गोरखपुर के जिलाधिकारी दीपक मीणा, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक प्रभाष कुमार समेत बड़ी संख्या में राज्य सरकार के अधिकारी मौजूद थे। सांसद रविकिशन ने भारत सरकार और राज्य पेयजल स्वच्छता मिशन के अधिकारियों के साथ वनटांगिया गांव में दिए गए नल कनेक्शन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पानी की गुणवत्ता जांचने के लिए नल से पानी पिया। सांसद रविकिशन अधिकारियों के साथ खुद टंकी के ऊपर चढ़े और टंकी पर राखी बांध जल संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत से पहले वनटांगिया गांव के स्थानीय स्कूली बच्चों ने प्रभात फेरी निकालकर पूरे गांव को जल संरक्षण व स्वच्छता का संदेश दिया। इसके बाद बच्चों ने गांवों के नल कनेक्शन को राखी बांधकर जल बंधन कार्यक्रम किया। कार्यक्रम के दौरान सांसद रवि किशन ने ग्रामीणों को सम्मानित भी किया। सांसद ने ग्राम प्रधान इंदुलता, मुखिया रामगणेश, पंप ऑपरेटर गुड्डू निषाद, एफटीके सदस्य ज्योति और जल मित्र निहाल को सम्मानित किया। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका दीर्घकालिक और टिकाऊ मॉडल है। पेयजल आपूर्ति की जिम्मेदारी संभालने वाली कार्यदायी एजेंसी अगले 10 वर्षों तक संचालन, रखरखाव और गुणवत्ता की सतत निगरानी करेगी। इससे ग्रामीणों को बिना रुकावट, मानक के अनुरूप नल से शुद्ध जल उपलब्ध होता रहेगा। वनटांगिया गांव से शुरू हुआ यह अभियान पूरे प्रदेश के लिए रोल मॉडल बनेगा। योगी सरकार का लक्ष्य है कि इस मॉडल को चरणबद्ध तरीके से प्रदेश के हर जिले और हर गांव तक पहुंचाया जाए। वनटांगिया गांव से प्रदेश की इस बड़ी योजना की शुरुआत करना योगी आदित्यनाथ सरकार की वनटांगिया समुदाय की बेहतरी को लेकर प्राथमिकता से किए जा रहे प्रयासों का सशक्त उदाहरण है। प्रदेश स्तर पर हर घर जल अभियान के तहत 51 हजार गांवों (राजस्व गांव) में 100 प्रतिशत जलापूर्ति सुनिश्चित की गई है। अब तक प्रदेश के 26,531 राजस्व गांव हाहर घर जलह से प्रमाणित हो चुके हैं। गोरखपुर जिले में ही 5,55,478 परिवारों को नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

संक्षिप्त डायरी

अटल बिहारी वाजपेयी के बताये हुये रास्तों पर ही चलकर हम मुल्क को उंचाईयों की बुलंदियों पर ले जा सकते हैं

संवाददाता

हमीरपुर। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बताये हुये रास्तों पर चलकर ही मुल्क को उचाईयों की बुलंदियों पर पहुंचाया जा सकता है। उक्त बात नगर पंचायत अध्यक्ष कुरारा आशारानी कबीर ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जन्म शताब्दी वर्ष के पावन मौके पर भाजपा कार्यालय में मनाये जा रहे कार्यक्रम के दौरान कहीं। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि देवेश कोरी के साथ ही जिला अध्यक्ष शकुंतला निषाद मौजूद रहीं। इस मौके पर नगर पंचायत कुरारा की जनप्रिय अध्यक्ष आशा रानी कबीर ने अटल वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ ही उनके राष्ट्र को दिये गये योगदान को दिल से याद किया। अध्यक्ष ने कहा कि अटल वाजपेयी की जिंदगी हमें सिखाती है कि परेशानियों में भी हमें पूरी ताकत के साथ ही दृढ़ संकल्प रहना चाहिये और राष्ट्र निर्माण के लिये हमेशा तैयार रहना चाहिये। उनकी कविता की ये पंक्तियाँ आज हमें उनकी याद दिलाती है

"मृत्यु या कि जीवन में, विजय या पराजय में, कदम मिलाकर चलना होगा। अध्यक्ष आशा रानी कबीर ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बताये हुये रास्ते पर चलकर ही हम सही मायनों में देश को विकास की बुलंदियों पर ले जा सकते हैं, जिसकी उन्होंने सभी देशवासियों से कल्पना की थी।

शीतलहर का प्रकोप: उच्च न्यायालय अधिवक्ता पवन उपाध्याय ने जलवाया अलाव

संवाददाता

कुशीनगर। पिछले एक हफ्ते से कड़ाके की ठंड और शीतलहर का प्रकोप जारी है।इससे जन जीवन पूरी तरह से प्रभावित हुआ है। सुबह व शाम के समय ठिठुरन इतनी बढ़ जाती है कि आमजन के साथ साथ बुजुर्गों, बच्चों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फाजिलनगर क्षेत्र के जौरा बाजार स्थित इंटर मीडिएट कालेज चौराहे पर शुक्रवार के दिन उच्च न्यायालय के अधिवक्ता पवन उपाध्याय ने जरूरत मंद और राहगीरों के लिए अलाव की व्यवस्था की। ठंड के इस प्रकोप में यह पहल लोगों के लिए काफी राहत मिल रही है। यह व्यवस्था विशेष रूप से बुजुर्गों, राहगीरों,व खास तौर पर विद्यालय आने जाने वाले बच्चों के लिए मददगार साबित हो रही है। लोगों ने अधिवक्ता पवन उपाध्याय को इस सराहनीय पहल की खुले दिल से प्रशंसा कर रहे हैं। कालेज के बच्चे रोहित, संदीप, खुशी, अमित चौहान, जयराम, भोला, रियाज अहमद, सिंटू प्रसाद, संजय सहित

सैकड़ों लोगों ने खुशी व्यक्त करते हुए इसे गरीब, मजदूर और राहगीरों के लिए वरदान बताया। चौराहे के लोगों ने प्रशासन से भी सार्वजनिक स्थानों,चौराहों और बाजारों में अलाव की व्यवस्था करने की मांग की ताकि ठंड में और राहत मिल सके। चौराहे पर की गई इस पहल क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। अधिवक्ता श्री उपाध्याय ने कहा कि इस ठंड के मौसम में सभी को बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि ठंड में अलाव के अलावा कोई गरीब सड़क पर मिल जाय तो उसे कम्बल, कपड़ा और भोजन के लिए कुछ धन की व्यवस्था कर दी जानी चाहिए।

अटल जी थे दूरदर्शी राष्ट्रनेता जिन्होंने भारत को नई दिशा दी: रजनीकांत मणि त्रिपाठी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से दुलारी सेवा संस्थान, कसया, कुशीनगर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय " अटल बिहारी वाजपेई जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर संगोष्ठी, कवि सम्मेलन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। शुक्रवार को नगर के होटल लीला ग्लैक्सी में आयोजित समारोह के दूसरे दिन कार्यक्रम का शुभारंभ भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के चित्र पर पुष्पार्चन से किया गया। प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक कुशीनगर रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी एक राजनेता, संवेदनशील कवि, दूरदर्शी

राष्ट्रनेता थे जिन्होंने भारत को नई दिशा दी। उन्होंने लोकतंत्र की मर्यादा, सुशासन और पारदर्शिता को राजनीति का आधार बनाया और मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रो. सीमा त्रिपाठी ने कहा कि वाजपेई जी की जीवनी को अपने जीवन में उतारें यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसी क्रम में एड मनोज कुमार पांडेय, बार संघ महामंत्री अम्बरीष चौबे ने अटल जी के जीवन पर प्रकाश डाला। दूसरे सत्र में पूर्व विधायक मदन गोविंद राव ने कहा कि वह विलक्षण प्रतिभा के धनी कवि, पत्रकार, राजनेता ही नहीं बल्कि विकट परिस्थितियों में भी उन्होंने भारत को एक कुशल नेतृत्व दिया। आयोजित कवि सम्मेलन में दिनेश तिवारी भोजपुरिया, वंदना वैदेही, डॉ अम्बरीष विश्वकर्मा, एड. सरिता मिश्रा ने अटलजी के जीवन वृत्त पर रचनाओं के साथ शानदार रचना प्रस्तुत की। गायक सुनील मिश्रा की टीम ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। निरंकारी स्कूल की छात्राओं ने सरस्वती वंदना और गीत, नृत्य प्रस्तुत किए। अतिथियों को बुके और अंग वस्त्र देकर आयोजक संस्था अध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा, विशाल शर्मा, राम प्रताप चौरसिया ने किया। अध्यक्षता प्राचार्य रवि शंकर प्रताप राव व संचालन राजू मद्धेशिया ने किया। इस दौरान आनंद शेखर सिंह, रमेश मद्धेशिया, प्रधानाचार्य अवधेश चौरसिया, मनोज चौरसिया, किशोर कुमार निषाद, अंकुर दूबे, प्रमिल गुप्ता, पिंटू राय, नंदलाल गुप्ता सहित प्रतिभागी मौजूद रहे।

अध्यक्ष नगर पंचायत कुरारा ने एस आई आर जांच के बाद मतदाताओं की लिस्टों का किया निरीक्षण

संवाददाता

हमीरपुर। कुरारा नगर में आने वाले गांवों के एस आई आर फार्म भरने के बाद, अब लिस्टों में वोटरों को अपने नाम की जांच करने का निर्वाचन आयोग ने मौका दिया है। जिसके बाद नगर पंचायत अध्यक्ष आशा रानी कबीर ने बूथ संख्या 39, 41, 42 सहित 43 का निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया। निरीक्षण मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण ((Special Intensive Revision)) को और ज्यादा मजबूत बनाने की तरफ में एक जरूरी कदम है। भाजपा की जिम्मेदार पदाधिकारी होने के नाते अध्यक्ष अपनी मजबूत टीम के साथ मिलकर तय कर रही हैं कि हर पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल हो, साथ ही लोकतंत्र की आधारशिला पहले से और ज्यादा मजबूत बने। निरीक्षण के दौरान पता चला कि एस आई आर से पहले बूथ संख्या 39 में मतदाताओं की तादाद 1015 थी, जबकि 6 मतदाताओं की मौत हो चुकी है, वहीं 4 मतदाताओं का ट्रांसफर हो चुका है, जबकि जांच में एक मतदाता का नाम दो जगह पाया गया, वहीं 15 लोग नदारद मिले। जबकि एस आई आर कम्पलीट होने के बाद सही मायने में 989 वोटर सही पाये गये। इसी तरह बूथ संख्या-41में पहले 1229 वोटर थे, जबकि एस आई आर की जांच में पता चला कि 30 वोटरों की मौत हो चुकी है।वहीं 89 वोटरों का ट्रांसफर हो चुका है, जबकि सात वोटरों का नाम दो जगह दर्ज पाया गया। वहीं 71 वोटर नदारद मिले। जबकि असली वोटरों की तादाद 1032 मिली है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर तीन कार आपस में टकराई

लखनऊ। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर घने कोहरा के कारण शुक्रवार सुबह तीन कार आपस में टकरा कर क्षतिग्रस्त हो गई। जिससे कारों में सवार में लोगों में चीख पुकार मच गई। गनीमत रही कि हादसे में कार सवार किसी के चोट नहीं आई। मौके पर पहुंची पुलिस व यूपीडा की टीम ने क्षतिग्रस्त कारों को रोड से हटवा कर यातायात शुरू कराया गया। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार सुबह 6:48 पर सूचना मिली कि थाना डौकी क्षेत्र के अंतर्गत आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 14 के पास घने डायवर्सन के पास घने कोहरा के कारण तीन कार आपस में टकरा गई है। सूचना पर पुलिस व यूपीडा की टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहनों को रोड से हटवा कर यातायात शुरू कराया गया। वहीं गनीमत रही की हादसे में किसी कार सवार को चोट नहीं लगी।

पुस्तक लोकार्पण: नौकरी में रहकर साहित्य सृजन कठिन कार्य: कवि चंदेश्वर परवाना

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर क्षेत्र के भलुही मदारी पट्टी में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्रधानाध्यापक सुरेश प्रसाद आत्मज्ञानी की दो पुस्तकें पद्य गरिमा और गद्य गौरव का लोकार्पण कवि और साहित्यकारों ने किया। पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन से हुआ। मुख्य अतिथि राहुल सांकृत्यायन सम्मान प्राप्त कवि चंदेश्वर शर्मा परवाना ने आत्मज्ञानी की लिखी पुस्तक की समीक्षा करते हुए कहा कि नौकरी में रहकर साहित्य सृजन कठिन कार्य है। आगे

कहा कि साहित्यकार लिखता तो है लेकिन खाली समय में सोचता भी है। विशिष्ट अतिथि उमाशंकर सोनी ने कहा कि सुरेश प्रसाद ने अपने भावों, विचारों, अनुभवों और चिंतन को पुस्तक के रूप में प्रस्तुत कर सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक किया है। सुरेश प्रसाद गुप्ता, गेंदा सिंह, चंद्रिका प्रसाद ने लेखक आत्मज्ञानी की लिखी पुस्तकों पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता करते हुए रामाश्रय ने कहा कि पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मित्र होती हैं जो सही दिशा देती हैं। कवि सम्मेलन में सुरेश आत्मज्ञानी, अवध किशोर अवधु, एड. इरशाद कामिल, विकाश वैभव, अमरनाथ पाण्डेय ने बेहतरीन काव्य प्रस्तुत कर तालियां बटोरी तो गीतकार धीरज राव, राजेश रोशन, डॉ श्यामा भारती, अतुल भारती ने गीतों से समां बांधी और श्रोताओं की तालियां बटोरी। आयोजक श्री आत्मज्ञानी ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर और अंगवस्त्र व पुस्तकें देकर सम्मानित किया। मंच का शानदार काव्यात्मक संचालन आचार्य जर्नादन ने किया। इस अवसर पर श्रवण भारती, दशरथ प्रसाद, रामाश्रय चौधरी, विकास चौधरी, नरसिंह, सोहनलाल साहू, विंध्याचल, विवेक जयसवाल, मोहन गोंड सहित मातृ शक्ति उपस्थित रहे।

सम्राट अहिबरन जी महाराज का जन्मदिन श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया

संवाददाता

कुशीनगर। बरनवाल समाज के आदि पुरुष एवं सूर्यवंशी सम्राट अहिबरन जी महाराज के पावन जन्मदिवस के अवसर पर बरनवाल सेवा समिति एवं अहिबरन सेना द्वारा सती माता स्थान करमहा रोड, नया हाटा में भव्य आयोजन किया गया। शुक्रवार को कार्यक्रम की शुरूआत विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं भजन-कीर्तन के साथ हुई। भजन गायक राजेश बरनवाल ने अपने सुमधुर भजनों से उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके उपरांत महाप्रसाद का वितरण किया गया तथा विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। बरनवाल सेवा समिति हाटा के अध्यक्ष धर्मेंद्र बरनवाल ने सम्राट अहिबरन जी महाराज के जीवन चरित्र, उनके आदर्शों एवं समाज के उत्थान में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। महामंत्री अखिलेश बरनवाल एवं कोषाध्यक्ष राजन बरनवाल ने समाज की एकता, संगठन की मजबूती तथा सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया। युवा समाजसेवी एवं वरिष्ठ हियुवा नेता प्रतीक बरनवाल ने संबोधित किया। उन्होंने युवाओं से समाज के गौरवशाली इतिहास को जानने, उसे आत्मसात करने तथा शिक्षा और सामाजिक सेवा के माध्यम से समाज को नई दिशा देने का आह्वान किया। आयोजन में बरनवाल समाज के सैकड़ों महिला-पुरुष एवं युवा उपस्थित रहे।

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान : लखनऊ से गौरीफंटा तक बस सेवा का विस्तार, कैसरबाग से मिलेंगी बसें

लखनऊ। दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में हाल ही में जन्मे एक सींग वाले गैंडे के शावक इन दिनों पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बने हुए हैं, जिससे बच्चों सहित बड़ों में भी यहां आने को लेकर रुची काफी बढ़ती जा रही है। इसी को लेकर दुधवा नेशनल पार्क व आसपास के क्षेत्रों में प्रकृति-आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लखनऊ के कैसरबाग बस स्टेशन से चलने वाली विशेष एसी 2x2 बस सेवा को अब दुधवा से आगे अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट स्थित गौरीफंटा तक विस्तारित कर दिया गया है। पहले यह बस सेवा केवल दुधवा तक सीमित थी और मुख्य रूप से नेचर व वाइल्डलाइफ प्रेमियों के लिए संचालित होती थी, लेकिन पर्यटकों के अन्य जगहों पर घूमने व बेहतर कनेक्टिविटी की जरूरत को देखते हुए इसका विस्तार किया गया। ठंड के मौसम में दुधवा राष्ट्रीय उद्यान पर्यटकों का प्रमुख केंद्र बना हुआ है, जहां बाघ, एक सींग वाला गैंडा, हाथी, हिरण, बारहसिंगा और तेंदुए जैसे दुर्लभ वन्यजीवों के साथ नन्हे

गैंडे को देखने के लिए बड़ी संख्या में सैलानी पहुंच रहे हैं। नई व्यवस्था के तहत, यह बस सुबह 8 बजे कैसरबाग से रवाना होकर दोपहर 2 बजे गौरीफंटा पहुंचेगी। वापसी में बस 2:30 बजे गौरीफंटा से चलकर 3 बजे दुधवा पहुंचेगी और फिर 3:30 बजे दुधवा से लखनऊ लौटते हुए रात 9 बजे कैसरबाग पहुंचेगी। इसके साथ ही लखनऊ से दुधवा का किराया 487 रुपये तथा लखनऊ से गौरीफंटा तक 536 रुपये तय किया गया है। इस नई सेवा से दुधवा, कतर्नियाघाट और गौरीफंटा के जंगलों में आने वाले प्रकृति प्रेमियों को बेहद सुविधा मिलेगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यूपीएसआरटीसी की यह पहल उत्तर प्रदेश इको-टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड की दूरदृष्टि और वन विभाग के सहयोग का परिणाम है। दुधवा, कतर्नियाघाट और गौरीफंटा का पूरा तराई क्षेत्र जैव विविधता से भरा हुआ है। बस सेवा के विस्तार से अब पर्यटक न केवल दुधवा के जंगल और दलदली इलाकों को देख पाएंगे, बल्कि दुधवा से लगभग 20 किलोमीटर आगे स्थित गौरीफंटा और उससे जुड़े प्राकृतिक इलाकों का अनुभव भी कर सकेंगे। यह प्रकृति प्रेमियों, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। फील्ड डॉयरेक्टर, दुधवा टाइगर रिजर्व, एच राजामोहन ने बताया कि दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में ठंड के समय पर्यटकों के काफी आकर्षित करता है, खासकर इस समय कुछ गैंडों के शावक पर्यटकों को खूब लुभा रहे हैं। यहां के घने साल जंगल, घास के मैदान और दलदली जोन इसे भारत के सबसे समृद्ध प्राकृतिक आवासों में शामिल करते हैं। कतर्नियाघाट वाइल्डलाइफ सेंचुरी-जो दुधवा रिजर्व का ही हिस्सा है, अपनी अनोखी पारिस्थितिकी, नदियों, दलदली क्षेत्र और समृद्ध जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यहां हाथी, बाघ, तेंदुए, दुर्लभ पक्षी और अन्य जीवों को देखने का अवसर पर्यटकों के बीच अत्यधिक लोकप्रिय है। सेवा का विवरण: कैसरबाग (लखनऊ) से दुधवा होते हुए गौरीफंटा तक संचालित होने वाली इस बस सेवा के तहत लखनऊ से प्रस्थान सुबह 08 बजे होगा और बस दोपहर 02 बजे गौरीफंटा पहुंचेगी। वापसी यात्रा गौरीफंटा से 2:30 बजे शुरू होकर 03 बजे दुधवा होते हुए लखनऊ के लिए रवाना होगी, जिसमें लखनऊ में आगमन रात 9:00 बजे होगा।

बांग्लादेशी हिंदुओं को भारत बुलाने के लिए लखनऊ में प्रदर्शन

लखनऊ। विधानसभा भवन के सामने लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने प्रदर्शन किया। शुक्रवार शाम को किए प्रदर्शन में उन्होंने मांग की कि बांग्लादेशी हिंदुओं को भारत बुलाया जाए। भारत सरकार बांग्लादेश की सब्सिडी बंद कर दे। वहां से जो भी व्यापार किए जा रहे हों उन पर तत्काल रोक लगा दी जाए। वहां हिंदू असहाय हो चुका है। उन्हें अपने देश लाया जाए, जिससे उनकी जान बचाई जा सके। यह प्रदर्शन छात्रों ने अखिल भारतीय हिंदू महासभा के साथ किया। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मुहम्मद शहाबुद्दीन का पुतला जलाया। नारेबाजी कर बांग्लादेश के प्रति विरोध और आक्रोश दर्ज किया। प्रदर्शन कर रहे अंशुमान त्रिवेदी ने कहा कि भारत सरकार से हमारी मांग है कि तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करे और बांग्लादेश के प्रत्येक हिंदू को सुरक्षित महसूस करवाए। हम लोग सड़कों पर उतरकर संघर्ष कर रहे हैं। बांग्लादेशी हिंदुओं को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। यह लड़ाई हिंदुओं के अस्तित्व को बचाने के लिए है। बांग्लादेश में खुलेआम पुरुषों की हत्या की जा रही है। महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया जा रहा है। यह सरासर मानवता के खिलाफ घिनौना अपराध है। भारत सरकार बांग्लादेशी हिंदुओं के लिए हिंदुस्तान के दरवाजे खोल दे ताकि वे यहां आकर अपनी जान बचा सकें। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बांग्लादेशी हिंदुओं को बचाने के लिए जो भी कदम उठाना पड़े सरकार उठाए।

रेलवे के भूमि पर बनी दुकानों को तोड़ने पहुंचा बुलडोजर

मुरादाबाद। रोडवेज बस अड्डे के सामने रेलवे की जमीन पर बनी दुकानों को तोड़ने पहुंची रेलवे टीम का व्यापारियों ने जोरदार विरोध किया। कार्रवाई की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में दुकानदार मौके पर जुट गए और नारेबाजी शुरू कर दी। कारोबारियों के समर्थन में शहर विधायक रितेश गुप्ता भी पहुंचे और रेलवे अधिकारियों से वार्ता की। रेलवे ने स्टेशन रोड पर बनी करीब 70 दुकानों पर लाल निशान लगाकर उन्हें अवैध कब्जा बताते हुए कुछ दिन की मोहलत दी थी। रेलवे अधिकारियों का कहना था कि तय समय में दुकानदार स्वयं दुकानें खाली नहीं करते हैं तो पुलिस-प्रशासन के सहयोग से अतिक्रमण हटाया जाएगा। इसके बाद शुक्रवार को कार्रवाई शुरू की गई। इसके बाद जमकर हंगामा और नारेबाजी शुरू हो गई। सड़क पर जाम लग गया। दुकानदारों का दावा है कि उनकी दुकानें वर्ष 1971 से वहां चल रही हैं। उस समय यह इलाका इज्जतनगर रेल मंडल के अंतर्गत आता था।

झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने संप्रेक्षण गृह एवं केंद्रीय कारा का किया निरीक्षण

विमं संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने शुक्रवार को हजारीबाग स्थित संप्रेक्षण गृह (बाल सुधार गृह) एवं लोक नायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम न्यायाधीश ने हजारीबाग के संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संपूर्ण परिसर का अवलोकन किया तथा सजायाफ्ता किशोरों से संवाद स्थापित कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने किशोरों को दिए जाने वाले भोजन, किशोर न्याय बोर्ड हजारीबाग से संबंधित व्यवस्थाओं, पुस्तकालय, बच्चों से मुलाकात कर व्यवस्था की जानकारी, चिकित्सा कक्ष, परामर्श कक्ष, भोजनालय, हॉस्टल, शौचालय, बिजली व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान माननीय न्यायाधीश के स्वागत में संप्रेक्षण गृह के किशोर कैदियों द्वारा योग एवं व्यायाम की प्रस्तुति दी गई, जिसे माननीय न्यायाधीश ने सराहते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया इसके उपरांत न्यायाधीश ने लोक नायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संपूर्ण परिसर का भ्रमण कर कैदियों को उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कैदियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रत्येक कैदी को अपने विरुद्ध चल रहे मुकदमों की जानकारी अवश्य होनी चाहिए। उन्होंने महिला वार्ड, अस्पताल वार्ड सहित अन्य विभागों का निरीक्षण किया तथा कारा प्रशासन को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान माननीय न्यायाधीश श्री सुजीत नारायण प्रसाद ने निर्देश दिया कि केंद्रीय कारा में निरुद्ध सजायाफ्ता कैदियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) का प्रभावी विधिक प्रतिनिधित्व अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि कैदियों को उनके मामलों की विधिक जानकारी एवं निःशुल्क कानूनी सहायता मिलना उनका अधिकार है। इस संबंध में माननीय न्यायाधीश ने डालसा को आवश्यक पहल सुनिश्चित करने का स्पष्ट निर्देश दिया। माननीय न्यायाधीश के इस निरीक्षण से सुधारात्मक व्यवस्था, पारदर्शिता एवं कैदियों के अधिकारों के संरक्षण की दिशा में सकारात्मक संदेश गया।

किसानों से धान क्रय की प्रक्रिया को पारदर्शी, सुचारू एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न करें : उपविकास आयुक्त

लातेहार: उप विकास आयुक्त सैयद रियाज अहमद की अध्यक्षता में धान अधिप्राप्ति 2025-26 (खरीफ विपणन मौसम) अंतर्गत जिले में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त द्वारा धान अधिप्राप्ति से संबंधित सभी पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों से धान क्रय की प्रक्रिया को पारदर्शी, सुचारू एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न किया जाए, ताकि किसी भी किसान को असुविधा का सामना न करना पड़े। उप विकास आयुक्त ने क्रय केंद्रों की तैयारी, किसानों का पंजीकरण, धान उठाव, भंडारण व्यवस्था एवं भुगतान प्रक्रिया की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। साथ ही उन्होंने सभी क्रय केंद्रों पर आवश्यक संसाधनों, मानव बल एवं मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

एचजेपीईएल का भव्य आगाज आज से, संजय सिंह स्टेडियम में रचेगा नया इतिहास

प्रवीण अग्रवाल

हजारीबाग: हजारीबाग के खेल जगत में एक नया और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ने जा रहा है। हजारीबाग जैन क्रिकेट प्रीमियर लीग (एचजेपीएल) 2025 - सीजन 1 का भव्य एवं रंगारंग शुभारंभ कल से शहर के प्रतिष्ठित संजय सिंह स्टेडियम में होने जा रहा है। लेट्स यूनाइट के प्रेरणादायक संदेश के साथ आयोजित यह लीग न केवल क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांच का केंद्र बनेगी, बल्कि सामाजिक एकता, अनुशासन और खेल भावना को भी मजबूती प्रदान करेगी। रंगारंग उद्घाटन समारोह लीग के उद्घाटन समारोह को यादगार बनाने के लिए आयोजन समिति द्वारा विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। इसमें समाज के बच्चों द्वारा आकर्षक नृत्य, सांस्कृतिक एवं कलात्मक प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जो दर्शकों का मन मोह लेंगी। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से खेल, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों का सुंदर संगम देखने को मिलेगा। मुख्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति इस भव्य आयोजन में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल एवं विधायक प्रदीप प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वे खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे और बच्चों की प्रस्तुतियों को सराहेंगे। उनकी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा और भी बढ़ेगी। आयोजन समिति का विजन आयोजन समिति के चेयरमैन सौरभ जैन पटौदी ने लीग को लेकर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि एचजेपीसीएल का उद्देश्य केवल क्रिकेट प्रतियोगिता कराना नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग को एक सूत्र में बांधना है। संजय सिंह स्टेडियम में होने वाला यह आयोजन युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बड़ा मंच साबित होगा।

वहीं प्रेसिडेंट तरुण जैन ने कहा कि इस लीग के माध्यम से हम समाज में अनुशासन, खेल भावना और एकजुटता का संदेश देना चाहते हैं। समाज के बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां समारोह को और भी भव्य बनाएंगी। आयोजन समिति के पदाधिकारियों चेयरमैन: सौरभ जैन पटौदी, प्रेसिडेंट: तरुण जैन सेक्रेटरी: अनीश लुहाड़िया वाइस प्रेसिडेंट: सान्नी विनायका कोषाध्यक्ष: कपिल विनायका लीग मैचों का रोमांचक शेड्यूल प्रथम दिवस: अहिंसा वॉरियर्स बनाम 3वयी स्ट्राइकर्स, एनआर जैन लेजेंड्स XI बनाम प्रथम पैंथर्स, आरआर रॉयल्स बनाम अंकुर वॉरियर्स द्वितीय दिवस : आरआर रॉयल्स बनाम प्रथम पैंथर्स, अंकुर वॉरियर्स बनाम अहिंसा वॉरियर्स, एनआर जैन लेजेंड्स बनाम 3वयी स्ट्राइकर्स लीग मुकाबलों के बाद सेमीफाइनल और फिर ग्रैंड फाइनल खेला जाएगा, जिसमें सीजन-1 के विजेता का फैसला होगा। इसे लेकर खिलाड़ियों और दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के लिए आयोजन समिति द्वारा कई आकर्षक पुरस्कार रखे गए हैं, जिनमें-विजेता ट्रॉफी, उपविजेता ट्रॉफी, मैन ऑफ द सीरीज प्रत्येक मैच के लिए मैन ऑफ द मैच, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक क्रिकेट, संस्कृति और एकता का उत्सव। एचजेपीसीएल 2025 हजारीबाग में केवल एक क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं, बल्कि क्रिकेट, संस्कृति और सामाजिक एकता का भव्य उत्सव बनने जा रहा है। यह आयोजन न सिर्फ खिलाड़ियों के लिए सुनहरा अवसर प्रदान करेगा, बल्कि दर्शकों के लिए भी लंबे समय तक यादगार पल लेकर आएगा।

संक्षिप्त खबरें

सांसों का उच्च शासन एवं प्रशासन के साथ ओशो फ्रेगरेंस द्वितीय दिवस प्रारंभ

रामगढ़(विभा): प्रथम सत्र ओशो फ्रेगरेंस द्वितीय दिवस आज ज्ञान की सुबह के प्रथम सत्र में सांसों का उच्च शासन एवं प्रशासन हुआ. इसके बाद के थोड़ी ध्यान आचार्य स्वामी दिगंबर ने प्रारंभ करवाया. इसके बाद मैं कौन हूं को बार-बार दोहरा कर अपनी आत्मा और चेतन को अवगत कराया गया इसके बाद उनकी आंखों में पट्टी लगाकर एवं कानों में ईयर प्लग लगाकर विश्राम की अवस्था में लाया गया जिसे अपार शांति का अनुभव हुआ । द्वितीय सत्र का में काम क्रोध मुक्ति और शांति के उपाय के साथ ओशो फ्रेगरेंस के हिमालय स्वामी शैलेंद्र सरस्वती का आगमन हुआ। सभी भक्तों ने खड़े होकर उनका स्वागत किया। भक्ति के गीत बजते रहे। चिंता एवं डिप्रेशन से निवारण के उपाय को स्वामी जी ने बड़े प्यार से समझाया। तीसरा सत्र में संकल्प ओम ध्यान मां अमृत प्रिया इसमें संकल्प लिया गया कि इस ध्यान को पूरे मनोयोग से करें। इस ध्यान में अपने मन के भावों को रोकर गाकर हंसकर कूद कर लेट कर किसी भी तरह से प्रदर्शित करना था। लोग इसमें भाव विभोर हो गए, कोई रो रहा था कोई हंस रहा था कोई खिल खिला रहा था किसी के चेहरे पर आंतरिक वेदना थी और कूदते गाते हुए ध्यान में प्रवेश किये। ओम का तेजी से उच्चारण किया गया जिससे वहां पर एक नई वाइब्रेशन फैल गई। इस वाइब्रेशन की ऊर्जा को मन में सुना था और उसको सुनते हुए विश्राम की अवस्था में चले गए थे ओशो वंदना की बात कार्यक्रम को विश्राम दिया गया।

रणक्षेत्र बने विवादित भूमि पर शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु धारा 163 बी.एन.एस.एस. के तहत आदेश जारी

रामगढ़(विभा): अनुमंडल दंडाधिकारी, रामगढ़ द्वारा न्यायालयीन वाद संख्या 231/2025 के आलोक में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बी.एन.एस.एस.) की धारा 163 के अंतर्गत आदेश पारित किया गया है। यह आदेश रामगढ़ थाना अंतर्गत स्थित विवादित भूमि को लेकर संभावित विधि-व्यवस्था एवं शांति भंग की आशंका को देखते हुए जारी किया गया है। प्राप्त आवेदन एवं अंचलाधिकारी, रामगढ़ द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के आधार पर यह पाया गया कि संबंधित पक्षों के बीच भूमि को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई है, जिससे किसी भी समय अप्रिय घटना घटित होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। विवादित भूमि का खाता संख्या: 130, प्लॉट संख्या: 411, रकबा: 0.97 एकड़ है। अनुमंडल पदाधिकारी के आदेश के अनुसार, द्वितीय पक्ष को आगामी 60 (साठ) दिनों की अवधि तक उक्त भूमि पर जाने, जुताई-बोआई करने अथवा किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य करने से प्रतिबंधित किया गया है। साथ ही, संबंधित पक्षों को निर्देशित किया गया है कि वे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें तथा तब तक यथास्थिति बनाए रखें। इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई हेतु रामगढ़ थाना प्रभारी को भी सूचित किया गया है ताकि क्षेत्र में शांति एवं विधि-व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। जिला प्रशासन आमजनों से अपील करता है कि किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में कानून को अपने हाथ में न लें तथा प्रशासन का सहयोग करें। बता दें कि उक्त जमीन पर कई दावेदार हैं सभी अपना अपना दावा कर रहे हैं। उक्त भूमि पर पिछले 70 वर्षों से मारवाड़ी समाज द्वारा होलिका दहन का आयोजन होता आ रहा है। फिलहाल प्रशासन ने हस्तक्षेप कर मामले को गंभीरता से लेते हुए सुलझाने का प्रयास किया है। लोगों को उम्मीद है कि अब उक्त भूमि का विवाद सुलझ जाएगा।

साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का किया गया आयोजन.

लातेहार(विभा) : उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया। उप विकास आयुक्त ने क्रमवार तरीके से सभी फरियादियों की शिकायतों को सुनी एवं आश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जाँच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा। ज्ञात हो कि आज के जन शिकायत निवारण में विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये , जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। उपायुक्त के निदेशानुसार आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायत के निष्पादन हेतु हेतु जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तरीय के सभी पदाधिकारियों के कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार एंव शुक्रवार को जन शिकायत निवारण का आयोजन किया जाता है।

झारखंड कैबिनेट में पेसा कानून पास होने पर झामुमो ने निकाली आभार यात्रा

आदिवासियों के सर्वांगीण विकास व संस्कृति संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक कदम : संजीव बेदिया

विमं संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड कैबिनेट द्वारा पेसा (पंचायत एक्सटेंशन टू शेड्यूल्ड एरिया) कानून पारित किए जाने के बाद शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की ओर से हजारीबाग में भव्य आभार यात्रा निकाली गई। इस आभार यात्रा में पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाएं, ढोल-नगाड़ा, मांदर जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ झूमर नृत्य करती हुई नजर आईं। यात्रा में झामुमो के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी और समर्थक शामिल हुए। आभार यात्रा की शुरुआत जिला स्कूल चौक स्थित पुराने समाहरणालय परिसर से हुई। यह यात्रा इंद्रपुरी चौक, झंडा चौक, बंशीलाल चौक, पुराना बस स्टैंड चौक और जिला परिषद चौक से होते हुए पुनः पुराने समाहरणालय पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समर्थन में नारे लगाए और पेसा कानून को आदिवासी समाज के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया इस अवसर पर झामुमो जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड कैबिनेट द्वारा पेसा कानून पारित किया जाना आदिवासी समाज के अधिकारों को मजबूती देने वाला ऐतिहासिक निर्णय है। उन्होंने कहा कि इस कानून के लागू होने से झारखंड में आदिवासियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होगा और उनकी पारंपरिक संस्कृति, रीति-रिवाज और सामाजिक व्यवस्था को संवैधानिक संरक्षण मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि पेसा कानून के तहत अब ग्राम सभा को अधिक अधिकार प्राप्त होंगे। गांव से जुड़े विकास कार्यों, जल-जंगल-जमीन, खनिज संसाधनों और सामाजिक मुद्दों पर निर्णय लेने में ग्राम सभा की भूमिका निर्णायक होगी। इससे गांव के लोग स्वयं अपने विकास की दिशा तय कर सकेंगे और बाहरी हस्तक्षेप पर रोक लगेगी। वहीं झामुमो जिला सचिव नीलकंठ महतो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पेसा कानून वर्ष 1996 में बना था, लेकिन लंबे समय तक इसे झारखंड में प्रभावी रूप से लागू नहीं किया जा सका। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस कानून को कैबिनेट से पारित कर यह साबित कर दिया है कि उनकी सरकार आदिवासी हितों, स्वशासन और झारखंड के समग्र विकास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। केंद्रीय सदस्य सुनील शर्मा ने कहा कि पेसा कानून के लागू होने से आदिवासी समाज को उनके संवैधानिक अधिकार मिलेंगे और लोकतंत्र की जड़ें गांव-गांव तक मजबूत होंगी। यह निर्णय आने वाली पीढ़ियों के लिए भी मील का पत्थर साबित होगा।

शहीद वीर बाल दिवस पर भाजपा ने निकाली रैली

रामगढ़। शहीद वीर बाल दिवस पर शुक्रवार की सुबह भाजपा के नेता और कार्यकर्ताओं ने शहर में प्रभात फेरी निकाली। सुभाष चौक स्थित माता विध्नेश्वरी मंदिर परिसर से प्रभात फेरी निकाली गई। इस दौरान भाजपा नेता और कार्यकर्ता पदयात्रा करते हुए श्री गुरु सिंह सभा रामगढ़ गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका। जहां साध-संगत की ओर से भाजपाईयों का अंग वस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया। इस दौरान भाजपा नेता रणंजय कुमार कुंटू ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को वीर बाल दिवस के महत्व और साहिबजादों के बलिदान से अवगत कराना था। इस दौरान लोगों को साहबजादों के जीवन से जुड़ी अहम जानकारियां दी गईं। जिससे उनकी शहादत को याद किया जा सके और नई पीढ़ी को प्रेरणा मिल सके।

साहिबजादों एवं माता गुजरी जी की अमर शहादत को नमन: गुरु गोविंद सिंह पार्क में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया

विमं संवाददाता

हजारीबाग: साहिबजादों एवं माता गुजरी जी की शहादत को समर्पित शहीदी दिवस का आयोजन श्रद्धा, सम्मान और धार्मिक भावनाओं के साथ गुरु गोविंद सिंह पार्क में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सिख समाज के लोग, श्रद्धालु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे शहीदी दिवस के अवसर पर साहिबजादों एवं माता गुजरी जी के बलिदान को याद करते हुए उनके त्याग, साहस और धर्म की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में कीर्तन, अरदास एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बन गया इस मौके पर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और विधायक प्रदीप प्रसाद विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने साहिबजादों एवं माता गुजरी जी की शहादत को भारतीय इतिहास की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों को सत्य, साहस और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा कार्यक्रम के दौरान समाज के वरिष्ठजनों एवं आयोजकों ने शहीदी इतिहास पर अपने विचार रखे तथा युवाओं से इन आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। आयोजन का समापन लंगर के साथ हुआ।

श्री रामकृष्ण शारदा आश्रम विवेकानंद सेंट्रल स्कूल में दो दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव उत्साहपूर्वक संपन्न

विमं संवाददाता

हजारीबाग: श्री रामकृष्ण शारदा आश्रम विवेकानंद सेंट्रल स्कूल परिसर में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव बड़े ही उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय परिसर बच्चों की ऊर्जा, खेल गतिविधियों और अभिभावकों के उत्साह से जीवंत नजर आया। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करना रहा कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की सचिव डॉ. समाप्ति पॉल ने अपने संबोधन में कहा कि केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि खेलकूद भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खेल बच्चों में अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करता है, जो आगे चलकर उनके जीवन में सफलता की मजबूत नींव बनता है। डॉ. पॉल ने आगे कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में बच्चों पर पढ़ाई का दबाव लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में खेलकूद बच्चों को तनावमुक्त रखने का एक सशक्त और सकारात्मक माध्यम है। विद्यालय का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों का शारीरिक, मानसिक, नैतिक एवं सामाजिक विकास सुनिश्चित करना है। इसी सोच के तहत विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ खेल, योग एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को समान महत्व दिया जाता है। खेल उत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन किया। बच्चों के जोश, अनुशासन और खेल भावना ने उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों को विशेष रूप से प्रभावित किया। अतिथियों ने बच्चों की सराहना करते हुए उन्हें नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से सफल आयोजन के लिए सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। अंत में पुरस्कार वितरण समारोह के साथ खेल उत्सव का समापन हुआ, जिससे विद्यार्थियों में नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और उत्साह का संचार हुआ।

हजारीबाग पुलिस की बड़ी कार्रवाई, सेक्सटॉर्शन और साइबर ठगी गिरोह पकड़ा गया

फर्जी वेबसाइटों के जरिए ब्लैकमेलिंग, चार आरोपी गिरफ्तार, डिजिटल सबूत जब्त

विमं संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे सख्त अभियान के तहत एस्कॉर्ट सेवा की आड़ में देशभर में ठगी और सेक्सटॉर्शन को अंजाम देने वाले संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नूतन नगर इलाके से चार साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने उनके पास से 12 मोबाइल फोन, 16 सिम कार्ड और विभिन्न बैंकों के डेबिट कार्डों का जखीरा बरामद किया है। यह कार्रवाई इस बात का संकेत है कि हजारीबाग जिले से संचालित साइबर अपराध का गिरोह अब राष्ट्रीय स्तर पर लोगों को शिकार बना रहा है।

पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन के कार्यालय को 25 दिसंबर को मिली गोपनीय सूचना में बताया गया था कि कुछ युवक फर्जी वेबसाइटों और ऑनलाइन विज्ञापनों के जरिए एस्कॉर्ट सेवा का झांसा देकर लोगों से संपर्क कर रहे हैं। शुरुआती बातचीत में पीड़ितों से बुकिंग के नाम पर पैसे वसूले जाते थे। इसके बाद वीडियो कॉल, चैट और स्क्रीन रिकॉर्डिंग के जरिए उन्हें ब्लैकमेल कर लगातार डिजिटल भुगतान के माध्यम से रकम ऐंठी जाती थी। सामाजिक बदनामी के डर से अधिकांश पीड़ित शिकायत तक नहीं करते थे, जिसका फायदा उठाकर गिरोह लंबे समय से सक्रिय था।

सूचना के आधार पर सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद (आईपीएस) के नेतृत्व में छापेमारी दल गठित किया गया। मुफस्सिल थाना पुलिस के साथ नूतन नगर में दबिश दी गई, जहां चार युवक मोबाइल फोन के जरिए संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त पाए गए। पुलिस को देखते ही वे भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर सभी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। **गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नूतन नगर निवासी विवेक कुमार, बादल मंडल, दीपक मंडल और शेखर कुमार के रूप में हुई है।** तलाशी के दौरान पुलिस को साइबर ठगी से जुड़ा पूरा डिजिटल नेटवर्क हाथ लगा। बरामद मोबाइल फोन में फर्जी वेबसाइटों, बैंक खातों और डिजिटल भुगतान से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं। एक मोबाइल का प्रतिबिम्ब ऐप में पंजीकृत होना इस बात की ओर इशारा करता है कि आरोपी पहचान छिपाने के लिए तकनीकी तरीकों का सहारा ले रहे थे।

इस मामले में मुफस्सिल थाना कांड संख्या 207/25 के तहत भारतीय न्याय संहिता की कई गंभीर धाराओं और आईटी अधिनियम की धारा 66(सी), 67 व 67(ए) में केस दर्ज किया गया है। सभी चारों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जब्त डिजिटल साक्ष्यों की फॉरेंसिक जांच के बाद गिरोह के अन्य सदस्यों और संभावित अंतरराज्यीय नेटवर्क का भी खुलासा हो सकता है। हजारीबाग पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि ऑनलाइन विज्ञापनों, अनजान कॉल और डिजिटल भुगतान के नाम पर किए जा रहे प्रलोभनों से सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस अभियान में पुलिस निरीक्षक शाहिद रजा, मुफस्सिल थाना प्रभारी रौशन वर्णवाल, तकनीकी शाखा के पदाधिकारी, कर्मी और कई पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ खेल, योग एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को समान महत्व दिया जाता है। खेल उत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन किया। बच्चों के जोश, अनुशासन और खेल भावना ने उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों को विशेष रूप से प्रभावित किया। अतिथियों ने बच्चों की सराहना करते हुए उन्हें नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से सफल आयोजन के लिए सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। अंत में पुरस्कार वितरण समारोह के साथ खेल उत्सव का समापन हुआ, जिससे विद्यार्थियों में नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और उत्साह का संचार हुआ।

अरावली की चिन्ताः नारे से आगे, अस्तित्व की लड़ाई

ललित गर्ग

आज देशभर में अरावली के संरक्षण को लेकर आंदोलन हो रहे हैं। ये आंदोलन इस बात का संकेत हैं कि समाज अब खामोश नहीं रहना चाहता। नागरिकों, पर्यावरणविदों, न्यायपालिका और नीति-निर्माताओं के बीच संवाद आवश्यक है। यह समय भावनात्मक नारों से आगे बढ़कर ठोस नीतिगत निर्णय लेने का है-खनन पर पूर्ण प्रतिबंध, पुनर्वनीकरण, जल संरक्षण परियोजनाएं और स्थानीय समुदायों की भागीदारी। बीज अगर आज प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्यार का बोए जाएंगे, तो कल स्वच्छ हवा, पर्याप्त जल और सुरक्षित भविष्य का फल मिलेगा। अरावली बचेगी तो भारत खुशहाल रहेगा, यह केवल कविता की पंक्ति नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक सत्य है।

अरावली पर्वत शृंखला की नई परिभाषा को लेकर उठा विवाद अब जन-आन्दोलन का रूप ले रहा है। इसी के अन्तर्गत अरावली बचाओ की चिन्ता-यह केवल भावनात्मक आह्वान नहीं, बल्कि भारत के पर्यावरणीय भविष्य की जीवनरेखा है। गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली अरावली पर्वतमाला पृथ्वी की प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह पर्वत केवल पत्थरों का ढेर नहीं, बल्कि जल, जंगल, जैव-विविधता, जलवायु संतुलन और मानव जीवन के लिए एक प्राकृतिक कवच है। आज जब खनन, शहरीकरण और विकास की आड़ में इस पर्वतमाला को टुकड़ों में बांटने की कोशिशें हो रही हैं, तब यह प्रश्न केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि मनुष्य जाति के अस्तित्व का बन गया है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि अरावली को लेकर सरकारों की चिन्ता व्यर्थ न जाये, कोई सकारात्मक रंग लाए। पहाड़ी इलाकों के खनन, उपेक्षा एवं लोभवृत्ति पर विचार करना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकारों की उपेक्षा की वजह से अरावली के बड़े हिस्से का खनन ही नहीं हुआ, आमजन एवं प्रकृति-पर्यावरण रक्षा का वह कवच ध्वस्त भी हुआ है।

अरावली की आयु भूगर्भीय दृष्टि से करोड़ों वर्षों में आंकी जाती है। वह हिमालय से भी पुरानी है। यही कारण है कि अरावली का स्वरूप अपेक्षाकृत निचला और क्षरित दिखाई देता है, किंतु इसका महत्व कहीं अधिक गहरा है। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली के बड़े हिस्सों में वर्षा जल का संचयन, भूजल रिचार्ज और मरुस्थलीकरण पर नियंत्रण अरावली के कारण ही संभव है। थार मरुस्थल को पूर्व की ओर बढ़ने से रोकने में अरावली की भूमिका किसी अदृश्य दीवार की तरह है। आज के समय में पर्यावरणीय संकट बहुआयामी हो चुका है-जल संकट, वायु प्रदूषण, जैव-विविधता का क्षय, जलवायु परिवर्तन और अनियंत्रित शहरी विस्तार। इन सभी चुनौतियों का एक साझा समाधान अरावली जैसी प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण है। दुर्भाग्यवश, खनन और निर्माण गतिविधियों ने इस पर्वतमाला को गहरे घाव दिए हैं। पत्थर, संगमरमर और अन्य खनिजों के लिए की जा रही अंधाधुंध खुदाई ने न केवल पहाड़ों को खोखला किया है, बल्कि आसपास के गांवों, नदियों और जंगलों को भी संकट में डाल दिया है। लगातार संकट से घिर रही अरावली को बचाने के लिये एक याचिका 1985 से न्यायालय में विचाराधीन है। हालांकि इस याचिका का ही नतीजा है कि अरावली का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा संरक्षित श्रेणी में आता है। वैसे अब समय आ गया है कि अरावली को पूरी तरह से खनन-मुक्त रखने का फैसला किया जाये। अब भी खनन जारी रहा तो उससे होने वाले लाभ से कई गुणा ज्यादा कीमत हमें पर्यावरण के मोर्चे पर चुकानी पडेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अरावली के संरक्षण को लेकर गंभीर टिप्पणियां की हैं। न्यायालय का दृष्टिकोण स्पष्ट रहा है कि पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर रोक लगनी चाहिए और विकास के नाम पर प्रकृति के विनाश को वैधता नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद, विभिन्न स्तरों पर नियमों की व्याख्या और पुनर्व्याख्या के जरिए खनन को अनुमति देने के प्रयास होते रहे हैं। विशेष रूप से '100 मीटर ऊंचाई' जैसे मानदंडों के आधार पर पर्वतों को परिभाषित करना और उससे नीचे की संरचनाओं को खनन योग्य मानना एक खतरनाक प्रवृत्ति है। यह तर्क न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से कमजोर है, बल्कि पर्यावरणीय समझ के भी विपरीत है। खनन की वजह से अरावली की छलनी हो चुकी है।

पर्वत केवल ऊंचाई से नहीं पहचाने जाते, बल्कि उनके भूगर्भीय ढांचे, जलधारण क्षमता और पारिस्थितिकी तंत्र से उनकी पहचान होती है। 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले पहाड़ भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने ऊंचे पर्वत। यदि इस तर्क को स्वीकार कर लिया जाए, तो धीरे-धीरे पूरी अरावली को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाप्त किया जा सकता है। यह दृष्टिकोण अल्पकालिक आर्थिक लाभ को दीर्घकालिक पर्यावरणीय सुरक्षा से ऊपर रखता है। राजस्थान सरकार की कुछ पहलें संरक्षण की दिशा में सराहनीय कही जा सकती हैं, जैसे वन क्षेत्रों की अधिसूचना, अवैध खनन पर कार्रवाई और पर्यावरणीय स्वीकृतियों की सख्ती। किंतु इन प्रयासों के समानांतर ऐसी नीतिगत ढील भी दिखाई देती है, जो खनन और रियल एस्टेट गतिविधियों को बढ़ावा देती है। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर यह तर्क दिया जाता है कि नियंत्रित खनन से विकास संभव है। परंतु अनुभव बताता है कि 'नियंत्रित' शब्द व्यवहार में अक्सर अर्थहीन हो जाता है। भले ही वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव स्पष्टीकरण दे रहे हैं कि सिर्फ 277 वर्ग किमी में ही खनन की अनुमति है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि नई परिभाषा से खनन बढ़ेगा नहीं, बल्कि अवैध खनन रुकेगा।

विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना एक पुरानी भूल है। सच्चा विकास वही है जो प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठाकर हो। अरावली का संरक्षण विकास विरोधी कदम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक विकास की शर्त है। जिन क्षेत्रों में अरावली को नुकसान पहुंचा है, वहां जल स्तर गिरा है, तापमान बढ़ा है और जैव-विविधता घट गई है। दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा और जल संकट में अरावली के क्षरण की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अरावली में वन्यजीव लगभग खत्म होने को है। खनन के विकल्प पर विचार करना होगा। खनन मुख्यत पत्थर के लिये होता है और पत्थरों से सुन्दर घर बनाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है, इस परम्परा पर नये सिरे से चिन्तन करने की अपेक्षा है। घर या इमारत बनाने के दूसरे संसाधन पर सोचना होगा। जिनसे मकान तो बहुत बन जायेंगे, पर कटने वाले पहाड़ फिर कभी खड़े नहीं होंगे। पर्यावरण एवं प्रकृति रक्षक ये पहाड़ कहां से लायेंगे? सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली के साथ-ही-साथ उत्तराखण्ड में भी जंगलों में हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ चिन्ता का इजहार किया है। लेकिन अदालतों के साथ सरकारों को भी पर्यावरण, प्रकृति, पहाड़, पहाड़ी जंगलों एवं वन्यजीवों पर कड़ा रुख अपनाना होगा और इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता में रखना होगा।

तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो विश्व के अनेक देशों ने अपनी प्राचीन पर्वतमालाओं और प्राकृतिक संरचनाओं को राष्ट्रीय धरोहर के रूप में संरक्षित किया है। यूरोप में आल्प्स, अमेरिका में रॉकी पर्वत और चीन में पीली नदी के बेसिन क्षेत्र इसके उदाहरण हैं। इन क्षेत्रों में खनन और निर्माण पर कठोर नियंत्रण है, क्योंकि वहां यह समझ विकसित हो चुकी है कि प्रकृति की कीमत पर आर्थिक समृद्धि टिकाऊ नहीं होती। भारत में भी इस सोच को अपनाने की आवश्यकता है। अरावली केवल जल का स्रोत नहीं है; यह जैव-विविधता का आश्रय है। यहां पाए जाने वाले वनस्पति और जीव-जंतु पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जंगलों की कटाई और पहाड़ों की खुदाई से वन्यजीवों का आवास नष्ट होता है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ता है। यह समस्या केवल पर्यावरणीय नहीं, सामाजिक भी है।

आज देशभर में अरावली के संरक्षण को लेकर आंदोलन हो रहे हैं। ये आंदोलन इस बात का संकेत हैं कि समाज अब खामोश नहीं रहना चाहता। नागरिकों, पर्यावरणविदों, न्यायपालिका और नीति-निर्माताओं के बीच संवाद आवश्यक है। यह समय भावनात्मक नारों से आगे बढ़कर ठोस नीतिगत निर्णय लेने का है-खनन पर पूर्ण प्रतिबंध, पुनर्वनीकरण, जल संरक्षण परियोजनाएं और स्थानीय समुदायों की भागीदारी। बीज अगर आज प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्यार का बोए जाएंगे, तो कल स्वच्छ हवा, पर्याप्त जल और सुरक्षित भविष्य का फल मिलेगा। अरावली बचेगी तो भारत खुशहाल रहेगा, यह केवल कविता की पंक्ति नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक सत्य है। धरती मां की रक्षा करना हमारा अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। यदि आज हमने लालच को प्राथमिकता दी, तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी। अंततः, अरावली का सवाल केवल एक पर्वतमाला का नहीं, बल्कि उस सोच का है जो विकास को विनाश से अलग देखती है। इतिहास उन्हीं समाजों को याद रखता है, जिन्होंने प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर प्रगति की। आइए, हम भी वही इतिहास लिखें, जहां हर आवाज शोर बने और अरावली के साथ जीवन भी भरपूर सुनिश्चित हो।

संपादकीय

बीमा कंपनियां क्यों निवेश बढ़ाएंगी?

भारत में 2.8 प्रतिशत लोगों के पास जीवन बीमा और एक फीसदी लोगों के पास सामान्य बीमा पॉलिसी है। प्राइवेट स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी धारकों की संख्या पांच प्रतिशत से कम है। बाकी लोग पॉलिसी का बोझ उठाने में सक्षम नहीं है। बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर केंद्र ने हाल में अनेक ऐसे फैसले लिए हैं, जिनके जरिए संदेश भेजने की कोशिश हुई है कि नरेंद्र मोदी सरकार तीव्र गति से अगले चरण के आर्थिक सुधारों को लागू कर रही है। इस दिशा में जीएसटी दरों में हेरफेर और चार श्रम संहिताओं पर अमल के बाद अब बीमा क्षेत्र में उदारीकरण का बड़ा फैसला लिया गया है। कैबिनेट ने नए बीमा विधेयक को मंजूरी दी है, जिसके तहत इस क्षेत्र को 100 फीसदी विदेशी निवेश के लिए खोला जाएगा। साथ ही इस क्षेत्र में निवेश संबंधी अनेक प्रमुख शर्तों को आसान करने का निर्णय लिया गया है। आशा की गई है कि इससे बड़े पैमाने पर बाहरी निवेश आएगा, जिससे कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में लगातार हालिया गिरावट से उपजी समस्या से राहत मिलेगी। लेकिन क्या सचमुच ऐसा होगा? अगर पिछले अनुभव पर ध्यान दें, तो इसकी संभावना कम लगती है। 2021 में केंद्र ने बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा बढ़ा कर 49 से 74 फीसदी की थी। मगर उससे फैसले से विदेशी बीमा कंपनियां भारत की ओर आकर्षित नहीं हुईं। ना ही भारतीय कंपनियों के साथ साझा उद्यम में उनके निवेश में कोई ठोस बढ़ोतरी हुई। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक जब से बीमा क्षेत्र को विदेशी निवेश के लिए खोला गया, लगभग 82 हजार करोड़ रुपये का बाहरी निवेश आया है। लेकिन यह अधिकांशतः भारतीय कंपनियों के साथ साझा उद्यम में आया। मुमकिन है, ताजा फैसले से वैसे निवेश में कुछ बढ़ोतरी हो। मगर भारतीय बीमा बाजार के मूल ढांचे में किसी गुणात्मक परिवर्तन की संभावना कम ही है। इसका कारण इस बाजार का सीमित आकार है। भारत में 2.8 प्रतिशत लोगों को जीवन बीमा सुरक्षा हासिल है। सामान्य बीमा की पैठ तो महज एक फीसदी आबादी तक है। प्राइवेट स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी धारकों की संख्या भी पांच प्रतिशत से कम ही है। बाकी लोगों की जेब किसी तरह की बीमा पॉलिसी का बोझ उठाने में सक्षम नहीं है। जब तक वह सूरत नहीं बदलती, बीमा कंपनियां क्यों निवेश बढ़ाएंगी? यह स्थिति कैसे बदले, इसकी कोई दृष्टि सरकार ने सामने नहीं रखी है।

चिंतन-मनन

ईश्वर के दर्शन

सरस्वती चंद्र तीर्थयात्रा पर जा रहे थे। लंबे और कठिन सफर को देखते हुए साथ में बर्तन, भोजन और जरूरत का अन्य सामान भी था। रास्ते में एक गांव पार करते हुए वह वहां के एक वीरान मंदिर में रुक गए। पहले तो सोचा कि यहां कोई नहीं होगा पर मंदिर के अंदर गए तो देखा एक बीमार वृद्ध कराह रहे हैं। उनकी हालत देख लगता था कि उन्होंने काफी दिनों से कुछ खाया न हो। सरस्वती चंद्र को उन पर दया आ गई। उन्होंने कुछ समय वहीं रुककर उनकी सेवा करने का फैसला किया। उन्होंने अपने कपड़े उस वृद्ध सज्जन को पहना दिए। अपने सारे बर्तन मंदिर के उपयोग के लिए रख दिए। अपना भोजन भी उन्हें खिला दिया। फिर आसपास से फल और कुछ औषधियां ले आए।

खाली समय में सरस्वती चंद्र मंदिर की सफाई में लगे रहते। इस तरह मंदिर का कायाकल्प हो गया। इधर वृद्ध सज्जन धीरे-धीरे स्वस्थ होने लगे। कुछ दिनों के बाद सरस्वती चंद्र बिना तीर्थधाम गए ही घर वापस आ गए। घर वालों ने इस तरह आने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि रास्ते में ही उन्हें ईश्वर के दर्शन हो गए। इसलिए आगे जाने की उन्होंने कोई आवश्यकता ही नहीं समझी और लौट आए। इधर मंदिर के पुनरोद्धार हो जाने से लोग वहां फिर से आने-जाने लगे। इस तरह सूने पड़े मंदिर में रौनक लौट आई। वहां वह वृद्ध सज्जन हर किसी को यह बताते थे कि एक दिन यहां ईश्वर आए थे। उन्होंने ही इस मंदिर को तीर्थ बनाया और मुझे जीवन-दान दिया।

त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक गुरु गोबिंद सिंह

योगेश कुमार गोयल

सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व इस वर्ष 27 दिसंबर को मनाया जा रहा है। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 1667 ई. में पौष माह की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को 1723 विक्रम संवत को पटना साहिब में हुआ था। प्रतिवर्ष इसी दिन गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाशोत्सव मनाया जाता है। गुरु गोबिंद सिंह जी को बचपन में गोबिंद राय के नाम से जाना जाता था। उनके पिता गुरु तेग बहादुर सिखों के 9वें गुरु थे। पटना में रहते हुए गुरु जी तीर-कमान चलाना, बनावटी युद्ध करना इत्यादि खेल खेला करते थे, जिस कारण बच्चे उन्हें अपना सरदार मानने लगे थे। पटना में वे केवल 6 वर्ष की आयु तक ही रहे और सन् 1673 में सपरिवार आनंदपुर साहिब आ गए। यहीं पर उन्होंने पंजाबी, हिन्दी, संस्कृत, बृज, फारसी भाषाएं सीखने के साथ घुड़सवारी, तीरंदाजी, नेजेबाजी इत्यादि युद्धकलाओं में भी महारत हासिल की। कश्मीरी पंडितों के धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए उनके पिता और सिखों के 9वें गुरु तेग बहादुर जी द्वारा नवम्बर 1975 में दिल्ली के चांदनी चौक में शीश कटाकर शहादत दिए जाने के बाद मात्र 9 वर्ष की आयु में ही गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिखों के 10वें गुरु पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली और खालसा पंथ के संस्थापक बने।

शौर्य, साहस, त्याग और बलिदान के सच्चे प्रतीक तथा इतिहास को नई धारा देने वाले अद्वितीय, विलक्षण और अनुपम व्यक्तित्व के स्वामी गुरु गोबिंद सिंह जी को इतिहास में एक विलक्षण क्रांतिकारी संत व्यक्तित्व का दर्जा प्राप्त है। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति को न किसी से डरना चाहिए और न ही दूसरों को डराना चाहिए। उन्होंने समाज में फैले भेदभाव को समाप्त कर समानता स्थापित की थी और लोगों में आत्मसम्मान तथा निडर रहने की भावना पैदा की। एक आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ वे एक निर्भयी योद्धा, कवि, दार्शनिक और उच्च कोटि के लेखक भी थे। उन्हें विद्वानों का संरक्षक भी माना जाता था। दरअसल कहा जाता है कि 52 कवियों और लेखकों की उपस्थिति सदैव उनके दरबार में बनी रहती थी और इसीलिए उन्हें 'संत सिपाही' भी कहा जाता था। उन्होंने स्वयं कई ग्रंथों की रचना की थी।

'विचित्र नाटक' को गुरु गोबिंद सिंह की आत्मकथा माना जाता है, जो उनके जीवन के विषय में जानकारी का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है। यह 'दशम ग्रंथ' का एक भाग है, जो गुरु गोबिंद सिंह की कृतियों के संकलन का नाम है। इस दशम ग्रंथ की रचना गुरु जी ने हिमाचल के पौंटा साहिब में की थी। कहा जाता है कि एक बार गुरु गोबिंद सिंह अपने घोड़े पर सवार होकर हिमाचल प्रदेश से गुजर रहे थे और एक स्थान पर उनका घोड़ा अपने आप आकर रुक गया। उसी के बाद से उस जगह को पवित्र माना जाने लगा और उस जगह को पौंटा साहिब के नाम से जाना जाने लगा। दरअसल "पौंटा" शब्द का अर्थ होता है 'पांव' और जिस जगह पर घोड़े के पांव अपने आप थम गए, उसी जगह को पौंटा साहिब नाम दिया गया। गुरु जी ने अपने जीवन के चार वर्ष पौंटा साहिब में ही बिताए, जहां अभी भी उनके हथियार और कलम रखे हैं।

1699 में बैसाखी के दिन तख्त श्री केसगढ़ साहिब में कड़ी परीक्षा के बाद पांच सिखों को 'पंज प्यारे' चुनकर गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी, जिसके बाद प्रत्येक सिख के लिए कृपाण या श्रीसाहिब धारण करना अनिवार्य कर दिया गया। वहीं पर उन्होंने 'खालसा वाणी' भी दी, जिसे 'वाहे गुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह' कहा जाता है। उन्होंने जीवन जीने के पांच सिद्धांत दिए थे, जिन्हें 'पंच ककार' (केश, कड़ा, कृपाण, कंघा और कच्छा) कहा जाता है। गुरु गोबिंद सिंह ने ही 'गुरु ग्रंथ साहिब' को सिखों के स्थायी गुरु का दर्जा दिया था। सन 1708 में गुरु गोबिंद सिंह ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिविर लगाया था। वहां जब उन्हें लगा कि अब उनका अंतिम समय आ गया है, तब उन्होंने संगतों को आदेश दिया कि अब गुरु ग्रंथ साहिब ही आपके गुरु हैं। गुरु जी का जीवन दर्शन था कि धर्म का मार्ग ही सत्य का मार्ग है और सत्य की हमेशा जीत होती है। वे कहा करते थे कि मनुष्य का मनुष्य से प्रेम ही ईश्वर की भक्ति है, अतः जरूरतमंदों की मदद करो। अपने उपदेशों में उनका कहना था कि ईश्वर ने मनुष्यों को इसलिए जन्म दिया है ताकि वे संसार में अच्छे कर्म करें और बुराई से दूर रहें।

उन्होंने कई बार मुगलों को परास्त किया। आनंदपुर साहिब में तो मुगलों से उनके संघर्ष और उनकी वीरता का स्वर्णिम इतिहास बिखरा पड़ा है। सन 1700 में दस हजार से भी ज्यादा मुगल सैनिकों को सिख जांबाजों के सामने मैदान छोड़कर भागना पड़ा था और गुरु जी की सेना ने 1704 में मुगलों के अलावा उनका साथ दे रहे पहाड़ी हिन्दू शासकों को भी करारी शिकस्त दी थी। मुगल शासक औरंगजेब की भारी-भरकम सेना को भी आनंदपुर साहिब में दो-दो बार धूल चाटनी पड़ी थी। गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्र अजीत सिंह, फतेह सिंह, जोरावर सिंह और जुझार सिंह भी उन्हीं की भांति बेहद निडर और बहादुर योद्धा थे। अपने धर्म की रक्षा के लिए, मुगलों से लड़ते हुए गुरु गोबिंद सिंह ने अपने पूरे परिवार का बलिदान कर दिया था। उनके दो पुत्रों बाबा अजीत सिंह और बाबा जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में शहादत प्राप्त की थी। 26 दिसम्बर 1704 को गुरु गोबिंद सिंह के दो अन्य साहिबजादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को इस्लाम धर्म स्वीकार नहीं करने पर सरहिंद के नवाब द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था और माता गुजरी को किले की दीवार से गिराकर शहीद कर दिया गया था। गुरु गोबिंद सिंह ने 7 अक्टूबर 1708 को महाराष्ट्र के नांदेड़ में स्थित श्री हुजूर साहिब में अपने प्राणों का त्याग किया था।

पूरी दुनिया गांधी की कायल, पर हम नाम मिटाने में मशगूल

दिलीप कुमार पाठक

मनरेगा से गांधी जी के नाम को हटाना केवल और केवल घटिया राजनीति का नमूना है, ये देश दुनिया के लिए हैरान करने वाला है ' क्या गांधी का नाम इतना भारी था कि उसे हटाना पड़ा? आज संपूर्ण विश्व न केवल महात्मा गांधी को नमन करता है, बल्कि उनके सिद्धांतों को जीवन के आधार स्तंभ के रूप में स्वीकार करता है। वे मात्र एक ऐतिहासिक पुरुष नहीं, बल्कि एक शाश्वत वैश्विक आइकन हैं, जिनके विचार समय की सीमाओं को लांघकर हर युग में प्रासंगिक बने हुए हैं।

विश्व के महानतम विभूतियों की श्रेणी में गांधी जी का नाम सर्वोच्च सम्मान के साथ अंकित है। उनके विचार आज भी मानवता के लिए एक मशाल की तरह हैं, जो घृणा और हिंसा के अंधकार में शांति, सत्य और अहिंसा का मार्ग प्रशस्त करते हैं। गांधी जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक विश्व-पथप्रदर्शक हैं। अपनी अडिग विचारधारा और नैतिक बल के कारण वे सीमाओं से परे, विश्व के करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करते हैं। उनकी विरासत आज भी एक बेहतर और न्यायपूर्ण दुनिया के निर्माण की प्रेरणा देती है। गांधी जी कितने महान हैं इस बात से समझा जा सकता है कि जब भारत में जी - 20 समिट हुआ तब दुनिया के शीर्ष नेताओं ने नंगे पैर जाकर गांधी जी के समाधि स्थल राजघाट पर श्रद्धांजलि अर्पित की थी, आज भी जब दुनिया का कोई शीर्षस्थ इंसान आता है तो वो सबसे पहले गांधी जी को प्रणाम करने आता है, क्योंकि हमारे देश में गांधी जी से ज्यादा सुन्दर, विराट, अतुलनीय विरासत कुछ और नहीं है ' महात्मा गांधी की वैचारिक आभा आज संपूर्ण विश्व में दैदीप्यमान है। वर्तमान में दुनिया के 100 से अधिक देशों में उनकी प्रतिमाएं स्थापित हैं, जो इस बात का प्रमाण हैं कि वे आधुनिक इतिहास की उन विरलतम हस्तियों में शुमार हैं जिनकी स्मृतियों को विदेशों ने सर्वाधिक सम्मान के साथ संजोया है। 2025 तक के नवीनतम आंकड़ों और सूचना के अधिकार (आरटीआई) के अनुसार, विश्व के कम से कम 102 राष्ट्रों में बापू की मूर्तियां और स्मारक श्रद्धा का केंद्र बने हुए हैं। इनमें से 82 देशों में उनकी भव्य पूर्ण आकार की प्रतिमाएं राष्ट्रपिता के कद की वैश्विक स्वीकृति को दर्शाती हैं। अमेरिका वह राष्ट्र है जहाँ भारत के बाहर गांधी जी के सर्वाधिक स्मारक स्थित हैं। इसके अतिरिक्त ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी, रूस, चीन, स्विट्जरलैंड और अर्जेंटीना जैसे शक्तिशाली देशों के प्रमुख नगरों में उनकी प्रतिमाएं शांति और सद्भाव का संदेश दे रही हैं। गांधी जी का सम्मान केवल मूर्तियों तक सीमित नहीं है; विश्व के 150 के करीब देशों ने उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किए हैं और अनगिनत सड़कों व शैक्षणिक संस्थानों का नामकरण उनके नाम पर किया गया है। लंदन का पार्लियामेंट स्क्वायर, न्यूयॉर्क का यूनियन स्क्वायर और जोहान्सबर्ग की गलियां आज भी उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों की गवाह हैं। आज समूचा विश्व बापू के जीवन दर्शन का अध्ययन कर रहा है। यह भारतवर्ष का परम सौभाग्य और गौरव है कि ऐसे महामानव हमारे पूर्वज रहे हैं, जिन्होंने न केवल भारत को स्वतंत्र कराया, बल्कि पूरी मानवता को जीने की एक नवीन दृष्टि प्रदान की।

पूरी दुनिया जब हमारे पूर्वज गांधी जी को पूज रही है यहां तक कि यूरोप, अमेरिका में गांधी जी को ईसा मसीह की तरह माना जाता है, लेकिन हम कितने कृतघ्न हैं कि हम आज गांधी जी के नाम को योजनाओं से हटा रहे हैं! दुनिया जब इस बात को जानेगी तो हम पर हँसेगी कि इससे कृतघ्न क्या कोई समाज हो सकता है, जिसको रोज वंदना होना चाहिए, उनके प्रति हम असम्मान जाहिर करें? मोदी सरकार को ध्यान रखना चाहिए कि नाम बदलने से नहीं, गांधी के सिद्धांतों पर चलने से होगा विकसित भारत।

ये बात मैं इसलिए भी कर रहा हूं क्योंकि मोदी सरकार ने मनरेगा यानि गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम से गांधी जी का नाम हटा दिया है, जो सुनकर ही मन कचोट कर रह गया ' नए अधिनियम (VB-G RAM G Act, 2025) के तहत योजना के नाम से महात्मा गांधी हटा दिया गया है। पहले इसकी फंडिंग केंद्र सरकार करती थी, लेकिन अब केंद्र और राज्य की फंडिंग का अनुपात बदल गया है। पहले केंद्र सरकार 90% खर्च उठाती थी, लेकिन अब यह 60% (केंद्र) और 40% (राज्य) कर दिया गया है। अगर राज्यों के पास बजट न हुआ और राज्य सरकारों ने इसे लागू करने से इंकार किया तो सरकार के पास इसका कोई समाधान है? लगता है जैसे मोदी सरकार कोई भी काम सनसनी फैलाने के लिए ही कर रही है क्योंकि निर्णयों में कोई दूरदर्शिता नहीं है, चूंकि कई बार मोदी सरकार ने आलोचनाओं या खुद भी मूल्यांकन के बाद कई बार अपने नियमों, कानूनों को खुद ही बदला है ' परंतु इस बार देश के महान राष्ट्रपिता का नाम देश की सबसे बड़ी जनकल्याण योजना से उनका नाम हटाना घटिया राजनीतिक कुचक्र को दर्शाता है '

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

सलमान खान के साथ नजर आए एमएस धोनी और एपी ढिल्लो

बॉलीवुड, क्रिकेट और म्यूजिक- तीनों दुनियाओं के दिग्गज जब एक ही फ्रेम में नजर आ जाएं, तो फैंस का एक्साइटेड होना लाजमी है। कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जब हाल ही में एक थ्रोबैक तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई, जिसमें सलमान खान, महेंद्र सिंह धोनी और मशहूर सिंगर एपी ढिल्लों एक साथ नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर सलमान खान के पनवेल फार्महाउस की है और इसे उनके जीजा अतुल अग्निहोत्री ने शेयर किया है। सलमान, धोनी और एपी की थ्रोबैक तस्वीर यह खास तस्वीर सलमान खान के 60वें जन्मदिन से पहले शेयर की गई, जिसने फैंस के बीच जबरदस्त हलचल मचा दी। फोटो में तीनों सितारे पूरी तरह कीचड़ से सने हुए दिखाई दे रहे हैं, लेकिन उनके चेहरे पर मुस्कान और बॉन्डिंग साफ झलक रही है। बताया जा रहा है कि यह तस्वीर एक ऑल-टैरेन व्हीकल (ATV) राइड के बाद की है, जिसमें तीनों ने फार्महाउस में जमकर मस्ती करने के बाद एक साथ पोज दिया। तस्वीर में सलमान खान दाईं ओर खड़े नजर आते हैं, जबकि बाईं ओर भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में शुमार एमएस धोनी दिखाई देते हैं। बीच में पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री के सुपरस्टार एपी ढिल्लों हैं। सलमान के कई दोस्त अब तक आ चुके नजर पनवेल स्थित सलमान खान का फार्महाउस लंबे समय से उनके करीबी दोस्तों और परिवार के लिए सुकून भरी जगह रहा है। यहां अक्सर निजी गेट-टुगेदर, बर्थडे सेलिब्रेशन और दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने की तस्वीरें सामने आती रहती हैं। हालांकि, इस बार की खासियत यह रही कि इस फ्रेम में सिनेमा, खेल और म्यूजिक- तीनों फील्ड के बड़े नाम एक साथ नजर आए। फैंस ने तस्वीर पर लुटाया प्यार अतुल अग्निहोत्री द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर की गई इस तस्वीर पर फैंस ने जमकर प्यार लुटाया। कई यूजर्स ने इन तीनों दिग्गजों को देखने के बाद कमेंट्स किए। एक यूजर ने लिखा, 'सलमान खान और एमएस धोनी एक साथ- ये फ्रेम ही इतिहास है।' वहीं दूसरे फैन ने कहा, 'कीचड़ में भी भाईजान, माही और एपी ढिल्लों सुपरस्टार ही लग रहे हैं।'

'मिजार्पुरः द फिल्म' की शूटिंग जोरों पर, अली फजल ने राजस्थान को कहा 'दिल से शुक्रिया'

लोकप्रिय वेब सीरीज 'मिजार्पुर' ने पहले सीजन से ही दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। यही वजह है कि दर्शकों ने इसके सारे सीजन को दिल से प्यार दिया है। जल्द ही 'मिजार्पुरः द फिल्म' दर्शकों के सामने दस्तक देगी। इसकी शूटिंग राजस्थान में चल रही है। अभिनेता अली फजल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे अपने किरदार गुड्डू भैया के किरदार में चलते नजर आ रहे हैं। पोस्ट कर उन्होंने लिखा, '''मिजार्पुरः द फिल्म' की शूटिंग इस समय जारी है और राजस्थान का शेड्यूल चल रहा है। खास तौर पर जैसलमेर और जोधपुर के लोगों का दिल से धन्यवाद। आपने हमें बहुत प्यार और अपनापन दिया। साथ ही परिवार जैसा समझा।'' उन्होंने आगे लिखा, ''उन सभी होटलों का भी धन्यवाद जिन्होंने हमें घर जैसा महसूस कराया जब हम अपने घर से दूर मेहनत कर रहे थे। खम्मा घणी।'' पोस्ट देखकर फैंस के मन में उत्साह की लहर दौड़ गई। वे अब इस प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि इस सीरीज के पहले सीजन ने फैंस को दीवाना बना दिया था। कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी), गुड्डू पंडित (अली फजल) और मुन्ना त्रिपाठी (दिव्येंदु) जैसे किरदारों ने फैंस के दिलों में खास पहचान बनाई थी, जो आज भी उस तरह बरकरार है। बताया जा रहा है कि 'मिजार्पुर' फिल्म में दमदार एक्शन और गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों का संसार दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। वेब सीरीज 'मिजार्पुर' का पहला सीजन 16 नवंबर, 2018 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। सीरीज की दीवानगी को देखते हुए मेकर्स ने इसका दूसरा सीजन 23 अक्टूबर, 2020 को स्ट्रीम किया था और 5 जुलाई, 2024 को अमेजन प्राइम वीडियो पर इसका तीसरा पार्ट रिलीज किया गया था।

'धुरंधर' में अपने भयानक किरदार को लेकर क्या सोचते हैं अर्जुन रामपाल? खुद किया बड़ा खुलासा

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। यह इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो चुकी है। रणवीर सिंह की अदाकारी वाली इस फिल्म में अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन जैसे दमदार कलाकार नजर आ रहे हैं। अपनी मजबूत कहानी, जबरदस्त अभिनय और बेहतरीन म्यूजिक की वजह से इसे पूरे देश में दर्शकों का प्यार मिल रहा है।'धुरंधर' में अर्जुन रामपाल की भूमिका फिल्म में अर्जुन रामपाल ने मेजर इकबाल का किरदार निभाया है, जो एक निर्दयी आईएसआई मास्टरमाइंड है। उनके इस रोल को लेकर काफी तारीफ हो रही है। इंडिया इंडिया से बातचीत में अर्जुन रामपाल ने बताया कि इस तरह का किरदार निभाना उनके लिए भावनात्मक रूप से काफी मुश्किल था। वह शूटिंग खत्म होते ही इस रोल से बाहर आना चाहते थे। किरदार से बाहर आना चाहते थे अर्जुन रामपाल अर्जुन रामपाल ने कहा 'मैं इस किरदार से जितनी जल्दी हो सके बाहर निकलना चाहता था। यह फिल्म करना इसलिए भी जरूरी था क्योंकि यह एक अहम कहानी पर बनी है। किसी घटना को बाहर से देखना अलग बात है, लेकिन पर्दे के पीछे क्या हुआ, उसे दिखाना ज्यादा रोमांचक होता है। शूटिंग के दौरान मुझे बहुत बुरा लगता था क्योंकि मैं अपने देश से बहुत प्यार करता हूं, लेकिन यही एक अभिनेता का काम होता है और उसे उस किरदार में पूरी तरह ढालना पड़ता है।' अगले साल रिलीज होगा सीक्वल 'धुरंधर' में भारत के स्पेशल एजेंट्स की बहादुरी दिखाई गई है। रणवीर सिंह इसमें एक निडर अंडरकवर जासूस की भूमिका में नजर आ रहे हैं। 5 दिसंबर 2025 को रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक 589 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। इस फिल्म का सीक्वल मार्च 2026 में रिलीज होगा।

छह साल बाद टीवी पर लौटीं निया शर्मा

निया शर्मा, पूरे 6 साल बाद जी टीवी पर वापसी कर रही हैं। और यह वापसी निया शर्मा जी टीवी साल 2026 का स्वागत 'जी रिश्तों का मेला' न्यू ईयर स्पेशल के साथ कर रही हैं। अपने अनुभव को साझा करते हुए, निया ने कहा, 'जी टीवी पर वापस आना मेरे लिए बहुत खास है। जब मैंने 'जमाई राजा' के साथ जी जॉइन किया था, तब मैं सिर्फ 23 साल की थी। आज 13 14 साल बाद ऐसा लग रहा है जैसे जिंदगी एक पूरा चक्कर लगाकर वापस उसी जगह आ गई हो। लोग आज भी मुझे रोशनी के नाम से जानते हैं और यही बताता है कि इस शो और इस चैनल ने मुझे कितना कुछ दिया है।' निया ने यह भी बताया कि जिस तरह से उनका स्वागत किया गया, उसने उन्हें हैरान कर दिया। जी परिवार के एक अपने सदस्य की तरह उन्हें अपनाया गया और पूरे कलाकारों के साथ करीब सात मिनट की लंबी परफॉर्मेंस करना, यह सब उनके लिए बेहद खास रहा। निया ने आगे कहा,'किसी भी इंसान के लिए सम्मान सबसे जरूरी होता है और जी ने मुझे वही एहसास दिया। बिल्कुल परिवार जैसा। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतने सालों बाद भी मुझे इतना प्यार मिलेगा। इन शोज ने हमें हमारी पहचान दी है और इतनी कम उम्र में मुझ पर भरोसा करने के लिए मैं हमेशा जी की आभारी रहूंगी।' 'जी रिश्तों का मेला' न्यू ईयर स्पेशल में निया सिर्फ एक परफॉर्मेंस तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि वो जी परिवार के साथ मिलकर एक बड़े म्यूजिकल सेलिब्रेशन का हिस्सा बनेंगी। यह शाम जी टीवी के पुराने फेस्टिव जश्नों की याद दिलाएगी। निया ने बताया कि इस खास शाम में मस्ती भरी परफॉर्मेंस, पुराने चेहरों की मुलाकात, हंसी मजाक और कई ऐसे पल होंगे, जो दर्शकों को लंबे समय तक याद रहेंगे।

नया साल-नई शुरुआत, एक्टर्स ने अपने 2026 के संकल्प बताए

कलर्स के 'मन्नत हर खुशी पाने की' की आयशा सिंह ने बताया, 'जैसे कि हम 2025 को अलविदा कह रहे हैं, शुक्रगुजार होने के लिए बहुत कुछ है। मुझे लगता है कि हम सभी को अपने लिए समय देना चाहिए और अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर ध्यान देना चाहिए। उम्मीद है कि 2026 में हम जिंदगी की छोटी-छोटी खुशियों को अपनाएंगे और बड़ी पिक्चर पर भी फोकस रखेंगे। मैं सभी को नए साल की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देती हूं।कलर्स के 'मंगल लक्ष्मी' में मंगल का किरदार निभाने वाली दीपिका सिंह ने बताया, 'यह साल मेरी जिंदगी का एक असली टर्निंग पॉइंट जैसा लगता है, जिसमें ऐसे पल आए जिन्हें मैं हमेशा याद रखूंगी। जॉर्जिया में शूटिंग ने दर्शकों के लिए मंगल के किरदार को निभाने में एक नया आयाम जोड़ा। फराह खान मैम के साथ स्क्रीन शेयर करना एक और यादगार पल था; उनके साथ काम करने से मुझे अपने काम में नई सोच और प्रेरणा मिली। जैसे ही मैं नए साल में कदम रख रही हूं, मैं संतुष्टि और आत्मविश्वास के साथ ऐसा कर रही हूं, यह जानते हुए कि दर्शक और फैंस मेरे साथ हैं। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि 'मंगल लक्ष्मी' आगे कहां जाती है और दर्शक उसकी यात्रा को कैसे देखते रहते हैं। वर्तमान पल का आनंद लें, एक-दूसरे का ख्याल रखें, और परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताएं। माफ करें, भूल जाएं, और आगे बढ़ें - यही मेरा मंत्र है। सभी को खुशी, तरक्की और यादगार पलों से भरे साल की शुभकामनाएं।' कलर्स के 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' की ईशा सिंह कहती हैं, 'साल का अंत मेरे लिए हर मायने में कलरफुल रहा है। 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' और 'नागिन 7' का हिस्सा होने से यह पक्का हो गया है कि मैं साल का अंत शानदार तरीके से कर रही हूं। 'लाफ्टर शेफ्स' की शूटिंग मेरे हफ्ते का सबसे खास हिस्सा है। सेट पर एनर्जी बहुत जबरदस्त होती है - पूरी टीम इतना जोश लाती है कि हर शूट पर हंसी की थेरेपी जैसा लगता है। जो बात मुझे सबसे ज्यादा हैरान करती है, वह यह है कि मैं खुद कुकिंग को कितना एन्जॉय कर रही हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं नए साल में डिशेज बनाते हुए, कुक-ऑफ का सामना करते हुए और इतने जोश के साथ चुनौती को अपनाते हुए आगे बढ़ूंगी। दर्शकों का प्यार बहुत ज्यादा और मोटिवेट करने वाला रहा है, और यह मुझे अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करता है। मैं 2026 के कुक-ऑफ में हिस्सा लेने और 'डिश-टेनमेंट' का अपना वर्जन पेश करने के लिए उत्साहित हूं। जैसे ही साल बदलेगा, मेरी उम्मीद है कि जिन लोगों का समय मुश्किल रहा है, उन्हें आने वाले दिनों में शांति, खुशी और एक नई शुरुआत मिले।'

'रिश्तों का मेला' को होस्ट करना मेरे लिए सच में बहुत खास था

जी रिश्तों का मेला एक बार फिर लौट आया है और इस बार जी कुटुंब 2026 का स्वागत बेहद भव्य और खास अंदाज में करने के लिए पूरी तरह तैयार है। न्यू ईयर स्पेशल में जी टीवी के वो किरदार एक साथ नजर आएंगे, जिन्हें दर्शक सालों से पसंद करते आए हैं। ये शाम मनोरंजन, अपनापन और ढेर सारी खुशियां लेकर आएगी। 31 दिसंबर को ऑन एयर होने वाला 'जी रिश्तों का मेला : न्यू ईयर स्पेशल' मस्ती, म्यूजिक और यादगार पलों से सजा एक शानदार सेलिब्रेशन साबित होगा।इस पूरे सेलिब्रेशन को और खास बनाती हैं श्रद्धा आर्या, जो इस न्यू ईयर स्पेशल को जय भानुशाली के साथ होस्ट करती नजर आएंगी। कुंडली भाग्य में प्रीता के अपने यादगार किरदार के लिए घर-घर में पहचानी जाने वाली श्रद्धा आज भी दर्शकों के दिलों में एक खास जगह रखती हैं।अपने अनुभव साझा करते हुए श्रद्धा आर्या कहती हैं, 'एक मां होने की जिम्मेदारी निभाने और शूटिंग के बीच बैलेंस बनाना मेरे लिए एक खूबसूरत सीख रहा है। कुछ दिन ऐसे होते हैं जब सब थोड़ा भारी लगने लगता है और सेट पर रहते हुए बच्चों की बहुत याद आती है। शूटिंग करते वक्त भी दिल का एक हिस्सा हमेशा उनके साथ रहता है। लेकिन जब लंबे दिन के बाद घर लौटती हूं और बच्चे मुझे कसकर गले लगाते हैं, तो सारी थकान पल भर में गायब हो जाती है। यही पल मुझे याद दिलाता है कि मैं दोनों दुनियाओं को साथ संभालने की कोशिश क्यों करती हूं। घर और सेट, दोनों जगह से मिलने वाला प्यार और सपोर्ट मेरे सफर को आसान बना देता है। जी टीवी की टीम के साथ शूट करना सच में काम को आसान बना देता है। वे मेरी जर्नी समझते हैं, मेरे वक्त की कद्र करते हैं और वही सुकून मेरी परफॉर्मेंस में भी झलकता है। जी रिश्तों का मेला 2025 को होस्ट करना और जी टीवी फैमिली के साथ न्यू ईयर का स्वागत करना मेरे लिए सच में बहुत खास था। ये बिल्कुल एक बड़े जश्न जैसा लगा, जहां यादें थीं, जोश था और ढेर सारा प्यार था। सबसे प्यारी बात ये है कि आज भी सेट पर लोग मुझे प्रीता ही बुलाते हैं। कई बार तो लगता है जैसे 'कुंडली भाग्य' अभी भी चल रहा है और मैं उसी की शूटिंग कर रही हूं। मुझे प्रीता होना बहुत पसंद है। इस किरदार ने मुझे जो प्यार, पहचान और अपनापन दिया है, वो मेरे लिए हमेशा अनमोल रहेगा।

यामी गौतम ने किए खुलासे, कहा- शादी का कोई फिल्मी प्रपोजल नहीं था

फिल्ममेकर आदित्य धर 'धुरंधर' की कामयाबी से खुश हैं। इसमें रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त और आर माधवन ने अहम किरदार निभाया है। हाल ही में आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम ने अपनी शादी के बारे में कई खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि कैसे उनका रिश्ता बिना किसी फिल्मी ड्रामे के बेहतर बना।'उरी' के सेट पर परवान चढ़ा रिश्ता ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे से बातचीत में यामी गौतम ने बताया कि उनका रिश्ता फिल्म 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के वक्त बेहतर हुआ। उन्होंने कहा 'ऐसा कोई फिल्मी प्रपोजल नहीं था कि वह कहें कि हम आपको प्रपोज करने जा रहे हैं। मुझे आदित्य धर की सादगी पसंद आई। मुझे बस ये पता था कि हम शादी करने जा रहे हैं। दोनों के परिवार हमें मिलाना चाहते थे और काफी खुश थे।' किस तरह की शादी चाहती थीं यामी? अभिनेत्री ने बताया 'मैं चाहती थी कि मेरी शादी इस तरह से हो कि कुछ परिवार के लोग हों। हर किसी का आशीर्वाद हो और हमारे आस-पास प्राकृतिक वातावरण हो। मैं चाहती थी कि जहां शादी हो वहां बैकग्राउंड में ऊंचे-ऊंचे देवदार के पेड़ हों, पहाड़ियां हों।' यामी ने किया खुद का मेकअप यामी गौतम ने बताया कि उन्होंने अपनी शादी को इतना आसान बनाया कि उन्होंने खुद का मेकअप किया। उन्होंने कहा 'मैंने अपना मेकअप खुद किया। मुझे लगा कि यह बहुत मुश्किल है, लेकिन यह काम आसान था। सुरीली ने मेरे बाल बनाए।' यामी ने की आदित्य धर की तारीफ आदित्य धर की तारीफ करते हुए यामी गौतम ने कहा 'वह ऐसे आदमी हैं जो आज के दौर में मिलना मुश्किल है। मैं जब 'आर्टिकल 370' का प्रमोशन कर रही थी, तब प्रेग्नेंट थी। उस वक्त आदित्य धर यह पक्का करना चाहते थे कि मैं कम्फर्टेबल रहूं। इसलिए उन्होंने मुझे एक तकिया दिया।' यामी गौतम ने आगे बताया कि जब वह 'उरी' के सेट पर जमीन पर बैठकर खाना खा रही थीं, तब उन्होंने अपनी डायरेक्टर की कुर्सी ऑफर की।

आजतक ऐसे अवतार में नजर नहीं आईं रश्मिका मंदाना

रश्मिका मंदाना ने अब तक अपनी मासूम मुस्कान, चुलबुले किरदारों और रोमांटिक भूमिकाओं से दर्शकों के दिल जीते हैं, लेकिन उनकी आने वाली पैन-इंडिया फिल्म 'मैसा' का टीजर यह साफ कर देता है कि अभिनेत्री अब अपने करियर के एक बिल्कुल नए और साहसी मोड़ पर कदम रख चुकी हैं। हाल ही में रिलीज हुए टीजर में रश्मिका का ऐसा रूप देखने को मिला है, जिसने फैंस और इंडस्ट्री दोनों को चौंका दिया है।टीजर में क्या कुछ आया नजर? टीजर की शुरुआत में ही आवाज सुनाई देती है जो बताती है कि ये कहानी एक ऐसी बेटी की है जो मौत के सामने झुकने से इनकार कर देती है। इसी भावनात्मक पृष्ठभूमि में रश्मिका का किरदार सामने आता है, जिसकी आंखों में गुस्सा, शरीर की भाषा में विद्रोह और चीख में वर्षों का दबा हुआ दर्द झलकता है। टीजर में रश्मिका मंदाना का यह रूप एक ऐसी महिला का है, जिसे हालात ने लड़ना सिखा दिया है। उनका उग्र लुक, मिट्टी से सना चेहरा और आक्रामक अंदाज इस ओर इशारा करता है कि 'मैसा' सिर्फ एक एक्शन फिल्म नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, प्रतिशोध और अस्तित्व की लड़ाई की कहानी है। रश्मिका मंदाना ने साझा किया टीजर सोशल मीडिया पर टीजर शेयर करते हुए रश्मिका ने खुद भी संकेत दिए कि दर्शकों ने अभी इस कहानी की सिर्फ झलक देखी है। उनका कहना था कि यह तो बस शुरुआत है और आने वाले महीनों में फिल्म की असली गहराई सामने आएगी। इससे साफ है कि मेकर्स इस प्रोजेक्ट को धीरे-धीरे परतें खोलते हुए दर्शकों तक ले जाना चाहते हैं। फिल्म मैसा का निर्देशन 'मैसा' का निर्देशन नवोदित निर्देशक रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं, जबकि इसे अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। यह फिल्म गोंड जनजाति की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वैभव सूर्यवंशी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को खेल में असाधारण प्रदर्शन के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। 14 साल के वैभव ने घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपीएल और अंडर-19 क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया है। वैभव ने जिस प्रकार से आक्रामक पारियां खेली है उससे उनकी तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से भी होने लगी है। प्रशंसकों का मानना है जिस प्रकार सचिन अपने कैरियर की शुरुआत में खेलते थे। वैसे ही वैभव भी खेल रहे हैं।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 5 से 18 साल के बच्चों को खेल, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान, समाज सेवा और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। इस साल कुल 20 बच्चों को इस सम्मान के लिए चुना गया था, जिनमें वैभव शामिल थे।

इस सप्ताह की शुरुआत में उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 84 गेंद में 190 रन बनाए, जिसमें 16 चौके और 15 छक्के शामिल थे। उन्होंने सिर्फ 36 गेंद में अपना शतक पूरा किया और लिस्ट ए क्रिकेट इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए।

वह सबसे उम्र में रणजी और आईपीएल खेलने वाले बल्लेबाज हैं। वैभव को पिछले साल सबसे कम उम्र में आईपीएल अनुबंध मिला था। तब उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ रुपए में खरीदा था। अपने पहले आईपीएल मैच से पहले इस क्रिकेटर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंडर 19 मैच में 58 गेंदों पर ही शतक लगा दिया था। वहीं साल 2024 में अंडर-19 एशिया कप में भी उन्होंने दो अर्धशतक के साथ ही 44 की औसत से 176 रन बनाए थे। वैभव ने

आईपीएल के पहले ही मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। तब उन्होंने 20 गेंदों में 34 रन बनाए थे। अपने पहले आईपीएल में केवल सात पारियों में 14 साल के इस खिलाड़ी ने 36.00 की औसत और 206 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शतक के साथ ही वह टी20 में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाला खिलाड़ी बन गये। तब उन्होंने केवल 35 गेंदों में ही 7 चौके और 11 छक्के लगाकर शतक बनाया था। वहीं इंडिया अंडर 19 टीम के इंग्लैंड दौरे में वैभव ने 78 गेंदों में 143 रन बनाए जिसमें 13 चौके और 10 छक्के शामिल थे। ये इस टूर्नामेंट में सबसे तेज शतक था।

विराट लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा औसत से रन बनाने वाले बल्लेबाज बने, बेवन का रिकार्ड तोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की ओर से खेल रहे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने दूसरे दिन गुजरात के खिलाफ 77 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर एक और रिकार्ड अपने नाम किया है। विराट अब लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा औसत से रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए है। उन्होंने इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के महकल बेवन का रिकार्ड तोड़ा है। विराट ने 57.87 की औसत से रन बनाये जबकि बेवन ने 57.86 की औसत से बनाये थे।

विराट ने पहले मैच में आंध्र प्रदेश के खिलाफ शतक लगाया था। वहीं इस बार उन्होंने 61 गेंदों में 77 रन बनाए की पारी खेली जिसमें 13 चौके और एक छक्का शामिल था। उन्होंने ये रहन 126 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बनाये। इस पारी के बाद लिस्ट ए क्रिकेट में उनका औसत अब सबसे ज्यादा 57.87 पहुंच गया है।

वहीं सबसे अधिक औसत के मामले में तीसरे नंबर पर इंग्लैंड के सैम हैन का औसत 57.76 है। वहीं भारत के चेतेश्वर पुजारा औसत के मामले में चौथे नंबर पर है। उनका औसत 57.01 जबकि भारत के ही रुतुराज गायकवाड़ का औसत 56.68 है।

विराट ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दौरान विराट तीन पारियों में 302 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज बने जिसमें उनका औसत 151.00 और स्ट्राइक रेट 117.05 था, जिसमें दो लगातार शतक और एक अर्धशतक शामिल था। दो बार शून्य पर आउट होने के बाद विराट ने अपनी अगली 6 पारियों में 146.00 के औसत से 584 रन बनाए।

रिंकू सिंह ने 11 चौकों और 4 छक्कों की मदद से लगाया शतक, टी20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल होते ही दिखाया दम

राजकोट (एजेंसी)। रिंकू सिंह ने विजय हजारे ट्रॉफी में शतक लगाकर साबित कर दिया कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारत की टीम में उनका चयन क्यों हुआ है। रिंकू ने शुक्रवार 26 दिसंबर को राजकोट में चंडीगढ़ के खिलाफ उत्तर प्रदेश के विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 मैच में फॉर्म में वापसी करते हुए 11 चौकों और 4 छक्कों की मदद से सिर्फ 56 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। हाल्हा टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम में शामिल होते ही उन्होंने अपना दम दिखाया और चयन को सही साबित किया।

उत्तर प्रदेश के कप्तान रिंकू ने अपनी टीम को आगे बढ़कर लीड किया और 60 गेंदों में 106* रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे उन्होंने चंडीगढ़ टीम से मैच पूरी तरह छीन लिया। यह रिंकू का दूसरा लिस्ट-ए शतक था। रिंकू की पारी में क्लीन हिटिंग और स्मार्ट शॉट सिलेक्शन देखने को मिला क्योंकि उन्होंने 11 चौके और चार छक्के लगाए। राजकोट में उनके रन 176.67 के शानदार स्ट्राइक रेट से आए।

मैच की बात करें तो अभिषेक गोस्वामी के सस्ते में आउट होने के बाद उत्तर प्रदेश शुरुआती मुश्किल में आ गया था। वहां से, आर्यन जुयाल और ध्रुव जुरेल ने मोर्चा संभाला और चंडीगढ़ के खिलाफ दूसरे विकेट के लिए 96 रनों की अच्छी साझेदारी करके पारी को संभाला। जुयाल ने 118 गेंदों में 7 चौकों और आठ छक्कों की मदद से शानदार 134 रन बनाए, जबकि स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज जुरेल ने 57 गेंदों में 11 चौकों की मदद से 67 रनों का योगदान दिया।

एशेज सीरीज में बॉक्सिंग-डे टेस्ट के पहले ही दिन गिरे 20 विकेट

– ऑस्ट्रेलिया को मिली 46 रनों की बढ़त

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से यहां शुरू हुए एशेज क्रिकेट सीरीज के बॉक्सिंग-डे टेस्ट मैच का पहला दिन गेंदबाजों के नाम रहा। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 152 रनों पर ही सिमट गयी। इसके बाद लगा कि इंग्लैंड के पास बड़ा स्कोर बनाने का अवसर था पर वह असफल रही और अपनी पहली पारी में 110 रनों पर ही आउट हो गयी। इस प्रकार मैच में एक ही दिन में कुल 20 विकेट गिरे। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने सबसे अधिक पांच विकेट लिए। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से माइकल नेसर ने चार विकेट लिये।

इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 4 रन बना लिए थे। स्कॉट बोलैंड 4 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि ट्रेविस हेड ने अपना खाता नहीं खोला था। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 42 रनों की बढ़त मिली थी। इस प्रकार दिन के अंत में उनकी बढ़त 46 पर पहुंच गयी।

इससे पहले आज सुबह इंग्लैंड ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। माइकल नेसर ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए, जबकि उस्मान ख्वाजा ने 29 और एलेक्स कैरी ने 20 रन बनाये। टीम के पांच बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने सबसे अधिक 5 विकेट लिए जबकि गस एटकिंसन को 2 विकेट मिले, ब्रायडन कार्स और कप्तान बेन स्टोक्स ने 1-1 विकेट लिया। पहली पारी में टीम 45.2 ओवर में ही 152 रन पर ढेर हो गई। कंगारू टीम का एक भी बल्लेबाज अर्धशतक नहीं जमा सका। इंग्लैंड की तरफ से टंग ने अपने टेस्ट करियर में पहली बार एक पारी में पांच विकेट लिए। उन्होंने जैक वेदराल्ड 10, मार्नस लाबुशेन 6, स्टीव स्मिथ 9, माइकल नेसर 35 और स्कॉट बोलैंड 0 का विकेट लिया। वहीं गस एटकिंसन ने दो विकेट लिए। ब्रायडन कार्स और बेन स्टोक्स को एक-एक विकेट मिला।

इसके बाद इंग्लैंड के बड़ा स्कोर बनाने के सपने को ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क और माइकल नेसर की जोड़ी ने तोड़ दिया। टीम ने 16 रनों के अंदर ही चार विकेट खो दिये।

स्टार्क ने जैक क्रॉली को 5 और बेन डकेट को 2 जबकि नेसर ने जैकब बेथेल 1) और स्टार बल्लेबाज जो रूट को खाता खोले बिना ही पैवेलियन भेज दिया। सबसे अधिक 41 रन हैरी ब्रूक ने बनाये।

इंग्लैंड की पूरी टीम 29.5 ओवर में ही 110 रन पर पैवेलियन लौट गई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से माइकल नेसर ने 10 ओवर में एक मेडन सहित 45 रन देकर चार विकेट लिए। स्कॉट बोलैंड को तीन विकेट मिले जबकि मिचेल स्टार्क ने दो विकेट लिए। इस मैच में मेजबान टीम की कप्तान स्मिथ कर रहे हैं क्योंकि नियमित कप्तान पैट कमिंस टीम से बाहर हैं। वहीं स्पिनर नाथन लायन भी फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर हैं। इंग्लैंड ने जोफ्रा आर्चर की जगह गस एटकिंसन को शामिल किया है।

अमित मिश्रा ने बताया प्लेऑफ में पहुंच सकती हैं ये चार टीमें

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा ने कहा है कि कोलकाता नाइटराइडर्स, मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद और डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल 2026 के प्ले ऑफ में पहुंच सकती है। इस पूर्व स्पिनर के अनुसार गुजरात टाइटंस को भी खिताबी दौड़ में कमजोर नहीं माना जा सकता है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, केकेआर, एमआई, एसआरएच, आरसीबी और जीटी। मेरे ख्याल से इन पांच में से कोई चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेगी। वहीं अमित ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को खिताबी दावेदार नहीं माना है जिससे सभी को हैरानी हुई है। सीएसके पांच बार की विजेता रही है। मुंबई इंडियंस और आरसीबी ने नीलामी से पहले ही पसंदीदा खिलाड़ियों का रिटेन कर अपनी टीम मजबूत की है। वहीं अन्य टीमों ने मिनी नीलामी के जरिये टीम की ताकत बढ़ायी है। केकेआर ने कैमरन ग्रीन को रिकॉर्ड 25.2 करोड़ रुपये में खरीदा जबकि सनराइजर्स ने लियाम लिविंगस्टन को 13 करोड़ रुपये में खरीदा। आईपीएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होगी और फाइनल मुकाबला 31 मई को खेला जाएगा

वेंकटेश अय्यर के लिए आरसीबी की प्लेइंग 11 में जगह बनाना मुश्किल : पूर्व कप्तान

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की मिनी नीलामी में वेंकटेश अय्यर के लिए 7 करोड़ रुपए खर्च किए लेकिन पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि इस आकर्षक टी20 लीग के शुरुआती चरण में इस तेज गेंदबाजी हरफनमौला को एकादश में जगह मिलना मुश्किल होगा। मौजूदा चैंपियन RCB ने इस महीने की शुरुआत में नीलामी में अय्यर की पूर्व टीम कोलकाता नाइट राइडर्स को पीछे छोड़कर इस खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ा था। फ्रेंचाइजी ने 16 दिसंबर को अबू धाबी में हुई नीलामी में अय्यर, जैकब डफी और मंगेश यादव समेत कई खिलाड़ियों को खरीदकर अपनी टीम को और मजबूत किया। 'जियोस्टार' के विशेषज्ञ कुंबले ने कहा, 'वेंकटेश अय्यर के लिए शुरुआती एकादश में जगह बनाना मुश्किल होगा। आप जीतने वाली टीम में संदेह पैदा नहीं करना चाहते। इसी सोच के चलते फ्रेंचाइजी ने रवि बिश्नोई पर बोली नहीं लगाई ताकि सुयश शर्मा को किसी अनुभवी भारतीय स्पिनर से खतरा महसूस न हो।' उन्होंने कहा, 'RCB को लगा था कि अय्यर को कोई और फ्रेंचाइजी अधिक बोली लगाकर खरीद लेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ, इसलिए वे वेंकटेश अय्यर को पाकर खुश है।' कुंबले की कप्तानी में आरसीबी 2009 सत्र का उपविजेता बना था। वह 2011 में इस टीम के मुख्य कोच बने थे। इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा कि फ्रेंचाइजी ने आईपीएल विजेता टीम के मूल खिलाड़ियों को बरकरार रखकर अच्छा काम किया है।

चोपड़ा ने टी20 विश्वकप की अपनी पसंदीदा टीम में भी शुभमन को नहीं किया शामिल

– श्रेयस को कप्तान बनाया

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने अगले साल की शुरुआत में होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप के लिए अपनी पसंदीदा टीम चुनी है। चोपड़ा की इस टीम में श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया गया है पर अनुभवी बल्लेबाज शुभमन गिल को शामिल नहीं किया गया है। इससे पहले टी20 विश्वकप के लिए जो भारतीय टीम घोषित की गयी थी उसमें भी शुभमन को जगह नहीं मिली थी। वहीं अब चोपड़ा ने उन 15 खिलाड़ियों को शामिल किया, जो विश्व के लिए चुने जाने के दावेदार थे, पर उन्हें जगह नहीं मिली थी। दोनों ही टीमों में जगह नहीं मिलने से साफ है कि अभी शुभमन को शीर्ष टॉप-30 टी20 खिलाड़ियों में भी जगह नहीं मिली है।

पसंदीदा टीम घोषित करने के बाद चोपड़ा ने कहा कि शुभमन को इसलिए जगह नहीं दी है क्योंकि उन्हें टीम के लिए किसी एंकर की जरूरत नहीं थी। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, हमने उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट के लिए छोड़ दिया है। इस समय जो माहौल बनाया गया है, उसके अनुसार ही हमने उन्हें नहीं जगह दी है जबकि कहा जा रहा है कि हमें उन्हें लेना चाहिए था। कई लोग कहते है कि मैं शुभमन का समर्थन करता रहा हूं। इस बार तो मैंने भी उन्हें जगह नहीं दी है। वहीं विश्वकप के लिए चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने कहा कि शुभमन की योग्यता पर कोई सवाल नहीं है पर इस समय टीम को किसी बल्लेबाज की नहीं बल्कि एक बैकअप विकेटकीपर की जरूरत थी। गौरतलब है कि भारतीय टीम टी20 विश्वकप में सैमसन और अभिषेक

को सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतार सकती है जबकि ईशान किशन को रिजर्व खिलाड़ी रखा गया है।

शुभमन की जगह पर चोपड़ा ने भी यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड़ को पारी की शुरुआत के लिए रखा है। वहीं विकेटकीपर के तौर पर ऋषभ पंत और जितेश शर्मा को शामिल किया है। केएल राहुल रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखे गये हैं। चोपड़ा ने साफ किया कि राहुल उनकी अंतिम ग्यारह में नहीं होंगे। चोपड़ा ने तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और क्रुणाल पांड्या को भी दल में शामिल किया है। चोपड़ा ने आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए इन दोनों को शामिल किया है।

चोपड़ा की टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय पसंदीदा टीम

मुख्य खिलाड़ी: श्रेयस अय्यर (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड़, ऋषभ पंत, जितेश शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, क्रुणाल पंड्या, दीपक चाहर, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद सिराज और भुवनेश्वर कुमार।

बेंच: मोहम्मद शमी, केएल राहुल, विप्रज निगम, शशांक सिंह।

पहली बार आईपीएल खेलने को लेकर उत्साहित हैं मंगेश

नई दिल्ली। पहली बार आईपीएल खेलने जा रहे मध्यप्रदेश के बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर मंगेश यादव बेहद उत्साहित है। मंगेश ने कहा कि मिनी नीलामी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने जब उन्हें 5.2 करोड़ रुपए में खरीदा तो उन्हें इसका भरोसा नहीं हुआ। ये उनके लिए किसी सपने के सच होने के समान है। मंगेश के अनुसार चार फ्रेंचाइजियों के बोली लगाने से भी वह हैरान थे। मंगेश 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। आरसीबी में वह तेज गेंदबाज यश दयाल की जगह शामिल किये गये हैं। इस युवा तेज गेंदबाज ने कहा है कि उन्हें अपने राज्य के अनुभवी खिलाड़ियों से जो सलाह मिली उससे भी उससे लाभ मिला है। इस क्रिकेटर ने कहा कि मुझे सीनियर क्रिकेटरों रजत पाटीदार, वेंकटेश अय्यर और आनंद राजन से भी सहयोग मिला है। आईपीएल में सफलता के उत्साह के बाद भी मंगेश का माना है कि घरेलू क्रिकेट सबसे अहम है और उसकी पर उनका ध्यान रहेगा। साथ ही कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता विजय हजारे ट्रॉफी में मध्य प्रदेश की ओर से अच्छा प्रदर्शन करना है।

इरफान पठान ने सुपर जायंटस की बल्लेबाजी को कमजोर बताया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने आईपीएल 2026 के लिए की लखनऊ सुपर जायंटस की बल्लेबाजी को कमजोर बताया है। पठान ने कहा कि जिस प्रकार से टीम ने मिनी नीलामी में खरीददारी की है। उसमें भी उसने गेंदबाजी पर ही जोर दिया। इससे उसके पास अच्छे गेंदबाज तो काफी हो गये हैं पर अच्छे बल्लेबाजों की उसे कमी है। की जरूरत है। पठान ने कहा टीम के पास एनरिक नॉर्टजे जैसा तेज गेंदबाज और वानिन्दु हसरंगा जैसा स्पिनर है। उसके पास तेज गेंदबाजी सहित सभी क्षेत्रों में अच्छे विकल्प हैं पर बल्लेबाजी की कमी नजर आती है। पठान ने कहा, आयुष बडोनी और अब्दुल समद के अलावा उसे एक और अच्छे बल्लेबाज की जरूरत है। मुझे उम्मीद थी कि वह लिविंगस्टोन जैसे किसी खिलाड़ी को खरीदेगा पर ऐसा नहीं हुआ। कुल मिलाकर टीम को अभी भी कम से कम पांच अच्छे स्तर के बल्लेबाज चाहिये। उन्होंने स्ट्रेलियाई विकेटकीपर जोश इंग्लिस को 8.6 करोड़ रुपए में खरीदने पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उसे केवल चार आईपीएल मैचों के लिए खरीदना फायदेमंद नहीं है। है। वहीं पूर्व बल्लेबाज अभिनव मुकुंद ने कहा, अगर आप सुपरजायंटस के बल्लेबाजी क्रम को देखें तो वह भी सनराइजर्स की ही तरह ही आक्रामक है पर उसके बल्लेबाज लंब पारियां नहीं खेल सकते। इंग्लिस अगर पूरे सत्र के लिए उपलब्ध होते तो भी फायदेमंद नहीं रहते। इसका कारण है कि वह शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी के लिए नहीं रखे गये हैं। अब्दुल समद, आयुष बडोनी, एडेन मार्करम, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, हिम्मत सिंह, ऋषभ पंत (कप्तान), निकोलस पूरन, मिशेल मार्श, शाहबाज अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, मयंक यादव, अवेश खान, मोहसिन खान, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, प्रिंस यादव, आकाश सिंह।

हॉकी इंडिया लीग के बाद विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा लक्ष्य हरमनप्रीत

चेन्नई। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि टीम का लक्ष्य विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करना है। हरमनप्रीत ने कहा कि हॉकी इंडिया लीग के बाद टीम विश्व कप की तैयारी करेगी। हरमनप्रीत सिंह ने कहा, पिछले दो ओलंपिक में हमने कांस्य पदक जीते हैं जिससे विश्वकप में हम बढ़े हुए मनोबल से उतरेंगे। हॉकी लीग के बाद हमारे पास विश्व कप की तैयारी के लिए पर्याप्त समय रहेगा। हॉकी इंडिया लीग 3 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक खेली जाएगी। लीग की शुरुआत 3 जनवरी को चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में तमिलनाडु ड्रैगन्स बनाम हैदराबाद तूफान्स मुकाबले से होगी। इस लीग में कुल आठ टीमें शामिल होंगी जिसमें तमिलनाडु ड्रैगन्स, हैदराबाद तूफान्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स (डिफेंडिंग चैंपियन), वेदांता कलिंगा लांसर्स, रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स और एचआईएल गवर्निंग काउंसिल है। लीग सिंगल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में होगी, जिसमें शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेगी। इसमें 23 और 25 जनवरी को क्वालीफायर मुकाबले के बाद 26 जनवरी को भुवनेश्वर में फाइनल खेला जाएगा।

सूरज शर्मा ने जीते सीनियर और जूनियर 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल राष्ट्रीय खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सूरज शर्मा ने शुक्रवार को 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल (RFP) पुरुष वर्ग में सीनियर और जूनियर दोनों राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किए। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित इस प्रतियोगिता में सूरज ने पहले जूनियर फाइनल में 30 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता और बाद में सीनियर फाइनल में भी दबदबे के साथ खेलते हुए 31 हिट्स के साथ दूसरा खिताब हासिल किया।

सीनियर फाइनल में सूरज ने दमदार शुरुआत करते हुए अपने पहले 20 में से 19 निशाने साधे और कुल 31 हिट्स के साथ मुकाबला समाप्त किया। वह पंजाब के डिफेंडिंग चैंपियन विजयवीर सिद्धू से तीन हिट्स आगे रहे, जिन्हें 28 हिट्स के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। राजस्थान के भावेश शेखावत ने 24 हिट्स के साथ कांस्य पदक जीता। अंकुर गोयल 14 हिट्स के साथ चौथे स्थान पर रहे। उन्हें आंध्र प्रदेश के मुकेश नेलावल्ली के खिलाफ लगातार तीन शूट-ऑफ खेलने पड़े, जिसके बाद मुकेश 12 हिट्स के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

हरियाणा के आदर्श सिंह ने पांच हिट्स के साथ छठा स्थान हासिल किया। क्वालिफिकेशन राउंड में अंकुर गोयल ने 582-203 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था। विजयवीर सिद्धू 580-183 के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि आदर्श सिंह ने 579-223 के साथ तीसरा स्थान पाया। मुकेश नेलावल्ली 579-173 के साथ चौथे स्थान पर रहे। बाद में स्वर्ण पदक जीतने वाले सूरज शर्मा ने 579-123 के साथ पांचवें स्थान पर क्वालिफाई किया था, जबकि भावेश शेखावत ने 577-223 के साथ शीर्ष छह में जगह बनाई।

जूनियर पुरुष आरएफपी फाइनल में भी सूरज शर्मा ने संयमित प्रदर्शन करते हुए 30 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता। मुकेश नेलावल्ली ने 25 हिट्स के साथ रजत पदक हासिल किया। हरियाणा के जतिन ने शूट-ऑफ के बाद 22 हिट्स के साथ कांस्य पदक जीता। समीर 17 हिट्स के साथ चौथे, भाव्या शर्मा आठ हिट्स के साथ पांचवें और अभिनव चौधरी छह हिट्स के साथ छठे स्थान पर रहे। सीनियर टीम स्पर्धा में पंजाब ने 1725 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। टीम में विजयवीर सिद्धू, उदयवीर सिद्धू और राजकंवर सिंह संधू शामिल थे।

हरियाणा ने 1722 के स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया जबकि नेवी ने 1711 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। जूनियर टीम वर्ग में हरियाणा ने 1705 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। मध्य प्रदेश ने 1689 के साथ रजत और नेवी ने 1667 के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिताएं शनिवार, 27 दिसंबर 2025 को भोपाल स्थित एमपी स्टेट शूटिंग अकादमी में जारी रहेंगी, जहां 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस महिला फाइनल आयोजित किए जाएंगे। दिन का पहला फाइनल सुबह 9:00 बजे शुरू होगा।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप समर्थित असफुरा बने होंडुरास के राष्ट्रपति

तेगुसिगाल्पा, एजेंसी। होंडुरास में राष्ट्रपति चुनाव में रूढ़िवादी नेता नस्री असफुरा ने जीत हासिल की है। चुनाव आयोग के अनुसार, असफुरा को 40.3% वोट मिले, जबकि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी साल्वाडोर नसराला को 39.5% वोट मिले। यह चुनाव काफी करीबी रहा। नस्री असफुरा को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त था। जीत के बाद असफुरा ने कहा कि वह देश की सेवा के लिए तैयार हैं और जनता को निराश नहीं करेंगे। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने असफुरा को बधाई दी और कहा कि अमेरिका उनके साथ मिलकर सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और अवैध आव्रजन जैसे मुद्दों पर काम करना चाहता है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से चुनाव परिणाम स्वीकार करने की अपील भी की। अमेरिका के उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडाउ ने भी असफुरा और होंडुरास की जनता को चुनाव की सफलता पर बधाई दी। इससे पहले, डोनाल्ड ट्रंप ने होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ओरलांडो हर्नांडेज को माफी दी थी, जो अमेरिका में ड्रग तस्करी के मामले में सजा काट रहे थे।

मास्को में बम धमाका, दो पुलिस अधिकारियों समेत तीन की मौत

मास्को, एजेंसी। रूस की राजधानी में बुधवार को हुए बम विस्फोट में दो पुलिस अधिकारियों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। धमाका येलेत्स्काया स्ट्रीट पर उस जगह के करीब हुआ, जहां कुछ दिन पहले एक वरिष्ठ जनरल की कार बम हमले में हत्या कर दी गई थी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने जब एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ने की कोशिश की, तभी उसने विस्फोट से उड़ा दिया। मारे गए अधिकारियों की पहचान इल्या क्लिमानोव और मैक्सिम गोर्बुनोव के रूप में हुई है। तीसरे मृतक की पहचान डीएनए जांच से होगी।

इमरान की अंतरिम जमानत बढ़ी, बहनों का जेल के बाहर धरना

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी कोर्ट ने इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की 9 मई हिंसा से जुड़े व अन्य कई मामलों में अंतरिम जमानत 27 जनवरी तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने इमरान को अगली सुनवाई में निजी/वीडियो लिंक से मौजूद होने का निर्देश दिया। उधर, पूर्व पीएम की बहनों अलीमा खान, नोरीन खान नियाजी व उज्मा खान ने रावलपिंडी में इमरान खान से अदियाला जेल में न मिलने देने के विरोध में धरना दिया।

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में क्वाडकॉप्टर हमले में 4 बच्चे घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक आवासीय क्षेत्र पर एक क्वाडकॉप्टर द्वारा विस्फोटक सामग्री गिराए जाने से कम से कम चार बच्चे घायल हो गए। यह घटना कुर्रम जिले के गोंडलबाग इलाके में घटी, जहां तीन लड़के और एक लड़की घायल हो गए। घायल बच्चों को तुरंत इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में आतंकवादी समूह हमले करने के लिए क्वाडकॉप्टरों का इस्तेमाल तेजी से कर रहे हैं, खासकर तात्कालिक विस्फोटक उपकरण गिराने के लिए। इस वर्ष इस प्रकार की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। स्थानीय आदिवासी बुजुर्गों ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे 'निर्दोष नागरिकों, विशेषकर बच्चों के खिलाफ हिंसा का एक क्रूर कृत्य' बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्य जानबूझकर गैर-लड़ाकों को निशाना बनाते हैं और इनका धर्म या मानवीय मूल्यों से कोई संबंध नहीं है। सुरक्षा बलों ने घटना की जांच शुरू कर दी है, वहीं हमले के बाद इलाके में और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

फ्रांस की डाक सेवा पर साइबर हमला, पार्सल डिलीवरी ठप

पेरिस, एजेंसी। क्रिसमस से ठीक पहले फ्रांस की राष्ट्रीय डाक सेवा ला पोस्टे पर हुए साइबर हमले ने पार्सल डिलीवरी और बैंकिंग सेवाओं को ठप कर दिया है। एक रूसी समर्थक हैकिंग समूह नोनेम057 ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। पेरिस अभियोजक कार्यालय के अनुसार, फ्रांसीसी खुफिया एजेंसी डीजीएसआई ने मामले की जांच कर रही है। सोमवार को हुए इस डीडीओएस हमले के कारण कंपनी का मुख्य कंप्यूटर सिस्टम ऑफलाइन हो गया।

दो बच्चों की हत्या की आरोपी मां ब्रिटेन से अमेरिका प्रत्यर्पित

लंदन, एजेंसी। अपने दो बच्चों की हत्या की आरोपी 37 वर्षीय किम्बरली सिंगल को ब्रिटेन से अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया है। किम्बरली पर दो साल पहले पति से विवाद के दौरान 9 साल की बेटी और 7 साल के बेटे की हत्या करने का आरोप है। कोलोरेडो स्प्रिंग्स पुलिस के अनुसार, दिसंबर 2023 में लंदन के चेल्सी इलाके से उसे गिरफ्तार किया गया था। घटना के समय किम्बरली की 11 वर्षीय बेटी घायल हुई थी।

खत्म हुआ 17 साल का इंतजार, बांग्लादेश लौटे तारिक रहमान, खतरे में मोहम्मद यूनुस की गद्दी?

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान आज 17 वर्षों के लंबे निर्वासन के बाद लंदन से ढाका लौट चुके हैं। बांग्लादेश एयरलाइंस की विमान से वह सिलहट के उस्मानी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे होते हुए ढाका लौटे। विमान सुबह करीब 9:58 बजे ढाका पहुंचा, जबकि हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इसके 11:50 बजे उतरने का कार्यक्रम है। तारिक रहमान की वापसी को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। उनके आवागमन के लिए एक बुलेटप्रूफ वाहन पहले ही हवाई अड्डे पर पहुंचा दिया गया था, जो सुबह करीब 7:15 बजे वहां पहुंचा। इसी वाहन से वे हवाई अड्डे से विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने जाएंगे।

नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने सुरक्षा कारणों से हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शाम 6 बजे तक आगंतुकों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। एयरपोर्ट परिसर और आसपास के इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं, जबकि एसडब्ल्यूएटी टीमें भी अलर्ट पर रखी गई हैं।

कौन हैं तारिक रहमान : पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान आगामी फरवरी में होने वाले आम चुनाव में प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदार के रूप में उभरे हैं। बीएनपी के प्रवक्ता रुहुल कबीर रिजवी ने जिया के बड़े बेटे रहमान की वापसी का जिक्र करते हुए कहा, 'यह एक निर्णायक राजनीतिक क्षण होगा।' उनके पिता जियाउर रहमान सैन्य शासक से नेता बने थे। जियाउर ने बीएनपी की स्थापना की। वह 1977 से 1981 तक राष्ट्रपति थे, जब उनकी हत्या कर दी गई थी।

तारिक रहमान बुधवार रात करीब 9:30 बजे लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पहुंचे थे। इस दौरान यूके बीएनपी के नेता और कार्यकर्ता उन्हें विदा करने के लिए मौजूद रहे। सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद विमान ने रात 12:30 बजे ढाका के लिए उड़ान भरी। वे इस यात्रा में अपनी पत्नी डॉ. जुबैदा रहमान और बेटी बैरिस्टर जाइमा रहमान के साथ हैं। पार्टी के करीब 50 नेता और कार्यकर्ता भी इसी उड़ान से बांग्लादेश लौट रहे हैं।

बीएनपी सूत्रों के अनुसार, ढाका पहुंचने के बाद तारिक रहमान कुछ समय के लिए एयरपोर्ट के वीआईपी लाउंज 'राजनिगंधा' में रुकेंगे। इसके बाद वे सड़क मार्ग से कुरिल होते हुए 300 फीट क्षेत्र में बनाए गए स्वागत स्थल पर जाएंगे, जहां वे जनसभा को संबोधित करेंगे और दोपहर करीब 3:40 बजे तक वहां मौजूद रहेंगे। इसके बाद वे वासुंधरा जी ब्लॉक गेट के रास्ते एवरकेयर अस्पताल पहुंचेंगे, जहां वे अपनी अस्वस्थ मां और बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया के साथ लगभग एक घंटे बिताएंगे। शाम को वे अपने गुलशन स्थित आवास लौट जाएंगे।

तारिक रहमान के स्वागत में जुलाई 36 एक्सप्रेसवे पर तड़के से ही भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ठंडे मौसम की परवाह किए बिना हजारों समर्थकों ने रात वहीं बिताई, ताकि अपने नेता की एक झलक पा सकें। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, देश के विभिन्न हिस्सों से बस, ट्रेन और नावों के जरिए समर्थक पहुंचते रहे, जिससे एक्सप्रेसवे पूरी तरह भर गया। आसपास के इलाकों से भी बीएनपी नेता और कार्यकर्ता जुलूसों के रूप में कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे।

ढाका हवाई अड्डे की ओर बीएनपी समर्थकों का मार्च : बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के समर्थक ढाका हवाई अड्डे की ओर मार्च कर रहे हैं, जहां पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान जल्द ही पहुंचने वाले हैं। वे 17 साल लंदन में निर्वासन में रहने के बाद बांग्लादेश लौट रहे हैं।

भारत के लिए क्यों मायने रखती है तारिक रहमान की वापसी : इस समय बांग्लादेश राजनीतिक और सामाजिक संकट से गुजर रहा है। फरवरी में होने वाले चुनाव से पहले हालात तनावपूर्ण हैं। अवामी लीग, जिसे भारत के करीब माना जाता है, चुनाव नहीं लड़ रही। अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के दौर में भारत से दूरी और पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ने के संकेत मिले हैं। कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी फिर से सक्रिय हुआ है, जिसे भारत पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़ा मानता है। ऐसे में भारत को लगता है कि बीएनपी अपेक्षाकृत उदार और लोकतांत्रिक विकल्प हो सकती है, भले ही अतीत में भारत-बांग्लादेश संबंधों में खटास रही हो।

भारत-बीएनपी संबंधों में नरमी के संकेत : हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीमार खालिदा जिया के प्रति चिंता जताई। बीएनपी ने इसके लिए आभार जताया। वर्षों बाद दोनों पक्षों के बीच यह एक सकारात्मक संदेश माना गया।

रूस के याकूतिया में तापमान -56 डिग्री, ये धरती पर सबसे कम; -60 डिग्री पहुंचने की आशंका

मास्को, एजेंसी। रूस के याकूतिया में जबरदस्त ठंड पड़ रही है। यहां तापमान -56 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है, जो इस समय धरती पर सबसे कम माना जा रहा है। इतनी ठंड में खुली जगह पर कुछ ही मिनटों में शरीर सुन्न हो सकता है। याकूतिया के टिकसी गांव में पिछले तीन दिनों से तेज बर्फीला तूफान चल रहा है। चारों तरफ बर्फ ही बर्फ नजर आ रही है। तेज हवा के साथ उड़ती बर्फ ने लोगों का बाहर निकलना बहुत मुश्किल कर दिया है। हालात को देखते हुए प्रशासन ने सभी स्कूलों में छुट्टी कर दी है और छोटे बच्चों के किंडरगार्टन भी बंद कर दिए गए हैं, ताकि बच्चे सुरक्षित रहें।

लगातार हो रही बर्फबारी से कई घरों के मुख्य दरवाजों तक बर्फ जम गई है। कुछ जगहों पर तो बर्फ इतनी ज्यादा है कि लोग अपने घरों से बाहर ही नहीं निकल पा रहे हैं। कई परिवारों को जरूरी सामान पाने में भी दिक्कत हो रही है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ सकती है और तापमान -60 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। लोगों को सलाह दी गई है कि बहुत जरूरी काम होने पर ही बाहर निकलें। स्थानीय प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ने पर मदद पहुंचाने की तैयारी कर रहा है। लोगों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

भारत के राजदूत क्वात्रा ने अमेरिकी समकक्ष सर्जियो गोर से की मुलाकात, ट्रंप के आवास मार-ए-लागो पर हुई बैठक

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दक्षिण व मध्य एशिया एशिया के विशेष दूत व भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने लिखा, अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा से मिलकर हमेशा खुशी वाली बात होती है। यह उनकी मार-ए-लागो की पहली यात्रा थी। राष्ट्रपति ट्रंप भी इस समय मार-ए-लागो में मौजूद हैं। वह क्रिसमस की छुट्टियों के लिए सप्ताहांत में फ्लोरिडा के पाम बीच पर स्थित अपने आवास पर पहुंचे थे। आज बाद में, वह उत्तरी अमेरिका की सुरक्षा से जुड़ी संस्था (नोराड) के सैंटा कॉल कार्यक्रम में भाग लेंगे और ड्यूटी पर तैनात सैनिकों से फोन पर बात करेंगे। गोर ने मंगलवार को भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोब्गे की ट्रंप के साथ एक तस्वीर भी साझा की थी। उन्होंने लिखा, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोब्गे की फ्लोरिडा राज्य की पहली यात्रा के दौरान उनकी मेजबानी करके खुशी हुई।

ताइवान के आसपास नहीं थम रही चीन की सैन्य गतिविधियां, छह चीनी विमान और आठ युद्धपोत दिखे

ताइपे, एजेंसी। ताइवान की समुद्री सीमा के आस-पास चीन की सैन्य गतिविधियां लगातार जारी है, ताइवान के रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने गुरुवार सुबह छह बजे तक ताइवान के आसपास चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों का पता लगाया है। मंत्रालय के अनुसार, इस दौरान चीन के छह सैन्य विमानों, आठ नौसैनिक जहाजों और एक सरकारी जहाज की मौजूदगी दर्ज की गई।

दो विमानों ने पार की एडीआईजेड : ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इन छह विमानों में से दो विमान ताइवान और चीन के बीच मानी जाने वाली मध्य रेखा (मीडियन लाइन) को पार कर गए और ताइवान के उत्तरी तथा दक्षिण-पश्चिमी एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन जोन (एडीआईजेड) में दाखिल हुए। मंत्रालय ने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी गई और आवश्यक जवाबी कदम उठाए गए। इससे एक दिन पहले, बुधवार को भी ताइवान ने इसी तरह की गतिविधियों की जानकारी दी थी। उस दिन पांच चीनी सैन्य विमान, आठ नौसैनिक जहाज और एक सरकारी जहाज ताइवान के आसपास पाए गए थे। इनमें से एक विमान ने मीडियन लाइन पार कर ताइवान के एडीआईजेड में प्रवेश किया था। ताइवान का कहना है कि चीन की ये गतिविधियां उसकी सुरक्षा के लिए चिंता का विषय हैं और वह हर हाल में अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए सतर्क है।

पेंटागन रिपोर्ट में चीन की विस्तारवादी सोच पर चिंता : इसी बीच, अमेरिका के रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) की एक रिपोर्ट, जो अमेरिकी संसद को सौंपी गई है, ने चीन की व्यापक रणनीति को लेकर गंभीर चिंता जताई है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने भारत के अरुणाचल प्रदेश को भी अपने तथाकथित मुख्य हितों में शामिल कर लिया है।

दक्षिण चीन सागर, सेंकाकू द्वीप समूह पर चीन की नजर : रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के 'मुख्य हितों' में अब ताइवान, दक्षिण चीन सागर के समुद्री विवाद, सेंकाकू द्वीप समूह और भारत का अरुणाचल प्रदेश शामिल हैं। चीन का लक्ष्य 2049 तक 'चीनी राष्ट्र के महान पुनरुत्थान' को हासिल करना बताया गया है। चीनी अधिकारियों का कहना है कि ताइवान समेत विवादित क्षेत्रों का एकीकरण उनके लिए राष्ट्रीय पुनरुत्थान की 'स्वाभाविक आवश्यकता' है। इससे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में तनाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में धमाका, 1 की मौत; बदमाशों ने फ्लाईओवर से पेट्रोल बम फेंका

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बम ब्लास्ट हुआ है। पुलिस के मुताबिक माघ बाजार इलाके में बदमाशों ने फ्लाईओवर से पेट्रोल बम फेंका, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना मंगलवार शाम करीब 7 की है। मृतक की पहचान सैफुल के रूप में हुई है। वह सड़क किनारे एक चाय की दुकान पर खड़ा था, तभी ऊपर से फेंका गया पेट्रोल बम उसके ऊपर गिरा। हातिरझील थाना पुलिस ने बताया कि धमाके में सैफुल की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हमलावरों की तलाश की जा रही है।

चक्रवात से श्रीलंका में कृषि क्षेत्र को व्यापक क्षति : एफएओ

कोलंबो, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य-कृषि संगठन (एफएओ) ने कहा है कि चक्रवात दित्वा से श्रीलंका में कृषि, मत्स्य पालन और ग्रामीण आजीविका को व्यापक नुकसान पहुंचा है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़ से कृषि भूमि, फसल, पशुधन और मत्स्य संपत्तियों के साथ-साथ घरों में रखा खाद्य भंडार भी नष्ट हो गया। इस आपदा से अनुमानित 2,27,000 किसान प्रभावित हुए हैं, जिनमें छोटे धान उत्पादक नुकसान में रहे। 22 दिसंबर को जारी इस रिपोर्ट में कहा गया कि चक्रवात ऐसे समय आया, जब किसान वर्ष 2026 की मुख्य फसल की बुआई कर चुके थे या बुआई के कार्य में लगे हुए थे। मत्स्य पालन क्षेत्र में कुल नुकसान का मूल्य 20.5 से 21.5 अरब के बीच है।

जापान : क्योटो में फैला बर्ड फ्लू, सीजन में इस तरह का 9वां मामला

टोक्यो, एजेंसी। जापान के कृषि मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि जेनेटिक टेस्टिंग में क्योटो प्रांत के एक पोल्ट्री फार्म में बर्ड फ्लू (हाईली पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लूएंजा) की पुष्टि हुई है। यह इस सीजन में देश में बर्ड फ्लू का नौवां मामला है। कृषि, वानिकी और मत्स्य पालन मंत्रालय के अनुसार, यह मामला क्योटो प्रांत के कामेओका शहर में स्थित एक पोल्ट्री फार्म में सामने आया है। इस फार्म में लगभग 2 लाख 80 हजार अंडे देने वाली मुर्गियां पाली जाती हैं। स्थानीय प्रशासन को मंगलवार को इसकी जानकारी मिली।

उसी दिन फार्म की मुर्गियों पर रैपिड एवियन इन्फ्लूएंजा टेस्ट किया गया, जिसके नतीजे पॉजिटिव आए। इसके बाद बुधवार को आनुवंशिक जांच से यह साफ हो गया कि यह गंभीर किस्म का एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस है। नियमों के अनुसार, फार्म की सभी मुर्गियों को मारकर नष्ट किया जाएगा। इसके साथ ही उन्हें जलाकर जमीन में दफन किया जाएगा। फार्म के तीन किलोमीटर के दायरे में आने वाले अन्य फार्मों से मुर्गियों और अंडों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। वहीं, तीन से दस किलोमीटर के क्षेत्र में स्थित फार्म बाहर के इलाकों में पोल्ट्री उत्पाद नहीं भेज सकेंगे। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, वायरस के और फैलाव को रोकने के लिए फार्म के आसपास कीटाणुनाशक छिड़काव तेज कर दिया गया है। बीमारी की जांच के लिए एक विशेष टीम भी भेजी गई है। जरूरत पड़ने पर मंत्रालय के विशेषज्ञ भी मौके पर जाएंगे। जापान में आमतौर पर बर्ड फ्लू का मौसम शरद ऋतु से लेकर अगले वसंत तक रहता है। इस मौसम में अब तक हुए आठ मामलों में करीब 24 लाख मुर्गियों को मारना पड़ा है।

देश में पहला मामला 22 अक्टूबर को सबसे उत्तरी प्रांत होक्काइडो में सामने आया था। बर्ड फ्लू को एवियन इन्फ्लूएंजा भी कहा जाता है। यह एक बीमारी है जो जंगली पक्षियों और मुर्गियों में फैलती है। यह वायरस एच5एन1 और एच9एन2 जैसे सब-टाइप से होता है। कभी-कभी यह बीमारी इंसानों को भी हो सकती है, लेकिन यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से नहीं फैलती। ज्यादातर मामलों में इंसान संक्रमित जीवित या मृत मुर्गियों के संपर्क में आने से बीमार हुए हैं।

वैश्विक समुद्री जल स्तर 1.4 मीटर तक बढ़ने का खतरा, तटीय शहरों के भविष्य पर मंडराता संकट

नुउक, एजेंसी। ग्रीनलैंड की सबसे विशाल बर्फीली धारा नॉर्थ ईस्ट ग्रीनलैंड आइस स्ट्रीम (एनईजीआईएस) पर महासागर की बढ़ती गर्मी का प्रभाव केवल एक क्षेत्रीय पर्यावरणीय बदलाव नहीं, बल्कि वैश्विक समुद्र-स्तर के लिए गंभीर खतरे का संकेत है। ताजा वैज्ञानिक शोध बताता है कि अतीत में भी एनईजीआईएस का तेजी से पीछे हटना मुख्य रूप से गर्म अटलांटिक महासागरीय पानी के कारण हुआ था, न कि केवल वायुमंडलीय तापमान बढ़ने से। यह समझ भविष्य के जलवायु मॉडल और समुद्र-स्तर की सटीक भविष्यवाणी के लिए निर्णायक मानी जा रही है। एनईजीआईएस ग्रीनलैंड की बर्फ की चादर से निकलने वाली सबसे बड़ी आइस स्ट्रीम है। इसमें संचित बर्फ की मात्रा इतनी अधिक है कि यदि यह पूरी तरह पिघल जाए तो वैश्विक समुद्र स्तर लगभग 1.1 से 1.4 मीटर तक बढ़ सकता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक इसे ग्रीनलैंड की बर्फीली चादर की स्थिरता का सबसे संवेदनशील और निर्णायक हिस्सा मानते हैं। इसकी हलचल सीधे-सीधे तटीय शहरों, द्वीपीय देशों और करोड़ों लोगों के भविष्य से जुड़ी है।

न्यूकैसल विश्वविद्यालय और डरहम विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में पिछले 20,000 वर्षों के दौरान एनईजीआईएस के व्यवहार का विश्लेषण किया गया। यह अवधि अंतिम हिमयुग के अंत से लेकर आधुनिक काल तक फैली हुई है। शोध के निष्कर्ष प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित हुए हैं।

शोध के अनुसार जब गर्म अटलांटिक महासागरीय पानी इस ग्राउंडिंग लाइन तक पहुंचता है तो बर्फ नीचे से तेजी से पिघलने लगती है। इससे बर्फ की चादर कमजोर होती है और उसके टूटने या पीछे हटने की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। वैज्ञानिकों ने पाया कि लगभग 20,300 से 17,600 वर्ष पहले एनईजीआईएस का पहला बड़ा पीछे हटना इसी प्रक्रिया के कारण शुरू हुआ। उस समय वायुमंडलीय तापमान आज की तुलना में 15 से 20 डिग्री सेल्सियस कम था, यानी वातावरण बेहद ठंडा था। इसके बावजूद बर्फ का पिघलना यह साफ संकेत देता है कि उस दौर में गर्म महासागरीय पानी बर्फ के नीचे तक पहुंच चुका था।

15,000 साल पहले टूटी बर्फ की शेल्फ : करीब 15,000 वर्ष पहले हालात और अधिक गंभीर हो गए। गर्म अटलांटिक पानी आगे बढ़कर तैरती हुई बर्फीली शेल्फ के नीचे तक पहुंच गया। इसी समय वैश्विक स्तर पर हवा का तापमान भी तेजी से बढ़ने लगा। महासागर की गर्मी और बढ़ते वायुमंडलीय तापमान के संयुक्त प्रभाव ने बर्फ की शेल्फ को कमजोर कर दिया। नतीजतन शेल्फ टूट गई, ग्राउंडिंग लाइन अस्थिर हो गई और एनईजीआईएस ने बेहद तेजी से पीछे हटना शुरू कर दिया। यह अध्ययन ग्रीनलैंड के भूवैज्ञानिक और तलछटी रिकॉर्ड में दर्ज बर्फ की शेल्फ टूटने के शुरुआती और सबसे ठोस प्रमाणों में से एक माना जा रहा है।

आज की स्थिति डराने वाली : आज वैज्ञानिक फिर से वही संकेत देख रहे हैं। गर्म अटलांटिक महासागरीय पानी एक बार फिर ग्रीनलैंड की बर्फ के नीचे तक पहुंच रहा है। यह स्थिति अतीत से मिलती-जुलती है, जब बड़े पैमाने पर बर्फ पिघली थी और समुद्र-स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। शोधकर्ताओं का मानना है कि यदि मौजूदा जलवायु परिवर्तन की गति इसी तरह बनी रही, तो एनईजीआईएस भविष्य में फिर से अस्थिर हो सकती है और समुद्र-स्तर में तेज वृद्धि का जोखिम वास्तविकता बन सकता है।

अभिनेता रसेल ब्रांड पर दुष्कर्म व यौन उत्पीड़न के दो नए मामले दर्ज

वाशिंगटन, एजेंसी। मशहूर अभिनेता और कॉमेडियन रसेल ब्रांड के खिलाफ दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न के दो नए मामले दर्ज किए गए हैं। ब्रिटेन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बताया कि ये नए आरोप दो अन्य महिलाओं की शिकायतों पर आधारित हैं। रसेल ब्रांड पहले से ही दुष्कर्म और यौन हमले के कई आरोपों का सामना कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, रसेल ब्रांड 20 जनवरी 2026 को इन नए आरोपों के संबंध में कोर्ट में पेश होंगे।

नवजात की सौदेबाजी : 7 दिन के बच्चे को 6 लाख में बेचने की कोशिश, पांच गिरफ्तार

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले से मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जहां महज सात दिन के एक नवजात शिशु को 6 लाख रुपये में बेचने की कोशिश करते हुए पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शहर पुलिस की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल ने खुफिया सूचना के आधार पर की। पुलिस के अनुसार, बुधवार रात पश्चिम इलाके में एक होटल के पास जाल बिछाया गया। गिरोह की गतिविधियों की पुष्टि के लिए पुलिस ने एक नकली ग्राहक (डिकॉय बायर) का इस्तेमाल किया। सौदे की शुरुआती पुष्टि के तौर पर गिरोह को 20 हजार रुपये यूपीआई के जरिए दिए गए, जबकि बाकी 5.8 लाख रुपये नकद देने की बात तय हुई थी। जैसे ही डिकॉय ग्राहक ने सौदे की सूचना पुलिस को दी, टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और सभी पांच आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शंकर सभाजी मनोहर (36), रेशमा शाहबुद्दीन शेख (35), इमामपुरी निवासी एजेंट नितिन सभाजी मनोहर (33) और शेखर गणेश जाधव (35) तथा मुंबई के मानखुर्द निवासी एजेंट आसिफ चांद खान (27) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि गिरोह की एक अन्य सदस्य सबीना फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश जारी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह मामला केवल एक नवजात तक सीमित नहीं हो सकता, बल्कि इसके पीछे शिशु तस्करी का बड़ा रैकेट सक्रिय हो सकता है, जिसमें नि:संतान दंपतियों को निशाना बनाया जाता है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, अब बच्चे की जैविक मां की पहचान की जा रही है और यह भी जांच की जा रही है कि क्या किसी अस्पताल या नर्सिंग होम की इसमें भूमिका है। बरामद नवजात को फिलहाल एक विशेष देखभाल केंद्र में सुरक्षित रखा गया है। पुलिस का कहना है कि इस मामले की गहराई से जांच की जा रही है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां संभव है।

वायु प्रदूषण बन रहा बड़ा स्वास्थ्य संकट, अस्पतालों में बढ़ी नए मरीजों की संख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में वायु प्रदूषण कोविड-19 महामारी के बाद सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट बन गया है। ब्रिटेन में काम करने वाले भारत के कई सीनियर डॉक्टरों ने इसको लेकर चिंता जाहिर की और दावा किया है। डॉक्टरों ने कहा कि आने वाले सालों में प्रदूषण से लोगों की सेहत और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर लंबे समय तक असर पड़ेगा। अगर तत्काल ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या हर साल और गंभीर होती जाएगी। पिछले 10 सालों में हृदय रोगों में बढ़ोतरी को मोटापे से जोड़ा गया, लेकिन इसमें कारों और विमानों से निकलने वाले जहरीले तत्वों की बड़ी भूमिका है। भारत सरकार की कोविड-19 एडवाइजरी कमेटी के पूर्व सदस्य मनीष गौतम ने कहा कि वायु प्रदूषण पर सरकार का फोकस जरूरी है, लेकिन इसमें काफी देरी हो चुकी है। उत्तर भारत में रहने वाले लाखों लोगों में नुकसान पहले ही हो चुका है। जो इलाज हो रहा है, वह समस्या का केवल एक छोटा हिस्सा है। सिरदर्द, थकान, हल्की खांसी, गले में जलन, पाचन संबंधी दिक्कत, आंखों में सूखापन, त्वचा पर रैश और बार-बार संक्रमण जैसे शुरुआती लक्षण अक्सर मामूली समझकर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं, जबकि ये गंभीर बीमारियों के संकेत हो सकते हैं। डॉक्टरों के मुताबिक दिसंबर में दिल्ली के अस्पतालों में सांस संबंधी मरीजों की संख्या में 20 से 30 फीसदी बढ़ी है। इनमें कई युवा और पहली बार इलाज कराने वाले मरीज शामिल थे।

अभिनेत्री पर्णो मित्रा टीएमसी में शामिल, बंगाल चुनाव से पहले बीजेपी को बड़ा झटका

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने है। चुनाव पहले ही नेताओं के एक से दूसरी पार्टी में जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ चुकी बंगाली अभिनेत्री पर्णो मित्रा ने पार्टी छोड़ दी। पर्णो मित्रा ने बीजेपी छोड़कर टीएमसी का दामन थाम लिया है। पश्चिम बंगाल की

प्रसिद्ध टीवी अभिनेत्री पर्णो मित्रा ने कार्यक्रम के दौरान औपचारिक रूप से टीएमसी की सदस्यता ग्रहण कर ली। टीएमसी में पहुंचते ही पर्णो ने अपने बीजेपी में शामिल होने के फैसले को गलती बताया है। उन्होंने कहा कि अब उन गलतियों को सुधारने का समय है। बंगाली अभिनेत्री पर्णो ने सीएम ममता बनर्जी की अगुवाई में टीएमसी शामिल करने को अपने लिए बड़ा मौका भी बताया। उन्होंने बीजेपी को लेकर कहा कि छह साल पहले मैं बीजेपी में शामिल हुई थी। वह चीजें ठीक नहीं थी। गौरतलब है कि पर्णो मित्रा बंगाल में टीवी का लोकप्रिय चेहरा है। बीजेपी ने 2021 के बंगाल विधानसभा चुनाव में पर्णो को उम्मीदवार भी बनाया था। हालांकि, पर्णो मित्रा तब चुनाव हार गई थीं। चुनाव प्रचार के दौरान उनके काफिले पर हमले की घटना भी हुई थी, जिसके बाद सियासत गर्मा गई थी।

सेंगर को जमानत के विरोध में कोर्ट के बाहर महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के बाहर उन्नाव रेप केस में दोषी पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को मिली सशर्त जमानत के खिलाफ महिलाओं और अन्य प्रदर्शनकारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्नाव रेप पीड़िता के परिवार और महिला कार्यकर्ताओं ने कोर्ट परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि यह विरोध प्रदर्शन गैर-कानूनी है और प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर जाने की सलाह दी। पीड़िता की मां ने जमानत को अवैध बताकर कहा कि वह न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएगी। उन्होंने कहा कि सेंगर की जमानत तुरंत खारिज होनी चाहिए और यदि न्याय नहीं मिला तो वे अन्य देशों में भी कानूनी उपाय ढूंढेंगी। महिला कार्यकर्ता योगिता भयाना ने बताया कि वे शांतिपूर्वक न्याय की मांग लेकर आई हैं और अगर याचिका पर सुनवाई नहीं हुई, तब विरोध किया जाएगा। कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने हाईकोर्ट के फैसले की आलोचना कर इसे महिलाओं के आत्मविश्वास को कम करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि सेंगर को तकनीकी कारणों से क्लीन चिट देना देश में गलत मिसाल साबित करता है। दरअसल दिल्ली हाईकोर्ट ने सेंगर को जमानत दी है, जबकि वह फिलहाल नाबालिग से रेप और पिता की हत्या मामले में जेल में है। जमानत शर्तों में 15 लाख रुपये का बेल बॉन्ड जमा करना शामिल है। सेंगर को पीड़िता के 5 किलोमीटर के इलाके में नहीं जाने और परिवार से संपर्क न करने के निर्देश भी दिए गए है। पिता की हत्या के मामले में उनका जेल में ही रहना तय है और दिल्ली हाईकोर्ट में अपील लंबित है।

हाईकोर्ट ने कहा- भारत में भी बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने के उपायों पर करें विचार

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और इंटरनेट पर अश्लील सामग्री की आसानी से उपलब्धता को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। एक महत्वपूर्ण जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि वह ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने से जुड़े कानून की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार करे। न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन और न्यायमूर्ति के. के. रामकृष्णन की पीठ ने माना कि वर्तमान डिजिटल युग में बच्चे बेहद संवेदनशील और असुरक्षित स्थिति में है, जिन्हें इंटरनेट के खतरों से बचाना अनिवार्य है।

यह मामला वर्ष 2018 में मदुरै निवासी एस. विजयकुमार द्वारा दायर एक जनहित याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को पैरेंटल कंट्रोल या पैरेंटल विंडो जैसी सेवाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएं, ताकि बच्चों को पोर्नोग्राफिक और आपत्तिजनक सामग्री तक पहुंचने से रोका जा सके। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने ऑस्ट्रेलिया के उस हालिया कानून का उदाहरण दिया, जिसमें 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग को प्रतिबंधित कर दिया गया है। अदालत ने इस तर्क से सहमति जताते हुए कहा कि भारत को भी इस दिशा में ठोस विधायी कदम उठाने की आवश्यकता हो सकती है।

अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि संबंधित प्राधिकरणों और बाल अधिकार संरक्षण आयोगों द्वारा पेश किए गए हलफनामे यह विश्वास दिलाने में विफल रहे हैं कि वे अपनी वैधानिक जिम्मेदारियों का पूरी तरह निर्वहन कर रहे हैं। पीठ ने स्पष्ट किया कि केवल कुछ वेबसाइटों को ब्लॉक कर देना ही पर्याप्त नहीं है, क्योंकि बाल यौन शोषण और अश्लील सामग्री ऑनलाइन जगत में अलग-अलग रूपों में मौजूद रहती है। इस पर प्रभावी नियंत्रण तभी संभव है जब यूजर-स्तर पर पैरेंटल कंट्रोल ऐप्स उपलब्ध हों और अभिभावकों को इसके प्रति जागरूक किया जाए। अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि स्कूलों में चलाए जा रहे वर्तमान जागरूकता कार्यक्रम नाकाफी हैं। पीठ ने केंद्र और राज्य स्तर के बाल अधिकार संरक्षण आयोगों को निर्देश दिया कि वे समाज के विभिन्न वर्गों में बाल अधिकारों और ऑनलाइन सुरक्षा उपायों को लेकर एक ठोस कार्ययोजना तैयार करें। अदालत ने अंत में टिप्पणी की कि हालांकि किसी सामग्री तक पहुंचना व्यक्ति का चुनाव हो सकता है, लेकिन बच्चों के मामले में समाज और सरकार की जिम्मेदारी कहीं अधिक बढ़ जाती है। इसी के साथ अदालत ने उम्मीद जताई कि भविष्य में इस दिशा में सख्त कानून और व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे।

पावर सेंटर 10 सर्कुलर रोड से लालू परिवार की विदाई, रातों रात खाली हुआ राबड़ी का आवास

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी सरकारी आवास और बिहार की सियासत में करीब दो दशकों तक सत्ता और विपक्ष की धुरी रहा 10 सर्कुलर रोड बंगला अब खाली होने लगा है। राबड़ी देवी को राज्य सरकार द्वारा जारी नोटिस के बाद अब वहां से सामान शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। गुरुवार देर रात इस आवास से पिक-अप वैन के जरिए सामान बाहर निकलते देखा गया, जिसने राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह समान किस स्थान पर भेजा गया है। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, देर रात तक पिकअप वाहनों की आवाजाही जारी रही। नई सरकार के गठन के बाद भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को एक महीने पहले बंगला खाली करने का निर्देश दिया था। 2006 से 10 सर्कुलर आवास में रह रहे लालू परिवार के लिए सरकार ने हार्डिंग रोड में नया आवास आवंटित किया है। हालांकि, तब आरजेडी प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने इस आदेश का कड़ा विरोध किया था और इसे राजनीतिक विद्वेष बताया था। लेकिन अब सामान की शिफ्टिंग से स्पष्ट हो गया है कि परिवार ने बंगला खाली करने का मन बना लिया है। साल 2005 में सत्ता गंवाने के बाद लालू-राबड़ी परिवार 1 अणे मार्ग से निकलकर 10 सर्कुलर रोड में शिफ्ट हुआ था। तब से यह आवास राजद की हर छोटी-बड़ी गतिविधि का गवाह रहा है। इधर, पटना के महुआबाग इलाके में लालू-राबड़ी परिवार का निजी बंगला भी लगभग तैयार है। कहा जा रहा है कि भविष्य में लालू परिवार उसी निजी आवास में शिफ्ट हो सकता है।

महाराणा प्रताप पर टिप्पणी के बाद पंजाब के राज्यपाल को मिली जान से मारने की धमकी

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को जान से मारने की धमकी मिली है। सोशल मीडिया पर दी गई इस धमकी का कुछ लोग समर्थन करते भी नजर आ रहे हैं। ये धमकी क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत के नाम से की गई एक पोस्ट में कटारिया के खिलाफ अपमानजनक और हिंसक भाषा का इस्तेमाल किया गया है।

यह धमकी तीन दिन पहले उदयपुर जिले के गोगुंदा क्षेत्र में महाराणा प्रताप को लेकर दिए गए कटारिया के बयान के बाद सामने आई है। बता दें कि 22 दिसंबर को गोगुंदा में एक कार्यक्रम के दौरान कटारिया ने महाराणा प्रताप और उनके शासन को लेकर बयान दिया था, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। पुलिस ने साफ किया है कि सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की धमकी या भड़काऊ बयानबाजी को गंभीरता से लिया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कटारिया के इस बयान को लेकर विभिन्न संगठनों और लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। सोशल मीडिया पर कुछ लोग धमकी भरी पोस्ट का समर्थन करते भी नजर आए, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। हालांकि, अब तक राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया की ओर से इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं करवाई गई है। कटारिया ने भी इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। इस बीच उदयपुर के पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में आया है और सोशल मीडिया पोस्ट की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पोस्ट किस अकाउंट से और किन हालात में की गई थी, साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि कहीं इसके पीछे किसी साजिश या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का इरादा तो नहीं है।

राहुल गांधी के विदेश दौरों पर भारतीय दूतावास के अधिकारी रखते हैं नजर

-ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा का दावा

तिरुवंतमपुरम (एजेंसी)। नई दिल्ली, (ईएमएस)। ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने दावा किया है कि राहुल गांधी के विदेश दौरों के दौरान भारतीय दूतावास के अधिकारी उन पर नजर रखते हैं और कई बार विदेशी नेताओं से उन्हें न मिलने को कहा जाता है। पित्रोदा ने राहुल गांधी के दौरे को लेकर यह दावा किया है। इसमें उन्होंने कहा कि मैंने खुद देखा है कि राहुल गांधी के होटल, मीटिंग्स और एयरपोर्ट पर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाती है। हालांकि इसके सबूत नहीं है, लेकिन अनुभव के आधार पर यह बात कह रहा हूं।

वहीं सैम पित्रोदा ने बीजेपी के राहुल गांधी पर देश की छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया। जर्मनी दौरे की टाइमिंग पर उन्होंने कहा कि विदेश यात्राएं अचानक तय नहीं होतीं, बल्कि महीनों पहले से उनका कार्यक्रम बनता है। राहुल गांधी पर विदेश जाकर भारत की छवि खराब करने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि सच तो सच होता है, चाहे वह भारत में बोला जाए या विदेश में। डबल स्टैंडर्ड नहीं हो सकते।

जॉर्ज सोरोस और विदेशी फंडिंग से जुड़े आरोपों पर पित्रोदा ने कहा कि ये पूरी तरह बेबुनियाद हैं। राहुल गांधी या कांग्रेस का किसी भी तरह के एंटी-इंडिया नेटवर्क से कोई संबंध नहीं है। सब बकवास है। हम यूनिवर्सिटी जाते हैं, पब्लिक स्पेस में बात करते हैं। कौन किससे जुड़ा है, हमें न पता है और न हमें फर्क पड़ता है। क्रिसमस के दौरान चर्चों पर हमलों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की हिंसा की समाज में कोई जगह नहीं है। ऐसी घटनाएं भारत की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं और यह नफरत का नतीजा है।

सैम पित्रोदा ने कहा कि मनरेगा की जगह लाए गए जी-राम-जी कानून में राम के नाम का इस्तेमाल क्यों किया गया। महात्मा गांधी के नाम से योजना चल रही थी, उसमें क्या दिक्कत थी? प्रधानमंत्री किसी एक समुदाय के नहीं, पूरे देश के होते हैं। धर्म निजी आस्था हो सकती है, लेकिन शासन की प्राथमिकता नहीं। लोकतंत्र और चुनाव प्रणाली पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि भारत समेत कई देशों में संस्थाएं दबाव में है। ईवीएम, वोटर लिस्ट और चुनाव आयोग को लेकर भरोसे की कमी है। दुनिया के कई देशों हंगरी, तुर्की, अमेरिका और भारत में लोकतांत्रिक संस्थाएं दबाव में हैं।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा को लेकर पित्रोदा ने कहा कि भारत को सबसे पहले अपने पड़ोस पर ध्यान देना चाहिए। हिंसा कहीं भी हो, उसका कोई औचित्य नहीं है। भारत अगर 'विश्व गुरु' बनना चाहता है तो पहले अपने पड़ोस बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान में स्थिरता और शांति के लिए नेतृत्व दिखाना होगा।

अरावली पहाड़ी मामला: जयराम रमेश ने उठाए सवाल कहा- ये केवल विनाशकारी कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने अरावली पर्वतमाला को लेकर मोदी सरकार द्वारा दी गई नई परिभाषा पर कड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने इसे न केवल विशेषज्ञों की राय के विरुद्ध, बल्कि खतरनाक और पर्यावरण के लिए विनाशकारी बताया है।

जयराम रमेश ने फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) के आधिकारिक और प्रामाणिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि अरावली को ऊंचाई के आधार पर परिभाषित करना पूरी तरह से अवैज्ञानिक और संदिग्ध है। एफएसआई के अनुसार, 20 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली अरावली पहाड़ियों में से केवल 8.7 प्रतिशत ही 100 मीटर से अधिक ऊंची है। वहीं, यदि एफएसआई द्वारा चिन्हित सभी अरावली पहाड़ियों को शामिल किया जाए, तो उनमें से 1 प्रतिशत से भी कम 100 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली हैं।

एफएसआई का स्पष्ट और संतुलित मत है कि ऊंचाई के आधार पर सीमाएं तय करना उचित नहीं है, और अरावली की पूरी पर्वतमाला चाहे उसकी ऊंचाई कुछ भी हो उसको संरक्षण मिलना चाहिए। लेकिन सरकार की नई परिभाषा इसके ठीक उलट दिशा में जाती दिखाई दे रही है।

क्षेत्रफल के लिहाज से इसका सीधा अर्थ यह निकलता है कि सरकार की नई परिभाषा लागू होने पर अरावली का 90 प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा संरक्षण से बाहर हो जाएगा। इससे यह क्षेत्र खनन, रियल एस्टेट और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए खोल दिया जाएगा, जो पहले से ही गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त इस नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र पर और भी गहरा आघात पहुंचाएगा।

जयराम रमेश ने इसे मोदी सरकार द्वारा पारिस्थितिक संतुलन पर सुनियोजित हमले का एक और उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम प्रदूषण मानकों को कमजोर करने, पर्यावरण और वन कानूनों को शिथिल करने, तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) और पर्यावरणीय शासन से जुड़ी संस्थाओं को निष्प्रभावी करने की उसी नीति का हिस्सा है, जो पिछले कुछ वर्षों में देखने को मिली है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री द्वारा वैश्विक मंचों पर पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन को लेकर दिए जाने वाले भाषणों और देश के भीतर जमीन पर किए जा रहे कार्यों के बीच कोई तालमेल नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरित नेतृत्व की बात करने वाली सरकार, देश के भीतर प्राकृतिक धरोहरों को कमजोर करने वाले फैसले ले रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अरावली पर्वतमाला न केवल उत्तर भारत के भूजल संरक्षण, वायु शुद्धिकरण और जलवायु संतुलन के लिए अहम है, बल्कि यह दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र को मरुस्थलीकरण से बचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे में संरक्षण को सीमित करना दीर्घकालिक पर्यावरणीय संकट को जन्म दे सकता है।

अल्पसंख्यकों पर हमले अस्वीकार्य हैं, दंगाइयों पर अंकुश लगाना जरूरी: सीएम स्टालिन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा है कि अल्पसंख्यकों पर हमले अस्वीकार्य हैं और दंगाइयों पर अंकुश लगाना एक साझा व जरूरी कर्तव्य है, जिसे दृढ़ संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए। मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) महासचिव वाइको और एक्टर से नेता बने विजय के नेतृत्व वाले तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने भी ईसाई पूजा स्थलों को निशाना बनाकर किए गए हमलों की निंदा की। स्टालिन ने कहा कि बहुसंख्यक लोगों की सच्ची ताकत और चरित्र अल्पसंख्यकों को भयमुक्त जीवन जीने देने में निहित है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि जब कुछ दक्षिणपंथी हिंसक समूह बहुसंख्यक होने के नाम पर हमले व दंगे करते हैं, वह भी ऐसे समय में जब पीएम मोदी क्रिसमस समारोह में भाग ले रहे हैं। यह राष्ट्र को एक चिंताजनक संदेश देता है। सीएम स्टालिन ने कहा कि मणिपुर के बाद, जबलपुर, रायपुर और अन्य जगहों पर अल्पसंख्यकों पर हमलों की खबरें सद्भाव को महत्व देने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि इसलिए समाज को बांटने वाले दंगाइयों पर अंकुश लगाना एक साझा और जरूरी कर्तव्य है, जिसे दृढ़ संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए।

सीएम स्टालिन ने केंद्र में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत भरे भाषणों में 74 फीसदी की वृद्धि का दावा करते हुए कहा कि यह 'गंभीर खतरे' का संकेत है। वाइको ने रायपुर और जबलपुर समेत कई स्थानों पर गिरजाघरों व ईसाइयों को निशाना बनाने वाली 'हिंदुत्ववादी भीड़' की कड़ी निंदा की और संबंधित राज्य सरकारों से हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। टीवीके के प्रचार महासचिव के जी अरुणराज ने गिरजाघरों पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हुए पीएम मोदी से इन कृत्यों की निंदा करने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

दिल्ली में एक्यूआई फिर 'बेहद खराब' श्रेणी में, जहांगीरपुरी और आनंद विहार सबसे प्रदूषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में दो दिन मामूली सुधार रहने के बाद शुक्रवार को वायु गुणवत्ता एक बार फिर 'बेहद खराब' श्रेणी में पहुंच गई। दिल्ली का एक्यूआई 310 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक दिल्ली के 40 निगरानी केंद्रों में से कम से कम 24 केन्द्रों पर वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' दर्ज की गई। इसमें जहांगीरपुरी और आनंद विहार 395 एक्यूआई के साथ सबसे प्रदूषित इलाके रहे। वहीं लोधी रोड पर एक्यूआई 185 दर्ज किया गया, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। पिछले दो दिनों में दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बनी हुई थी। 'वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली' ने अगले छह दिनों तक वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में बने रहने का अनुमान लगाया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक वर्तमान में हवा की औसत गति 10 किलोमीटर प्रति घंटे से कम है, जो प्रदूषक तत्वों के छितराव के लिए प्रतिकूल है। सीपीसीबी के मानकों के मुताबिक 0 से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51-100 को संतोषजनक, 101-200 को मध्यम, 201-300 को खराब, 301-400 को बेहद खराब और 401-500 को गंभीर माना जाता है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान छह से आठ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

कोहरे ने धीमी की ट्रेनों की रफ्तार

दिल्ली में घने कोहरे के कारण 50 से ज्यादा ट्रेनें देरी से चल रही है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी हो रही है। राजधानी और हमसफर एक्सप्रेस जैसी अहम ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से ट्रेनों के संचालन में दिक्कत आ रही है। रेलवे प्रशासन यात्रियों को अपडेटेड जानकारी प्राप्त करने की सलाह दे रहा है।

दो घंटे से अधिक लेट चलने वाली ट्रेनों में रक्सौल-आनंद विहार टर्मिनल सद्भावना एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, मुजफ्फरपुर-आनंद विहार टर्मिनल सप्त क्रांति एक्सप्रेस सवा दो घंटे, बलिया-आनंद विहार टर्मिनल सुपरफास्ट विशेष सवा चार घंटे, बनारस-आनंद विहार टर्मिनल गरीब रथ एक्सप्रेस, सवा दो घंटे, रीवा-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस छह घंटे, मधुपुर-आनंद विहार टर्मिनल बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर एक्सप्रेस पौने सात घंटे, हल्दिया-आनंद विहार टर्मिनल साप्ताहिक सुपरफास्ट छह घंटे, दानापुर-आनंद विहार टर्मिनल जनसाधारण एक्सप्रेस छह घंटे, बनारस-नई दिल्ली काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे, बलिदानी कैप्टन तुषार महाजन ऊधमपुर-कोटा एक्सप्रेस सवा तीन घंटे, लखनऊ-नई दिल्ली एसी एक्सप्रेस सवा दो घंटे, कानपुर-नई दिल्ली श्रम शक्ति एक्सप्रेस चार घंटे, राजगीर-नई दिल्ली श्रमजीवी एक्सप्रेस सवा पांच घंटे, दरभंगा-नई दिल्ली संपर्क क्रांति एक्सप्रेस सवा पांच घंटे, हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, प्रयागराज-नई दिल्ली हमसफर एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, गोरखपुर-बठिंडा गोरखधाम एक्सप्रेस साढ़े पांच घंटे, प्रयागराज-नई दिल्ली प्रयागराज एक्सप्रेस चार घंटे लेट चल रही है।

वहीं सीएसएमटी-अमृतसर एक्सप्रेस आठ घंटे, राजेंद्र नगर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस सवा चार घंटे, ललित ग्राम-नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस सवा चार घंटे, बनारस-नई दिल्ली शिव गंगा एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे, दरभंगा-नई दिल्ली हमसफर विशेष आठ घंटे, डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस ढाई घंटे, सियालदह-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस सवा दो घंटे, बनारस-नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस सवा तीन घंटे, बरौनी-नई दिल्ली हमसफर विशेष चार घंटे, रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस तीन घंटे, हावड़ा-नई दिल्ली कोलकाता राजधानी साढ़े चार घंटे, वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस सवा छह घंटे, लखनऊ-नई दिल्ली तेजस एक्सप्रेस आठ घंटे, राजेंद्र नगर-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस छह घंटे, लोकमान्य तिलक टर्मिनल मुंबई-हरिद्वार एसी एक्सप्रेस सात घंटे।

प्रयागराज-भिवानी कालिंदी एक्सप्रेस पौने चार घंटे, मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़-पुरानी दिल्ली पद्मावत एक्सप्रेस चार घंटे, बालुरघाट-बठिंडा फरक्का एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, प्रयागराज-चंडीगढ़ ऊंचाहार एक्सप्रेस साढ़े सात घंटे, कामाख्या-पुरानी दिल्ली ब्रह्मपुत्र मेल, पौने आठ घंटे, आजमगढ़-पुरानी दिल्ली कैफियत एक्सप्रेस सवा छह घंटे, कटिहार-पुरानी दिल्ली चंपारण एक्सप्रेस ट्रेनें लेट चली रही है।

वहीं सवा नौ घंटे, देरी से रवाना होने वाली ट्रेनों में नई दिल्ली-अमृतसर शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस सवा चार घंटे, नई दिल्ली-सोगरिया सुपरफास्ट एक्सप्रेस पौने पांच घंटे नई दिल्ली-राजगीर श्रमजीवी एक्सप्रेस एक घंटे, नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर विशेष पांच घंटे लेट चल रही हैं।